फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 01:52 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

सोमवार, 2 फरवरी 2026, वर्ष 35, अंक 363, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

आम बजट 2026-27

अहम बातें

एमएसएमई : ग्रोथ फंड बनाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एलान

एफएंडओ पर एसटीटी 0.02 से 0.05 फीसदी की गई

17 कैंसर की दवाएं व 7 दुर्लभ बीमारी की दवाएं होंगी सस्ती

नए संस्थान, हॉस्टल और यूनिवर्सिटी टाउनशिप

नौकरियां, कौशल और बेहतर अस्पताल को मिलेगा बढ़ावा

किसानों की आय बढ़ाने के साथ उन्हें टेक सपोर्ट देगी सरकार

बैंकिंग और निवेश में सुधार पर फोकस

इस बार इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं

7,84,678.28	2,77,830	1,39,289.48	1,06,530.42	2,55,233.53
रक्षा	रेलवे	शिक्षा	स्वास्थ्य	गृह मंत्रालय

सभी राशि करोड़ रुपये में

टैक्स वही, सोच नई

53.5 लाख करोड़ का बजट वित्त मंत्री ने किया पेश

बजट में लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज किसानों और युवाओं पर फोकस

7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने के साथ मेगा टैक्सटाइल पार्क किए जाएंगे विकसित

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट 15% बढ़ाया 2047 तक ग्लोबल लीडर बनने का लक्ष्य

यह हुआ महंगा

- इनकम टैक्स में गलत जानकारी देना : टैक्स की रकम के 100% के बराबर पेनल्टी
- चल संपत्ति का खुलासा न करना : अब इस पर पेनल्टी लगेगी
- स्टॉक ऑप्शन और फ्यूचर्स ट्रेडिंग : सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स 0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया गया
- छाते और उनके पाट्र्स पर 10 प्रतिशत या 25 रुपये प्रति किलो (जो भी ज्यादा हो) ड्यूटी लगेगी
- शराब, मिनरल्स और स्क्रैप की बिक्री पर टीसीएस अब 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2% की
- क्रैनबेरी पर ड्यूटी 5 प्रतिशत और ब्लूबेरी पर 10 प्रतिशत कर दी गई है
- पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड पर ड्यूटी अब शून्य से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दी गई है।
- चबाने वाला तंबाकू, जर्दा और गुटखा पर एनसीसीडी 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 कर दिया

सस्ती हुई चीजें

- माइक्रोवेव ओवन के खास पाट्र्स पर अब बेसिक कस्टम ड्यूटी नहीं
- चमड़े के निर्यात में इस्तेमाल होने वाले कुछ खास इनपुट्स को ड्यूटी-फ्री आयात की सुविधा
- बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम बनाने में इस्तेमाल होने वाले कैपिटल गुड्स पर कस्टम ड्यूटी माफ
- सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले सोडियम एंटीमोनेट पर कस्टम ड्यूटी हटी
- न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट्स के लिए आयात किए जाने वाले सामान पर 2035 तक कस्टम ड्यूटी माफ
- एविएशन सेक्टर के पाट्र्स बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर कस्टम ड्यूटी माफ
- विदेशी टूर पैकेज पर टीसीएस की दर 5–20 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर की गई
- विदेश में पढ़ाई के खर्च पर एलआरएस के तहत अब कम टीडीएस लगेगा।
- एनर्जी ट्रांजिशन से जुड़े उपकरणों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी माफ
- फ्रोजन टर्की मांस और खाने योग्य ऑफल पर टैरिफ 30 से घटाकर 5 प्रतिशत
- आर्टेमिया सिस्ट और कैंसर की कुछ दवाओं पर टैरिफ 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश किया। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित पांच प्रमुख राज्यों में चुनाव करीब होने के बाद भी उन्होंने लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज रखा। साथ ही सुधार एक्सप्रेस को जारी रखते हुए वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए कर छूट और कृषि एवं पर्यटन क्षेत्रों को प्रोत्साहन का प्रस्ताव रखा। सीतारमण ने संसद में कुल 53.5 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। छोटे उद्यमों एवं विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की। अब तक के सर्वाधिक 12.22 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के साथ इस बजट को बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच वृद्धि को बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक रूपरेखा के रूप में देखा जा रहा है। सीतारमण ने छूट को युक्तिसंगत बनाकर सीमा शुल्क व्यवस्था को सरल बनाया है। इसके तहत 17 कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क से छूट दी गई है। बैगेज नियमों में ढील के साथ व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयातित वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

छोटे उद्योगों के साथ कृषि, पर्यटन क्षेत्रों पर जोर

नई दिल्ली। निर्मला सीतारमण ने अपना लगातार रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करते हुए वैश्विक अनिश्चितता के बीच बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर को बनाए रखते हुए पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया जो पिछले वित्त वर्ष में 11.2 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि सरकार सात क्षेत्रों औषधि, सेमीकंडक्टर, दुर्लभ-खनिज चुंबक, रसायन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र और खेल सामग्री में विनिर्माण को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देगी। साथ ही, रोजगार सृजन और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास पर भी जोर दिया जाएगा। बजट में पशुधन, मत्स्य पालन और उच्च मूल्य वाले कृषि क्षेत्रों के लिए भी कई कार्यक्रमों की घोषणा की गई। वहीं भारत को जैव-औषधि विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। कपड़ा क्षेत्र के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम की भी घोषणा की गई। पर्यटन के लिए हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पारिस्थितिकी रूप से टिकाऊ पर्वतीय मार्गों के विकास के साथ-साथ 15 पुरातात्विक स्थलों के विकास का भी प्रस्ताव किया गया। लघु उद्यमों को बढ़ावा देने और भविष्य के 'चैंपियन' तैयार करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई वृद्धि कोष बनाने का प्रस्ताव किया गया है। इसमें चुनिंदा मानदंडों के आधार पर उद्यमों को प्रोत्साहन प्रदान करने की बात कही गयी है। बजट में घोषित उपाय पिछले वर्ष आयकर में छूट और जीएसटी कटौती के पूरक हैं। इन उपायों ने बुनियादी ढांचे पर खर्च, श्रम कानून में सुधार और रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दर में कटौती के साथ मिलकर भारतीय अर्थव्यवस्था को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत के शुल्क का सामना करने में मदद की है।

वित्त मंत्री ने बताए 3 कर्तव्य

सीतारमण ने बजट पेश करते हुए सरकार का विकास रोडमैप सामने रखा। उन्होंने तीन मूल कर्तव्यों गिनाए।

- **आर्थिक ग्रोथ :** सरकार का पहला कर्तव्य है भारत की आर्थिक वृद्धि को तेज रखना। वैश्विक हालात चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और सरकार का लक्ष्य है कि वृद्धि दर को लगातार ऊंचा रखा जाए।
- **जनता की उम्मीद :** दूसरा कर्तव्य है जनता की उम्मीदों और उनके भरोसे पर खरा उतरना। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, युवाओं के अवसर, महिला सशक्तिकरण और रोजगार ऐसे क्षेत्र हैं जहां सरकार बजट के जरिए सीधे राहत देने और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है।
- **सबका साथ, सबका विकास :** सरकार का तीसरा कर्तव्य है विकास को सबके लिए समान और सुलभ बनाना। सीतारमण ने कहा कि किसी भी नीति या योजना का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचे।

एसटीटी बढ़ोतरी से बाजार धराशायी, सेंसेक्स 1,547 अंक टूटा

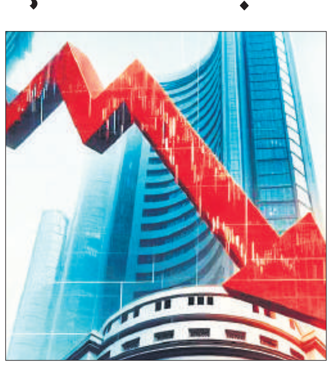

मुंबई। वायदा सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने की केंद्रीय बजट में घोषणा के बाद रविवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,547 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 495 अंक टूटकर बंद हुआ। मार्केट में भारी बिकवाली के दबाव में निवेशकों के 9.40 लाख करोड़ रुपये डूब गए। विश्लेषकों के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में सौदों पर एसटीटी को बढ़ाने का ऐलान बाजार को पसंद नहीं आया और यह बहुत तेजी से नीचे चला गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए दोपहर के कारोबार में 2,370.36 अंक यानी 2.88 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 80,000 अंक के अहम स्तर से भी नीचे फिसलकर 79,899.42 अंक पर खिसक गया था।

● सात साल में सबसे बड़ी गिरावट, वित्त मंत्री बोलीं- सट्टेबाजी को रोकना है मकसद, निवेशकों के 9.40 लाख करोड़ डूबे

हालांकि, बाद में सेंसेक्स थोड़े सुधार के साथ 1,546.84 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 495.20 अंक यानी 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 748.9 अंक यानी 2.95 प्रतिशत लुढ़ककर 24,571.75 अंक के निचले स्तर तक चला गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) धीरज रेल्ली ने कहा, एसटीटी में प्रस्तावित बढ़ोतरी अल्पावधि में पूंजी बाजार से जुड़ी इकाइयों के लिए दबाव बना सकती है, हालांकि दीर्घावधि में इसके सकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं।

140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं वाला बजट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026–27 को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है तथा विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है। मोदी ने कहा कि बजट में अवसरों की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि बजट में देश की नारी शक्ति का प्रतिबिंब झलकता है। सीतारमण ने लगातार नौवीं बार देश का बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं को नई गति देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह बजट 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा की नींव है। इस वर्ष का बजट भारत की सुधार एक्सप्रेस को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा। भारत केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट नहीं है और यह बजट भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करता है।

विकसित भारत के निर्माण का प्रेरणादायी संकल्प-पत्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह विकसित भारत के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प पत्र है। उन्होंने कहा यह बजट युवाओं को अवसर, किसानों को सुरक्षा, उद्यमियों को प्रोत्साहन, मध्यम वर्ग को राहत और श्रमिकों को सम्मान प्रदान करेगा। योगी ने कहा यह बजट नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को नई गति देने के साथ ही कृषि, ग्रामीण विकास, अवसंरचना, पर्यटन, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को सशक्त बनाते हुए 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को साकार करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन देकर 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव को और सुदृढ़ किया गया है।

वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि 2026-27 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.3 प्रतिशत रहेगा जो चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित 4.4 प्रतिशत से कम है। कहा कि सरकार अगले वित्त वर्ष में राज्यों को कर हस्तांतरण राशि के रूप में 1.4 लाख करोड़ रुपये प्रदान करेगी जबकि शुद्ध कर प्राप्तियां 28.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में अनुमानित राजकोषीय घाटा (सरकारी व्यय और आय के बीच का अंतर) सकल घरेलू उत्पाद (जीडपी) का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

एक लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को शामिल करने और आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान को मजबूत करने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने की घोषणाएं इस बार आम बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए खास हैं। इसी के साथ भारत को चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में पांच क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र स्थापित करने में राज्यों को सहायता देने के लिए योजना शुरू करने की घोषणा भी देश के चिकित्सा विशेषज्ञों को काफी भायी है।

स्वस्थ भारत

• स्वास्थ्य मंत्रालय को 1,06,530 करोड़ रुपये का बजट आवंटित

10% पिछली बार से ज्यादा

निजी क्षेत्र की साझेदारी में बनेंगे पांच क्षेत्रीय चिकित्सा हब

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को 2026-27 के बजट में 1,06,530.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो 2025-26 के बजट के मुकाबले 10 प्रतिशत ज्यादा है। सरकार ने भारत को एक प्रमुख चिकित्सा पर्यटन गंतव्य के तौर पर बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में पांच क्षेत्रीय चिकित्सा हब बनाने में राज्यों की मदद के लिए एक योजना का प्रस्ताव रखा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को लोकसभा में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि ये हब एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल परिसर के तौर पर काम करेंगे, जिनमें चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय दूर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए, बजट आवंटन को 45 करोड़ रुपये से कुछ बढ़ाकर 51 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 350 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। स्वायत्त इकाइयों के लिए बजट आवंटन 2024-25 में 21,901.98 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 22,343.97 करोड़ रुपये हो गया है।

नई दिल्ली स्थित एम्स के लिए आवंटन 5,238.70 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,500.92 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि आईसीएमआर के लिए 4,821.21 करोड़ रुपये चिह्नित किए गए हैं, जो लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि है।

केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए आवंटन 37,100.07 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 39,390 करोड़ रुपये किया

530.42 करोड़ रुपये में से 1,01,709.21 करोड़ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग तथा 4,821.21 करोड़ रुपये स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के लिए

आयुष्मान भारत का बजट 5.6% बढ़ा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए आवंटन 8,995 करोड़ से बढ़ाकर 9,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

अगले पांच साल में बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

नई दिल्ली। बजट में अगले पांच वर्षों में बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से देश के दवा उद्योग को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। 'बायोफार्मास्युटिकल्स' या 'बायोलॉजिक्स' ऐसे जटिल औषधीय उत्पाद होते हैं, जिन्हें रासायनिक संश्लेषण के बजाय जीवों, कोशिकाओं या ऊतकों से तैयार किया जाता है। वित्त मंत्री ने विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा समेत छह प्रमुख क्षेत्रों के लिए ठोस पहल करने का प्रस्ताव रखा।

दस क्षेत्रों में जोड़े जाएंगे एक लाख स्वास्थ्य पेशेवर

नई दिल्ली। अगले पांच सालों में ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया और एप्लाइड साइकोलॉजी समेत अलग-अलग क्षेत्रों में करीब एक लाख सहायक स्वास्थ्य पेशेवरों (एएचपी) को जोड़ा जाएगा। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि एएचपी के लिए मौजूदा संस्थानों को उन्नत किया जाएगा और निजी तथा सरकारी क्षेत्र में नए एएचपी संस्थान बनाए जाएंगे। इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत के युवाओं के लिए कौशल वाले रोजगारों के नए रास्ते बनेंगे। इसमें ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ओटी टेक्नोलॉजी, एप्लाइड साइकोलॉजी और व्यवहार संबंधी सेहत समेत 10 चुने हुए क्षेत्र शामिल होंगे।

कैंसर के साथ सात अन्य दुर्लभ बीमारियों की दवाओं की कीमतें होंगी कम

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 में कैंसर के साथ सात और दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए रियायतों की घोषणा की है। वित्त मंत्री ने कहा कि कैंसर की 17 दवाओं पर मूलभूत सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी यानी इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा सात और दुर्लभ बीमारियों के उपचार में काम आने वाली दवाओं के आयात शुल्क में भारी छूट दी गई है। मूलभूत सीमा शुल्क वह टैक्स है जो भारत सरकार विदशों से आयात किए जाने वाले सामान पर लगाती है और यह सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत लिया जाता है। इस फैसले का सबसे बड़ा असर कैंसर और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के काम में आने वाली दवाओं की कीमत पर पड़ेगा।

- बुजुर्गों और सहायक देखभाल सेवाओं के लिए एक मजबूत देखभाल प्रणाली बनाई जाएगी।

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

नई दिल्ली। पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और दवाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने का बजट में प्रस्ताव रखा गया। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद आयुर्वेद को दुनिया भर में पहचान और मान्यता मिली। अच्छी गुणवत्ता के आयुर्वेद उत्पाद जड़ी-बूटियों की पैदावार करने वाले किसानों और इनका प्रसंस्करण करने वाले युवाओं की मदद करते हैं।

वित्त मंत्री ने बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने, प्रमाणन तंत्र के लिए आयुष फार्मेसी और दवा जांच प्रयोगशालाओं को उच्च मानकों पर पहुंचाने और अधिक कुशल लोग उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। वित्त मंत्री ने कहा, प्राचीन भारतीय योग, जिसे दुनिया के कई हिस्सों में पहले से ही सम्मान है, को तब बड़े पैमाने पर वैश्विक पहचान मिली जब प्रधानमंत्री इसे संयुक्त राष्ट्र में ले गए। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद, आयुर्वेद को भी वैसी ही वैश्विक पहचान मिली। वित्त मंत्री ने जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक परंपरागत औषधि केंद्र को उन्नत करने का भी प्रस्ताव रखा ताकि पारंपरिक दवाओं के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।

निमहांस 2.0 के साथ रांची मानसिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में उभरेगा

रांची। अपने मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों के लिए जानी जाने वाली झारखंड की राजधानी रांची को इसका पहला निमहांस मिलने जा रहा है, जो उत्तर भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को रांची में दूसरे राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस 2.0) की स्थापना की घोषणा की।

पहला निमहांस बेंगलुरु में स्थित है। शहर के दो प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक केंद्र द्वारा संचालित रांची तांत्रिका और मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान 100 से अधिक वर्षों से मनोरोग देखभाल, अनुसंधान और पुनर्वास के प्रमुख केंद्रों के रूप में कार्य कर रहे हैं। सीआईपी अधिकारियों ने कहा कि वे संस्थान को निमहांस की तर्ज पर उन्नत करने की मांग कर रहे थे। इस संस्थान की स्थापना अंग्रेजों ने 17 मई 1918 को रांची यूरोपियन लुनेटिक असाइलम के नाम से की थी। सीतारमण ने कहा, उत्तर भारत में कोई राष्ट्रीय संस्थान नहीं हैं। इसलिए, हम निमहांस 2.0 की स्थापना करेंगे और रांची तथा तेजपुर में स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों के रूप में उन्नत करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र के लिए आम बजट 2026-27 में 1.39 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जिसमें उच्च शिक्षा के लिए 55,727 करोड़ रुपये शामिल

शिक्षित भारत

8.27% से ज्यादा वृद्धि

प्रमुख औद्योगिक लॉजिस्टक केंद्रों के पास देश में बनेंगी 5 विश्वविद्यालय टाउनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी

युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का उद्देश्य

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि सरकार प्रमुख औद्योगिक 'लॉजिस्टिक' केंद्रों के आसपास पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप स्थापित करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि सरकार प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के आसपास पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप बनाने में राज्यों को सहयोग देगी। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा, 'इन प्रस्तावित शैक्षणिक क्षेत्रों में कई विश्वविद्यालय, कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, कौशल केंद्र और आवासीय परिसर होंगे।

केंद्र सरकार ने बजट में शिक्षा को प्राथमिकता वाले क्षेत्र में रखते हुए इस वर्ष 8.27 प्रतिशत से अधिक धनराशि का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री की ओर से पेश किए गए बजट में शिक्षा को 1,39,289 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वर्ष 2025-26 के बजट में कुल 128650 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। सरकार का कहना है कि इस बजट का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को भविष्य के लिए तैयार करना और युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। बजट में उच्च शिक्षा और खासतौर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और मैथ्स (एसटीईएम) को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

हर जिले में बनेगा गर्ल्स हॉस्टल 700 से ज्यादा जिले हैं पूरे देश में

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के हर जिले में एक बालिका छात्रावास (गर्ल्स हॉस्टल) स्थापित करने की घोषणा की। देश में 700 से अधिक जिले हैं। सीतारमण ने पशु चिकित्सा महाविद्यालयों, अस्पतालों और जांच प्रयोगशालाओं के लिए ऋण से जुड़ी पूंजीगत सब्सिडी सहायता योजना का भी प्रस्ताव रखा। मंत्री ने आयुष औषधालयों और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं के उन्नयन तथा गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रमुख औद्योगिक ''लॉजिस्टिक'' केंद्रों के आसपास के क्षेत्रों में पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप के लिए भी सहायता प्रदान करेगा।

शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता पर उच्च स्तरीय समिति का होगा गठन

नई दिल्ली। देश को वैश्विक सेवा क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सरकार ''शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता'' पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करेगी। वित्त मंत्री ने रविवार को बजट पेश करते हुए कहा, मैं ''शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता'' पर एक उच्चस्तरीय स्थाई समिति के गठन का प्रस्ताव करती हूं, जो विकसित भारत के प्रमुख प्रेरक के रूप में सेवा क्षेत्र पर केंद्रित उपायों की सिफारिश करेगी। इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक सेवा क्षेत्र में अग्रणी बनाना है, ताकि वर्ष 2047 तक वैश्विक सेवाओं में हमारी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत हो सके। यह समिति विकास, रोज़गार और निर्यात की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करेगी। साथ ही, एआई सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के रोजगार और कौशल आवश्यकताओं पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर आवश्यक उपायों का सुझाव देगी।

15,000 स्कूलों, 500 कॉलेजों में स्थापित की जाएंगी 'एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब'

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की प्रमुख पहल 'इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज' के तत्वावधान में 15,000 माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने में सहयोग देने का प्रस्ताव रखा है।

सीतारमण ने बजट भाषण में कहा, भारत का एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र एक उभरता हुआ उद्योग है, जिसके लिए 2030 तक 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता होने

एवीजीसी क्षेत्र में प्रतिभा विकास के लिए 250 करोड़ रुपये

का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा, मैं 15,000 माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज, मुंबई को सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव करती हूं। केंद्रीय बजट में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को 4,551.94 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

इसमें से एक बड़ी राशि भारत के सार्वजनिक प्रसारक 'प्रसार भारती' के साथ-साथ एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स और गेमिंग क्षेत्र में प्रतिभा विकास और सामुदायिक रेडियो के विस्तार को समर्थन देने के लिए निर्धारित की गई है। एवीजीसी क्षेत्र में प्रतिभा विकास के लिए 250 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसके माध्यम से सरकार देश के युवाओं को कंटेंट क्रिएशन में अग्रणी बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से बजट, शिक्षा के प्रति दर्शाता है सरकार की प्राथमिकता को : प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रविवार को पेश केंद्रीय बजट में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में शिक्षा के बजट को बढ़ाया गया है जो सरकार की शिक्षा के प्रति प्राथमिकता को दर्शाता है।

प्रधान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बजट में नवजात शिशु से लेकर युवा तक का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि क्वालिटी, स्कूल शिक्षा, स्किलिंग, नर्चरिंग इनोवेशन, इंटरप्रेन्योरशिप और शोध इस बजट के बड़े संकेत है। भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे ले जाने के लिए बजट में कई कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में शिक्षा में बजट बढ़ाया गया है। पिछली बार की तुलना में इस बार बजट 8.27 प्रतिशत अधिक है

इस बजट में भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे ले जाने की कल्पना

जो सरकार की शिक्षा के प्रति प्राथमिकता को दर्शाता है।

प्रधान ने कहा कि भारत की लड़कियां विज्ञान, तकनीक और गणित की शिक्षा में दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ है। सरकार ने इसमें और गति देने के लिए हर जिले में लड़कियों के लिए एक छात्रावास बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप बनाए जाएंगे जिसमें शोध,नवाचार और ज्ञान का एक इकोसिस्टम बनेगा। अर्थ नीति को बढ़ाने के लिए उसे ज्ञान से जोड़ना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान खोले जाने की घोषणा की गई है। देश से बाहर पढ़ने जाने वाले छात्रों को पहले पांच प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था उसे दो प्रतिशत किया गया जिससे छात्रों को देश के बाहर शोध करने के लिए जाना आसान होगा। उन्होंने कहा कि बजट में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीआरटी) के बजट में चौदह प्रतिशत की बढोत्तरी की गई है।

2.77 लाख करोड़ में रेलवे करेगा विकास

नई रेल लाइन का निर्माण और लोकोमोटिव, वैगन तथा कोच की खरीद के साथ-साथ होंगे कई अन्य कार्य

- **2025-26 में 2,52 लाख करोड़ थे आवंटित वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 10.25% ज्यादा**
- **रेलवे की कमाई 3,85,733.33 करोड़ और खर्च 3,82,186.01 करोड़ होने का अनुमान**

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजी व्यय के लिए रेल मंत्रालय को 2,77,830 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की। बजट आवंटन में नई रेल लाइन का निर्माण और लोकोमोटिव, वैगन तथा कोच की खरीद के साथ अन्य कार्य शामिल हैं। मंत्रालय को वित्त वर्ष 2025-26 में 2,52,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। आने वाले वित्त वर्ष के लिए यह आवंटन 10.25 प्रतिशत ज्यादा है, जो अब तक का सर्वाधिक है। इसके अलावा, मंत्रालय को अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से 15,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

बजट दस्तावेज के मुताबिक, रेलवे की कुल कमाई 3,85,733.33 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि खर्च 3,82,186.01 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जिससे वित्त वर्ष के आखिर में 3,547.32 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि क्योंकि रेलवे की कमाई इतनी कम है कि वह परिसंपत्ति बनाने और नए कामों का समर्थन नहीं कर सकती, इसलिए उसे सरकार से धन मिलता है। इसलिए, मंत्रालय को नई लाइन बिछाने, नैरो गेज को ब्रॉड गेज में बदलने और सिंगल-लाइन वाले मार्गों पर डबल लाइन बनाने जैसे कार्यों के लिए 2,77,830 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बजट दस्तावेज में विभिन्न निर्माण कार्यों और संपत्ति निर्माण परियोजनाओं के लिए 2,77,830 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव है। इनमें नई लाइन के लिए 36,721.55 करोड़ रुपये, गेज परिवर्तन के लिए 4,600 करोड़ रुपये, लाइन दोहरीकरण के लिए 37,750 करोड़ रुपये, रोलिंग स्टॉक (लोकोमोटिव, वैगन आदि) के लिए 52,108.73 करोड़ रुपये, और सिग्नलिंग तथा दूरसंचार के लिए 7,500 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस दस्तावेज में 2024–25 में रेलवे की वास्तविक कमाई और खर्च का ब्यौरा भी दिया गया है। साल के दौरान, रेलवे ने 3,35,757.09 करोड़ रुपये कमाए और 3,32,440.64 करोड़ रुपये खर्च किए, जिससे 3,316.45 करोड़ रुपये की आय हुई। उस साल के लिए बजट में 2,51,946.56 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था।

एक अधिकारी ने कहा कि जहां तक वित्त वर्ष 2025–26 की बात है, कमाई और खर्च के असल आंकड़े वित्त वर्ष खत्म होने के बाद ही मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकतर कमाई और खर्च मामूली बदलावों के साथ उम्मीद के मुताबिक ही हैं। रेलवे के कुल खर्च में से सबसे बड़ा हिस्सा उसके कर्मचारियों को पेंशन देने में जाता है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2024-25 में पेंशन पर खर्च 58,844.07 करोड़ रुपये था, जिसके 2026-27 में बढ़कर 74,500 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

सात हाई-स्पीड, एक फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्तव रखा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को 2026–27 के केंद्रीय बजट में अलग–अलग शहरों के बीच सात हाई–स्पीड कॉरिडोर और पश्चिम बंगाल के डंकुनी से गुजरात के सूरत के बीच एक नए विशेष फ्रेट कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि पर्यावरण अनुकूल यात्री प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, हम शहरों के बीच ग्रोथ कनेक्टर के तौर पर सात हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करेंगे। वित्त मंत्री के मुताबिक, ये प्रस्तावित गलियारे मुंबई और पुणे, पुणे और हैदराबाद, हैदराबाद और बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई, चेन्नई और बेंगलुरु, दिल्ली और वाराणसी तथा वाराणसी और सिलीगुड़ी के बीच विकसित किए जाएंगे। सीतारमण ने कहा कि मालवहन के लिए पर्यावरण अनुकूल सतत परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, वह पूर्वी क्षेत्र में डंकुनी को पश्चिमी हिस्से के सूरत से जोड़ने वाला एक नया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रख रही हैं। अभी, अहमदाबाद और मुंबई के बीच एक हाई–स्पीड कॉरिडोर पर काम जारी है। इसी तरह, कई राज्यों और जिलों में दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर – ईस्टर्न और वेस्टर्न का काम जारी है।

राजकोषीय घाटे की भरपाई को 17.2 लाख करोड़ का कर्ज लेगी सरकार

सरकार अगले वित्त वर्ष में 4.3% के अनुमानित राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए कुल 17.2 लाख करोड़ रुपये उधार ले सकती है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025–26 में 14.80 लाख करोड़ रुपये के सकल कर्ज का अनुमान लगाया था। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से कर्ज लेती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए, प्रतिभूतियों से शुद्ध बाजार उधारी 11.7 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। शेष वित्तपोषण लघु बचत और अन्य स्रोतों से किये जाने की उम्मीद है। सकल बाजार उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। कर्ज की राशि अधिक होने के प्रश्न पर, आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि शुद्ध बाजार उधारी 11.73 लाख करोड़ रुपये के आसपास है, जो कुछ वर्षों के आंकड़ों के करीब है। उन्होंने कहा कि यह बड़ी संख्या इसलिए है क्योंकि हमें इस साल 5.5 लाख करोड़ रुपये चुकाने हैं। इसलिए, उस लिहाज से हमें यह कोई बड़ी संख्या नहीं लगती। ठाकुर ने कहा कि प्रतिभूति पुनर्खरीद और अदला–बदली का मुख्य उद्देश्य सरकार पर ऋण चुकाने का बोझ कम करना, एक साथ कई ऋण के जमा होने के प्रभाव को कम करना और लागत को नियंत्रित करना है। उन्होंने कहा कि हमने इस साल उच्च ब्याज वाली प्रतिभूतियों की महत्वपूर्ण अदला–बदली की है। अगले साल इस 5.5 लाख करोड़ रुपये को चुकाना होगा। जैसे–जैसे ये प्रतिभूतियां आती रहेंगी, हम निर्णय लेते रहेंगे। बजट के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि केंद्र राज्यों से उनके राजकोषीय प्रबंधन के बारे में बात कर रहा है और उनके ऋणों पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र अनुच्छेद 293 (3) के तहत यह सुनिश्चित करने के लिए भी बाध्य है कि राज्यों के कर्ज पर भी नजर रखी जाए। हम उन्हें नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन उनके वित्तीय प्रबंधन अधिनियम से ऊपर जाने पर हम उस पर गौर कर सकते हैं।

बजट में राजकोषीय मजबूती, पूंजीगत व्यय बढ़ने से वृद्धि को मिलेगा प्रोत्साहन

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बजट 2026–27 में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रशंसा की। कांत ने एक्स पर कहा कि सीतारमण ने राजकोषीय घाटे को प्रभावशाली ढंग से घटाकर जीडीपी का 4.3 प्रतिशत किया है, जो 2020–21 के 9.2 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से एक बड़ी कमी है। उन्होंने कहा कि राजकोषीय अनुशासन के वादे को सफलतापूर्वक निभाने के लिए निर्मला सीतारमण को बधाई! इस उपलब्धि ने न केवल हमारी अर्थव्यवस्था में भरोसे को मजबूत किया है, बल्कि निजी क्षेत्र को कर्ज लेने के लिए अधिक अनुकूल वातावरण भी तैयार किया है। कांत ने कहा कि इस राजकोषीय मजबूती को पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ जोड़ा गया है, जिससे प्रभावी पूंजीगत व्यय अब जीडीपी का 4.4 प्रतिशत हो गया है।

लड़ाकू दक्षता बढ़ाने के लिए सेना को मिले 7.85 लाख करोड़

- **रक्षा बजट में 15 प्रतिशत का इजाफा, पूंजीगत व्यय में करीब 22 प्रतिशत की वृद्धि**

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7,84,678 करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जो पिछले वर्ष के आवंटन 6.81 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। सरकार का ध्यान खासकर चीन और पाकिस्तान से बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर सेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने पर है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के परिप्रेक्ष्य में पूंजीगत खरीद के बजट समेत रक्षा आवंटन में की गई यह वृद्धि हमारी सेना को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प को प्रबल बनाएगी। कुल आवंटन में से 2,19,306 करोड़ रुपये सशस्त्र बलों के पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए, जिसमें मुख्य रूप से नए हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य सैन्य उपकरण खरीदना शामिल है। यह पूंजीगत व्यय 2025-26 के बजट अनुमान की तुलना में 21.84 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय के तहत, 63,733 करोड़ रुपये विमान और एयरो इंजन के लिए और 25,023 करोड़ रुपये नौसेना बेड़े के लिए आवंटित किए गए हैं। कुल पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष के बजटीय अनुमान 1.80 लाख करोड़ रुपये से 39,000 करोड़ रुपये अधिक है। 2025-26 का संशोधित पूंजीगत व्यय 1,86,454 करोड़ रुपये अनुमानित था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 1.39 लाख करोड़ रुपये (पूंजीगत खरीद बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा) वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान घरेलू उद्योगों के माध्यम से खरीद के लिए निर्धारित किए गए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अगले वित्त वर्ष के लिए रक्षा आवंटन अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो प्रतिशत है और यह 2025-26 के बजट अनुमान (बीई) की तुलना में 15.19 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है।

1.85 लाख करोड़ में सेनाओं के आधुनिकीकरण का प्रावधान

1.71 लाख करोड़ रुपये पेंशन के लिए व्यय करने का प्रावधान

17,250 करोड़ अनुसंधान व विकास पर होगा खर्च

12,100 करोड़ भूतपूर्व सैनिक स्वास्थ्य योजना के लिए

खरीदे जाएंगे 114 राफेल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पेश किए गए बजट में किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने की रक्षा तैयारियों को आगे बढ़ाने और सेनाओं के आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया है। बजट में वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के मद्देनजर पूंजीगत बजट में अच्छी खासी बढोतरी की गयी है जो 2.19 लाख करोड़ रुपये है। सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 24% अधिक है। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ दिए गए है जबकि पिछली बार 1.60 लाख करोड़ रुपये था। अनुसंधान और विकास के लिए भी 17250 करोड़ रुपये का प्रावधान है जो पिछली बार 14923 करोड़ रुपये था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आए बजट ने देश की रक्षा व्यवस्था को और मज़बूत बनाने के सरकार के संकल्प को और सुदृढ़ किया है।

डीआरडीओ के लिए बजट कभी बाधा नहीं रहा : संयुक्त निदेशक

कोलकाता। डीआरडीओ के संयुक्त निदेशक बिनॉय दास ने कहा कि अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों और हथियार प्रणालियों के डिजाइन और विकास में लगे प्रमुख सरकारी अनुसंधान संगठन के लिए बजट कभी भी बाधा नहीं रहा है। दास ने कहा कि रक्षा अनुसंधान और उत्पादन क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हमेशा से भरपूर सहयोग मिलता रहा है। सरकार ने हमेशा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को बिना शर्त सहयोग दिया है और बजट हमारे लिए कभी बाधा नहीं रहा है। दास के मुताबिक, डीआरडीओ से अगली पीढ़ी की ऐसी तकनीक पर काम करने के लिए कहा गया है, जो दुनिया में किसी के पास नहीं है। उन्होंने साइंस सिटी सभागार में कहा कि हमें ऐसे उपकरणों पर काम करना होगा, जिनका हमारे सशस्त्र बल सपना देख रहे हैं। हम ऐसे उपकरणों के आयात का इंतजार नहीं कर सकते, क्योंकि आज की बदलती भू–राजनीतिक परिस्थितियों और युद्ध के परिदृश्यों में समीकरण बदल गए हैं। दास को विज्ञान और रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान के लिए जेआईएस महा सम्मान पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने कहा कि यह बजट हमें उन प्रणालियों को साकार करने और सशक्त बनाने में मदद करेगा, जिन्हें हम विकसित करते हैं। यह निर्यात के माध्यम से आर्थिक महाशक्ति बनने में सहायक होगा। पहले भारत को रक्षा प्रौद्योगिकियों के आयात से वंचित रखा गया था और आज हम आयात से इन्कार कर रहे हैं। भारत ने गैलियम नाइट्राइड प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करके सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलताएं प्राप्त की हैं और पूर्णत: आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में काम हो रहा है।

5000 करोड़ में सात सीईआर होंगे स्थापित

सरकार ने शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए बेंगलुरु, सूरत और वाराणसी सहित सात शहरी आर्थिक क्षेत्र (सीईआर) स्थापित किए हैं। इनके लिए पांच साल में प्रति क्षेत्र 5,000 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया गया है। सीतारमण ने शहरों को भारत के विकास, नवोन्मेष और अवसरों का इंजन बताते हुए कहा कि यह नई पहल मझोली और छोटे शहरों (टियर दो और तीन) के साथ–साथ मंदिर नगरों पर केंद्रित होगी, जिन्हें आधुनिक बुनियादी ढांचे और बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है। सरकार ने बजट में दो नई योजनाओं– शहरी आर्थिक क्षेत्रों और क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्रों के लिए 2,000 करोड़ से अधिक का प्रस्ताव रखा है। यह आवंटन सात शहरी आर्थिक क्षेत्रों बेंगलुरु, भुवनेश्वर–पुरी–कटक त्रिपक्षीय क्षेत्र, कोयंबटूर–ईरोड–तिरुप्पुर, पुणे, सूरत, वाराणसी और विशाखापत्तनम के लिए प्रस्तावित किया गया है।

विधि मंत्रालय को ईपीआईसी के लिए मिले 250 करोड़

मतदाताओं की संख्या बढ़ने के बीच बजट में विधि मंत्रालय को मतदाता पहचान पत्रों के लिए 250 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जबकि लोकसभा चुनाव से संबंधित खर्चों के लिए 500 करोड़ अलग से दिए गए हैं। मतदाता फोटो पहचान पत्रों (ईपीआईसी) पर होने वाला खर्च केंद्र और राज्यों के बीच बराबर बांटा जाता है। प्रत्येक राज्य मतदाताओं की संख्या के अनुपात में राशि का भुगतान करता है। भारत में मतदाताओं की संख्या वर्तमान में 99 करोड़ है। निर्वाचन आयोग, चुनाव कानूनों, संबंधित नियमों और निर्वाचन आयोग की नियुक्तियों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करने वाले विधि मंत्रालय को 2024 में हुए लोकसभा चुनावों के लिए 500 करोड़ उपलब्ध कराए गए हैं।

ई-अदालत परियोजना को मिला 1,200 करोड़

सभी अधीनस्थ अदालतों के डिजिटलीकरण के उद्देश्य से विधि मंत्रालय की ई–अदालत परियोजना के तृतीय चरण के लिए केंद्रीय बजट में 1,200 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इस परियोजना को अनुमान के 1,500 करोड़ के मुकाबले 1,200 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सितंबर 2023 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7,210 करोड़ के वित्तीय व्यय के साथ केंद्रीय योजना के रूप में परियोजना के तीसरे चरण को मंजूरी दी थी, जिसे चार साल में लागू किया जाना है। राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना के तहत भारतीय न्यायपालिका को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) में सक्षम बनाने के लिए 2007 से ई–अदालत परियोजना क्रियान्वयन में है। परियोजना का दूसरा चरण 2023 में खत्म हुआ।

2.5 लाख करोड़ में खुफिया तंत्र और मजबूत करेगा केंद्रीय गृह मंत्रालय

कुल धनराशि का 68% हिस्सा यानी 1.73 लाख करोड़ पुलिस मद के लिए किए गए निर्धारित

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2026–27 में गृह मंत्रालय के लिए 2.55 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि निर्धारित की गई है, जो 2025–26 के बजट अनुमान 2.33 लाख करोड़ की तुलना में 9.44 प्रतिशत अधिक है। बजट में गृह मंत्रालय के लिए कुल धनराशि का 68 प्रतिशत हिस्सा यानी 1.73 लाख करोड़ रुपये पुलिस मद के लिए निर्धारित किया गया है। इसमें खुफिया ब्यूरो (आईबी), केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल जैसे सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ, सीमा विकास कार्यक्रम, तथा दिल्ली और जम्मू–कश्मीर के पुलिस बलों के लिए निधि शामिल है। केंद्रीय बजट 2025–26 में गृह मंत्रालय के लिए 2.33 लाख करोड़ रुपये (बजट अनुमान) आवंटित किए गए थे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026–27 में जम्मू–कश्मीर के लिए 43,290.29 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लिए 1,348.0 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। आंतरिक खुफिया एजेंसी आईबी को 2026–27 में 6,782.43 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आईबी के आवंटन में पिछले बजट की तुलना में 63 प्रतिशत वृद्धि हुई है। पिछले बजट में आईबी के लिए 4,159.1 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। बजट दस्तावेज में कहा गया है, यह प्रावधान खुफिया ब्यूरो के प्रशासनिक खर्चों को पूरा करने के लिए है, जो आंतरिक खतरों, आतंकवादी गतिविधियों और संभावित सुरक्षा जोखिमों की जानकारी एकत्रित करके और उनकी पड़ताल करके राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करता है। बजट में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए 6,680.94 करोड़ रुपये, चंडीगढ़ के लिए 5,720.17 करोड़ रुपये, दादरा और नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के लिए 2,832.70 करोड़ रुपये, लद्दाख के लिए 4,869.31 करोड़ रुपये, लक्षद्वीप के लिए 1,682.35 करोड़ रुपये और पुडुचेरी के लिए 3,517.88 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट में जनगणना से संबंधित कार्यों के लिए भी 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसका पहला चरण एक अप्रैल से शुरू होगा।

एफएंडओ में एसटीटी वृद्धि से रोकेंगे सट्टेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने का मकसद उच्च जोखिम वाली सट्टेबाजी पर अंकुश लगाना है। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन भोले-भाले निवेशकों को हतोत्साहित करने के लिए किया गया, जो डेरिवेटिव बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा गंवा रहे थे। बजट में वायदा अनुबंधों पर एसटीटी को 0.02 से बढ़ाकर 0.05% करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके अलावा, विकल्प सौदों पर एसटीटी को बढ़ाकर 0.15% करने का प्रस्ताव है। अब तक एसटीटी विकल्प प्रीमियम पर 0.1% और विकल्प कारोबार पर 0.125% था।

बजट के बाद सीतारमण ने कहा कि सरकार वायदा-विकल्प कारोबार के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहती है कि भारी नुकसान का सामना कर रहे छोटे निवेशक सट्टेबाजी वाले एफएंडओ बाजार से दूर रहें। सीतारमण ने कहा कि यह मामूली वृद्धि पूरी तरह से सट्टेबाजी को लक्षित है। इसलिए, एफएंडओ पर एसटीटी में यह वृद्धि ऐसे निवेश को रोकने के लिए है। सेबी के अध्ययनों के अनुसार, एफएंडओ खंड में 90% से अधिक खुदरा निवेशकों को नुकसान होता है। बाजार नियामक ने इस खंड में कारोबार कम करने के लिए पहले भी कम कदम उठाए हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से अत्यधिक सट्टेबाजी की गतिविधियों को हतोत्साहित करने और अधिक संतुलित बाजार संरचना को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हालांकि, कुछ लोगों ने चेतावनी दी है कि यह निकट अवधि में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी को प्रभावित कर सकता है।

12.22 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय जीडीपी का 4.4%

सीतारमण ने कहा कि 2026–27 के लिए घोषित 12.22 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4% है और अब तक का सर्वाधिक है। वित्त वर्ष 2026–27 का पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2025–26 में घोषित 11.11 लाख करोड़ के बजटीय पूंजीगत व्यय से 10% अधिक है। उन्होंने कहा कि हमने घोषणा की है कि 12.22 लाख करोड़ का सार्वजनिक व्यय किया जाएगा। इस बार यह जीडीपी का 4.4% है। यह कम से कम पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है और यदि आप पिछली अवधि के आंकड़ों को भी देखें तो यह संभवत: सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2021–22 में पूंजीगत व्यय जीडीपी का 2.5% और 2024–25 में 4.0% था। वित्त वर्ष 2015–16 में सरकार का पूंजीगत व्यय 2.35 लाख करोड़ रुपये था। सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2026–27 के लिए 4.3% के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य यथार्थवादी है।

सट्टेबाजी को हतोत्साहित करने को एसटीटी बढ़ाया : राजस्व सचिव

राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि एफएंडओ खंड में एसटीटी बढ़ाने का मकसद सट्टेबाजी की प्रवृत्तियों को हतोत्साहित करना और प्रणालीगत जोखिम को संभालना है। एफएंडओ में सट्टेबाजी से छोटे और खुदरा निवेशकों को नुकसान हो रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा सट्टेबाजी की प्रवृत्तियों को हतोत्साहित करना है, और यही वजह है कि दर में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि यह मुख्य रूप से वायदा–विकल्प बाजारों में प्रणालीगत जोखिम को संभालने के लिए है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस वृद्धि के बाद भी एसटीटी की दरें होने वाले लेनदेन की मात्रा की तुलना में मामूली रहेंगी।

मौजूदा कीमतों पर 10% वृद्धि का अनुमान यथार्थपूर्ण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2026–27 के लिए जीडीपी में मौजूदा कीमतों पर 10% की वृद्धि का अनुमान यथार्थपूर्ण है। बजट दस्तावेज के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि को वास्तविक संदर्भ में 393 लाख करोड़ आंका गया है। वित्त मंत्री ने कहा, भारत में मुद्रास्फीति कम है और कुछ समय तक इसी स्तर पर बनी रहेगी। मुद्रास्फीति अकेला मूल्य संशोधन कारक नहीं है, लेकिन काफी हद तक आप इसी पर निर्भर करते हैं। इसलिए मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का अनुमान यथार्थपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह 10% वृद्धि का अनुमान जीडीपी के मौजूदा आधार वर्ष और उपयोग की गई गणना पद्धति पर ही तय किया गया है। सरकार फरवरी में कई वृहद–आर्थिक संकेतकों, जैसे जीडीपी और खुदरा मुद्रास्फीति की गणना के लिए आधार वर्ष को संशोधित करने जा रही है।

एसटीटी वृद्धि से पूंजी बाजार पर बढ़ेगा दबाव, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय बजट 2026–27 में वायदा और विकल्प (एफएंडओ) खंड में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने पर विशेषज्ञों ने कहा कि यह कदम अल्पकालिक रूप से बाजार के लिए दबाव पैदा कर सकता है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक धीरज रेल्ली ने कहा कि एफएंडओ में एसटीटी वृद्धि अल्पकालिक रूप से पूंजी बाजार संस्थाओं के लिए दबाव डाल सकती है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह सकारात्मक हो सकती है। एसटीटी वृद्धि को बजट भाषण के बाद शेयर बाजार में आई तेज गिरावट का कारण बताया गया। कोटक सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीपल शाह ने कहा कि एसटीटी में यह तीव्र वृद्धि व्यापारियों, जोखिम प्रबंधकों के लिए लागत बढ़ाने वाली साबित हो सकती है। इसका उद्देश्य आमदनी अधिकतम करने से अधिक लेन–देन की मात्रा को नियंत्रित करना प्रतीत होता है, क्योंकि संभावित आय लाभ को वायदा विकल्पों की कम मात्रा से संतुलित किया जा सकता है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म सैमको सिक्योरिटीज ने कहा कि उच्च लेन–देन लागत से लेन–देन की मात्रा घटने, अल्पकालिक गति कमजोर होने और सक्रिय बाजार प्रतिभागियों के लिए लाभप्रदता कम हो सकती है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी अनुसंधान प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि इक्विटी एफएंडओ पर एसटीटी में वृद्धि से अल्पकालिक बाजार में असुविधा उत्पन्न हो सकती है। पुनर्खरीद (बायबैक) को पूंजीगत लाभ के रूप में मानने से एक सार्थक क्षतिपूर्ति मिलती है और दीर्घकालिक निवेशक विश्वास मजबूत होता है। एनएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशीषकुमार चौहान ने कहा कि बजट सट्टेबाजी पर रोक के लिए वायदा और विकल्प पर उच्च एसटीटी जैसे सुनियोजित उपायों से वित्तीय बाजारों को सुदृढ़ बनाता है। आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड के सीईओ फेरोज अजीज ने कहा कि एसटीटी में वृद्धि से डेरिवेटिव व्यापारियों के लेन–देन की लागत में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी जिससे उनकी रणनीतियों पर प्रभाव पड़ेगा। यह बाजार में डेरिवेटिव लेन–देन की मात्रा कम कर सकता है और निकट भविष्य में अस्थिरता ला सकता है।

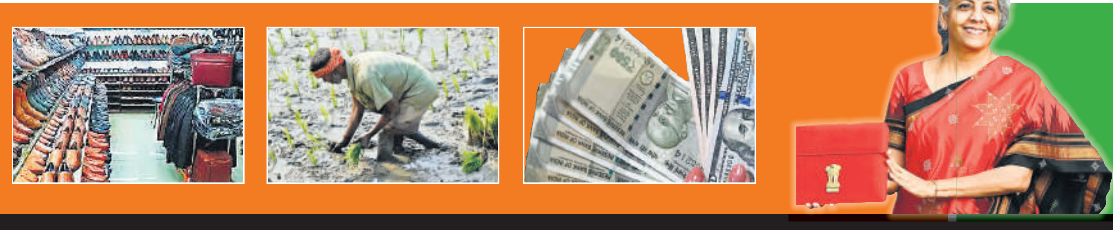

आयकर में नहीं मिली राहत स्टैंडर्ड डिडक्शन पहले जैसा

अमृत विचार, बजट डेस्क

केंद्रीय बजट में आमजन की टैक्स से जुड़ी उम्मीदों के मुताबिक, कोई ऐलान नहीं हुआ। इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। लोगों को आशा थी कि स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 75,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये की जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले बजट में सरकार ने इनकम टैक्स में बड़ा बदलाव किया था। इसके मुताबिक 12 लाख रुपये सालाना आय वालों को कोई टैक्स नहीं देना था। यही सीमा अब 2026-27 में भी लागू रहेगी। इसके ऊपर स्टैंडर्ड डिडक्शन भी पूर्व की भांति 75 हजार ही रहेगा। ऐसे में मिडिल क्लास के हाथ खाली रह गए।

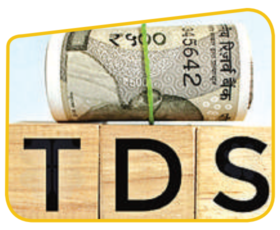

टैक्स में कुछ इन छूट का भी ऐलान

- वित्त मंत्री की बजट घोषणा के अनुसार अब किसी मोटर एक्सीडेंट क्लेम के तहत तय ब्याज को इनकम टैक्स से छूट दी जाएगी। इस पर कोई टीडीएस नहीं लगेगा। लेबर सर्विस को टीडीएस के तहत लाने का प्रस्ताव किया गया है और इन सेवाओं पर 1 से 2 फीसदी की टीडीएस कटौती हो सकती है।

छोटे करदाताओं को राहत

वित्त मंत्री ने कहा कि छोटे करदाताओं के लिए एक योजना का प्रस्ताव किया जा रहा है . अब आईटीआर फाइल करने पर कम या जीरो टैक्स कटौती सर्टिफिकेट ले सकेंगे। इसके अलावा, अलग-अलग कंपनियों के शेयर रखने वाले करदाताओं की सुविधा के लिए डिपोजिट्री, निवेशक के फॉर्म 15जी या फॉर्म 15एच स्वीकार करने और इसे सीधे उन कंपनियों को उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया गया है।

विदेश में घूमना, इलाज और पढ़ाई अब पहले से सस्ती

- सरकार ने विदेश घूमने वालों के लिए बड़ी राहत दी है। विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले टीसीएस जो पहले 5-20 फीसदी लगता था, को घटाकर सिर्फ 2 फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह विदेश में मेडिकल और पढ़ाई पर होने वाले खर्च को लेकर बजट में बड़ा ऐलान किया गया है। सरकार ने टीसीएस के तहत खर्च पर ब्याज दर को 5% से घटाकर 2% कर दिया है, यानी आप विदेश में अपना पैसा खर्च करते हैं तो कम ब्याज देना होगा। हालांकि, यह सिर्फ एजुकेशन और मेडिकल खर्च के लिए ही मान्य होगा। इससे विदेश में पढ़ाई और इलाज अब सस्ता हो जाएगा।

आईटीआर के लिए नई डेडलाइन

अब आईटीआर-1 और 2 को भरने के लिए डेडलाइन 31 जुलाई है। नॉन-ऑडिटेड बिजनेस को आईटीआर भरने की डेडाइन 31 अगस्त तय की गई है। वहीं एनआरआई के लिए टैन की जरूरत अब समाप्त कर दी गई है। अब अचल संपत्ति की बिक्री पर टीडीएस की कटौती किए जाने पर निवासी खरीदार के पैन पर चालान के जरिए टीडीएस जमा किया जा सकता है।

एक अप्रैल से आयकर अधिनियम 2025

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि आयकर अधिनियम 2025 को एक अप्रैल से लागू किया जाएगा। यह छह दशक पुराने आयकर कानून का स्थान लेगा। आयकर अधिनियम-2025 के नियम तथा 'टैक्स रिटर्न' फॉर्म जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे, ताकि करदाताओं को इसकी आवश्यकताओं से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

63,500- करोड़ रुपये बजट में किसान सम्मान निधि के लिए जारी किए गए हैं। पिछली बार भी इस योजना के लिए इतनी ही धनराशि का आवंटन किया गया था। इस तरह 6000 रुपये सालाना की किसान सम्मान निधि योजना जारी रहेगी।

वित्त मंत्री ने बजट में किया स्मार्ट फार्मिंग एआई टूल 'भारत विस्तार' का ऐलान

खेती में एआई क्रांति से किसान होंगे मालामाल

अमृत विचार, बजट डेस्क

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कृषि तथा संबद्ध क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ का प्रस्ताव और किसानों की आमदनी में इजाफा करने के लिए कई उपायों की घोषणा की। इनमें कृषि क्षेत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण घोषणा एआई टूल 'भारत-विस्तार' (वर्चुअली इंटीग्रेटेड सिस्टम टू एक्सेस एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज) को माना जा रहा है। यह एक बहुभाषीय एआई टूल होगा जो एग्रीस्टैक पोर्टल और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संसाधनों को एआई प्रणाली से जोड़ेगा। इसका मकसद किसानों को उनकी अपनी भाषा में खास सलाह देना, खेती के जोखिमों को कम करना और पैदावार बढ़ाकर बेहतर फैसला लेने में मदद करना है। इससे किसान आसानी से अपनी आय में इजाफा कर सकेंगे। एग्रीस्टैक भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारत सरकार ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों के लिए एक संपूर्ण डेटाबेस बनाना है जिसमें उनकी पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, ऋण, फसल की जानकारी और बीमा इतिहास शामिल है। यह खेतों से प्राप्त डेटा और सरकारी एपीआई से मिली जानकारी का उपयोग करता है। एग्रीस्टैक के अंतर्गत विभिन्न डिजिटल उपकरणों और सेवाओं को शामिल किया जाता है। 'भारत विस्तार' का ऐलान सबका साथ विकास कर्तव्य का हिस्सा है। इसके अंतर्गत फसल चयन, मिट्टी स्वास्थ्य, मौसम पूर्वानुमान, बीज-खाद और कीटनाशक की सलाह के अलावा सरकारी योजनाओं की जानकारी, आवेदन तथा ट्रैकिंग जैसी सारी जानकारी एक ही इंटरफेस पर किसान को उसकी अपनी भाषा में मिलेगी। इस तरह यह प्लेटफार्म फसल की उत्पादकता बढ़ाएगा, किसानों के बेहतर निर्णय में मदद करेगा तथा कस्टमाइज्ड एडवाइजरी से जोखिम कम करेगा।

यूनिफाइड सिस्टम और एआई चैटबॉट

भारत विस्तार एआई टूल किसानों के लिए एक बहुभाषी एआई आधारित सिस्टम है, जो मौसम, फसल स्वास्थ्य, कीट प्रबंधन और बाजार कीमतों की सटीक जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में प्रदान करेगा। इसके तहत किसानों को एआई चैट बॉट, यूनिफाइड सिस्टम और टेस्टिंग की जानकारी दी जाएगी। कृषि साथी एआई चैटबॉट के जरिए किसान वॉयस चैटिंग कर सकेंगे और अपनी खेती संबंधित सवाल और समस्याओं के बारे में पूछ सकेंगे।इसमें वे वीडियो के जरिए भी समाधान हासिल कर सकेंगे।

कोकोनट प्रोत्साहन योजना से एक करोड़ किसानों को लाभ

भारत दुनिया का सबसे बड़ा नारियल उत्पादक है। एक करोड़ किसानों सहित लगभग तीन करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए नारियल पर निर्भर हैं। नारियल संवर्धन योजना के माध्यम से नारियल उगाने वाले प्रमुख राज्यों में नारियल उत्पादन में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए पुराने और कम पैदावार देने वाले पेड़ों को नए पौधों और किस्मों से बदलने का काम किया जाएगा।

20 हजार से अधिक पशु चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ेगी

पशुपालन ग्रामीण कृषि आय का करीब 16 प्रतिशत योगदान देता है, जिसमें गरीब और सीमांत किसानों की आमदनी भी शामिल है। इसे देखते हुए वित्त मंत्री ने 20,000 से अधिक पशु-चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ऋण-सम्बद्ध पूंजी सब्सिडी योजना पेश की है। यह योजना पशु चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल, निजी कॉलेज, डायग्नोस्टिक लैब और प्रजनन सुविधाओं की स्थापना को बढ़ावा देगी।

पशुपालन क्षेत्र को मदद मिलने से बढ़ेगी किसान की आमदनी

1,62,671 रुपये कृषि क्षेत्र के लिए कुल आवंटन

7 % अधिक है यह राशि पिछले साल के बजट आवंटन से

पशुपालन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। दुग्ध, पोल्ट्री और पशु व्यवसायों का आधुनिकीकरण होगा तथा वैल्यू चेन में किसान संगठनों को बढ़ावा मिलेगा। सरकार पशुधन उद्यमों का संवर्धन और आधुनिकीकरण करके डेयरी और मुर्गीपालन के लिए संकेंद्रित मूल्य श्रृंखला का सृजन को संवर्धित करके और पशुधन कृषक उत्पादक संगठनों की स्थापना को प्रोत्साहन देगी। बजट में रेशम, ऊन और जूट जैसे प्राकृतिक फाइबर, मानव निर्मित फाइबर और नए जमाने के फाइबर में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना तैयार करने की बात भी कही गयी। इससे रेशम किसानों, भेड़ पालक किसानों और जूट की खेती करने वाले किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास

- मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास किया जाएगा। इससे अंतर्देशीय मत्स्य पालन मजबूत होगा, तटीय क्षेत्रों में वैल्यू चेन विकसित होगी और स्टार्टअप, महिला समूहों तथा फिश फार्मर प्रोड्यूसर संगठनों के जरिए बाजार से जुड़ाव बढ़ेगा।

कृषि से रोजगार

काजू और कोको 2030 तक बनेगा प्रीमियम ग्लोबल ब्रांड

- भारत को कच्चे काजू और कोको की पैदावार व प्रसंस्करण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा निर्यात बेहतर करने के उपायों पर जोर देते हुए बजट में भारतीय काजू और भारतीय कोको को वर्ष 2030 तक प्रीमियम वैश्विक ब्रांड में मशहूर करने के लिए एक खास कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है।

अल्पकालिक ऋण की सीमा 3 से बढ़ाकर 5 लाख रुपये की

- बजट में केसीसी के तहत सब्सिडी वाले अल्पकालिक ऋण की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। इससे करोड़ों किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को आसानी से सस्ता ऋण मिलने का रास्ता साफ होने से खेती-किसानी में निवेश बढ़ेगा।

सस्ती खाद को 1.71 करोड़ बनेंगे सब्जी उत्पादन क्लस्टर

- किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने के लिए 1.71 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रमुख खपत केंद्रों के पास सब्जियों के बड़े उत्पादन क्लस्टर विकसित किए जाएंगे ताकि आपूर्ति श्रृंखला बेहतर हो सके।

उच्च मूल्य वाली फसलों पर जोर

- सरकार ने पारंपरिक फसलों के बजाय उच्च मूल्य वाली फसलों पर जोर दिया है। इसमें नारियल प्रोत्साहन योजना, तटीय क्षेत्रों में काजू, कोको और चंदन की खेती को बढ़ावा। पहाड़ी क्षेत्रों में अखरोट, बादाम और पाइन नट्स के बागानों का आधुनिकीकरण। पूर्वोत्तर में अगर के पेड़ों की खेती को प्रोत्साहन शामिल है।

किसानों का कल्याण केंद्र की सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान कल्याण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्रीय बजट 2026-27 में किसान को केंद्र में रखकर ऐसे निर्णय लिए गए हैं, जो किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगे। कोकोनट प्रोत्साहन योजना से उत्पादन बढ़ेगा और 1 करोड़ किसानों सहित लगभग 3 करोड़ लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकारों के साथ मिलकर इंडियन सैंडलवुड इकोसिस्टम के गौरव को पुनर्स्थापित किया जाएगा। कृषि संसाधनों तक किसानों की आसान पहुँच के लिए 'भारत विस्तार' नाम से एक बहुभाषी एआई आधारित प्रणाली विकसित की जाएगी।

उद्योग जगत

इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के निर्माण को 40 हजार करोड़ तो कंटेनर के वैश्विक इकोसिस्टम के लिए 10 हजार करोड़ रुपये

मैन्यूफैक्चरिंग और एमएसएमई बनेंगे विकसित भारत की राह में गेम चेंजर

नई दिल्ली, बजट डेस्क

केंद्रीय बजट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत में मैन्यूफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाकर 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई है। सरकार ने 7 रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में मैन्यूफैक्चरिंग को गति देने का प्रस्ताव किया है। इसमें बायोफार्मा में अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 'बायोफार्मा शक्ति' योजना शुरू की गई है। इलेक्ट्रॉनिक घटकों के निर्माण की योजना का बजट बढ़ाकर 40,000 करोड़ कर दिया गया है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत उपकरणों और आईपी डिजाइन पर विशेष जोर दिया गया है। 200 पुराने औद्योगिक क्लस्टरों को आधुनिक बुनियादी ढांचे और तकनीक के जरिए पुनर्जीवित किया जाएगा।ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में रेयर अर्थ कॉरिडोर (रेयर अर्थ कॉरिडोर) और 3 समर्पित केमिकल पार्क बनाए जाएंगे। एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) से घरेलू बाजार में बिक्री के लिए रियायती शुल्क की सुविधा। कंटेनर विनिर्माण का अगले 5 वर्षों में वैश्विक इकोसिस्टम बनाने के लिए 10,000 करोड़ का आवंटन हुआ है। टेक्सटाइल क्षेत्र में प्राकृतिक और मानव निर्मित फाइबर के लिए नेशनल फाइबर मिशन और में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। स्टार्टअप्स के लिए ऋण गारंटी सीमा को 10 से बढ़ाकर 20 करोड़ कर दिया गया है।

'कॉरपोरेट मित्रों' का दस्ता एमएसएमई की करेगा मदद: सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की सहायता के लिए मझोले (श्रेणी-दो) और छोटे (श्रेणी-तीन) शहरों में 'कॉरपोरेट मित्रों' का एक दस्ता तैयार करेगी। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले उपायों की सिफारिश करने के लिए 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम' स्थायी समिति का गठन करेगी। 'कॉरपोरेट मित्रों' का यह दस्ता एमएसएमई को किफायती लागत पर अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। सरकार इस दस्ते को तैयार करने के लिए आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीएमएआई जैसे संस्थानों को मॉड्यूल पाठ्यक्रम और व्यावहारिक टूल डिजाइन करने में सहयोग देगा।

एमएसएमई को 'चैंपियन' बनाने के लिए 10,000 करोड़ का कोष

200 पुराने औद्योगिक क्लस्टर बनेंगे आधुनिक

10 हजार करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' योजना

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को 'चैंपियन' बनाने के लिए तीन-आयामी रणनीति अपना रही है जिसमें 10,000 करोड़ रुपये का एक समर्पित कोष भी शामिल है। एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए वित्त मंत्री ने इक्विटी समर्थन, नगदी समर्थन और पेशेवर समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इक्विटी समर्थन के तहत 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई विकास कोष के माध्यम से चुनिंदा मानदंडों के आधार पर उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

- उन्होंने कहा कि एमएसएमई को तरलता समर्थन के लिए ट्रेड्स मंच की पूरी क्षमता का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (सीपीएसई) द्वारा सभी एमएसएमई खरीदारी का लेनदेन ट्रेड्स मंच पर करना, सीजीटीएमएसई के माध्यम से ऋण गारंटी प्रदान करना और जीईएम को कारोबार के साथ जोड़कर वित्तपोषण को तेज और सस्ता बनाना शामिल है। इसके साथ ही सीतारमण ने 2021 में गठित 'आत्मनिर्भर भारत कोष' में 2,000 करोड़ की अतिरिक्त राशि डालने की घोषणा की ताकि सूक्ष्म उद्यमों को जोखिम पूंजी उपलब्ध रहे।

"भविष्य के लिए तैयार भारत" का बजट

- नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने केंद्रीय बजट को "भविष्य के लिए तैयार भारत" का बजट बताया है। उनके मुताबिक इस बजट का मकसद निर्यात और घरेलू विनिर्माण को मजबूती देना है। बजट में मैन्युफैक्चरिंग, सेवाएं, महिलाएं, शिक्षा, कौशल विकास, मछुआरे, पशुपालन और नई तकनीक जैसे अहम क्षेत्रों को शामिल किया गया है। गोयल ने कहा कि अब तक करीब 350 सुधार किए जा चुके हैं और लगातार नई पहलों के जरिए सुधार की रफ्तार तेज हो रही है। बजट में डेटा सेंटर्स को अभूतपूर्व लाभ देने और 2047 तक टैक्स छूट का प्रस्ताव भी रखा गया है, जिससे भारत को एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार की मंशा साफ झलकती है।

उद्योग जगत ने बताया दूरदर्शी और भरोसा बढ़ाने वाला बजट

- नयी दिल्ली। केंद्रीय बजट को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने दूरदर्शी और भरोसा बढ़ाने वाला बताया है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यह बजट भारत की विकास यात्रा को स्थिर और मजबूत दिशा देता है। बजट में सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, रसायन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र, खेल सामग्री, महत्वपूर्ण खनिज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बजट कर अवकाश

भारत के डेटा सेंटर का उपयोग करने वाली विदेशी क्लाउड कंपनियों को कर अवकाश का प्रस्ताव

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को उन विदेशी कंपनियों के लिए 2047 तक 'कर अवकाश' का प्रस्ताव रखा, जो देश में स्थित डेटा सेंटर का उपयोग करके दुनिया भर के ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं प्रदान करती हैं। यह कर अवकाश संबंधित संस्थाओं को कुछ शर्तों के अधीन दिया जाएगा। अपने बजट भाषण में सीतारमण ने कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और डेटा सेंटर में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी विदेशी कंपनी को 2047 तक कर अवकाश देने का प्रस्ताव करती हूं, जो भारत से डेटा सेंटर सेवाओं का उपयोग करके विश्वस्तर पर ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है।'' इस कर अवकाश का लाभ उठाने के लिए कंपनियों को एक भारतीय पुनर्विक्रेता इकाई के माध्यम से भारतीय ग्राहकों को सेवाएं देनी होंगी।

यूपी के विकास को मिलेगी रफ्तार, मिलेंगे 4 लाख करोड़ रुपये

● इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाई-स्पीड रेल, पर्यटन व सिटी इकोनॉमिक रीजन से टियर-2 व टियर-3 शहरों को मिलेगी मजबूती ● टेक्सटाइल व एआई आधारित कृषि पर फोकस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आम बजट से प्रदेश को 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सौगात मिलने की उम्मीद है, जिससे विकास को नई रफ्तार मिलेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुखी योजनाओं पर फोकस से सरकार उत्साहित है। हाई-स्पीड रेल, जल परिवहन और सिटी इकोनॉमिक रीजन से तस्वीर बदलने की बात कही जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट को जमकर सराहा है। भाजपा जहां इसे ऐतिहासिक बता रही है, वहीं विपक्ष और विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है। आम आदमी और नौकरीपेशा वर्ग को प्रत्यक्ष राहत कम नजर आई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में केंद्रीय करों से उत्तर प्रदेश के हिस्से में 2.69 लाख करोड़ रुपये आएंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इस मद में राज्य को कुल 2.55 लाख करोड़ रुपये मिलने हैं। पूंजीगत निवेश (विकास कार्यों) के लिए राज्यों को ब्याजमुक्त ऋण योजना से 22 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इस मद में करीब 18 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान है।

इसी प्रकार केंद्र सहायतित योजनाओं के मद में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक, केंद्रीय वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर करीब 10 से 12 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। उत्तर प्रदेश के वित्त विभाग ने केंद्रीय योजनाओं से भी 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मिलने का अनुमान लगाया है। इन मदों से राज्य को वर्ष 2026-27 में राज्य को करीब 4.18 करोड़ रुपये मिलेंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इन मदों से राज्य को 3.92 करोड़ रुपये मिले हैं। अब केंद्र से मिलने वाले इस धनराशि के आधार पर राज्य सरकार अपना बजट तैयार करेगी।

बजट में किसान, महिला, युवा, कारीगर व छोटे उद्यमियों को केंद्र में रखते हुए समावेशी विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। विशेष रूप से पूर्वांचल, काशी क्षेत्र, बुंदेलखंड और टियर-2 व टियर-3 शहरों के लिए ये योजनाएं क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार, निवेश व आर्थिक गतिविधियों को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाराणसी-सिलीगुड़ी और दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का ऐलान किया, जिससे यूपी को कुल 1500 किमी हाई-स्पीड रेल मिली। इसके अतिरिक्त, सभी 75 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, कंटेनर निर्माण के लिए 10,000 करोड़ का विशेष बजट, नोएडा में सेमीकंडक्टर पार्क और तीर्थ स्थलों के विकास की घोषणा की गई। ये परियोजनाएं राज्य में कनेक्टिविटी, शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देंगी। केंद्र सरकार ने महिलाओं के सामाजिक और शैक्षिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में एक-एक गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा की है। इससे दूर-दराज़ इलाकों से उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए आने वाली छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक रहने की व्यवस्था मिलेगी।

बजट -2026

● भाजपा जहां बजट को ऐतिहासिक बता रही, वहीं विपक्ष और विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है

बजट में यूपी को मिले प्रमुख तोहफे

- वाराणसी में इनलैंड वॉटरवेज शिप रिपेयर इकोसिस्टम
- बुंदेलखंड में होगा आईआईटी का निर्माण, पश्चिमी यूपी में खुलेगा एम्स
- सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना से टियर-2 व टियर-3 शहरों का कायाकल्प
- 12.2 लाख करोड़ के कैपेक्स से सड़क, रेल व लॉजिस्टिक्स को मजबूती
- खेल, एमएसएमई, खादी, हथकरघा व टेक्सटाइल सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन की घोषणा
- एआई आधारित 'भारत-विस्तार' से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक
- 'शी-मार्ट' से ग्रामीण महिलाओं को नया बाजार और उद्यमिता का अवसर
- सोलर, बैटरी व ई-मोबिलिटी को बढ़ावा, पीएम सूर्य घर योजना को गति
- हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल और जिला अस्पतालों की सुविधाओं का विस्तार
- 10,000 करोड़ का कंटेनर निर्माण विशेष बजट
- नोएडा में सेमीकंडक्टर पार्क, तीर्थ स्थलों का समग्र विकास

इस धनराशि से तय होगा यूपी के आम बजट का आकार

- केंद्रीय करों से हिस्सा (2026-27): 2.69 लाख करोड़ (2025-26 में 2.55 लाख करोड़)
- पूंजीगत निवेश के लिए ब्याजमुक्त ऋण: 22,000 करोड़ (चालू वर्ष में 18,000 करोड़)
- केंद्र सहायतित योजनाएं: 1 लाख करोड़ से अधिक
- वित्त आयोग की सिफारिशों से: 10,000–12,000 करोड़
- केंद्रीय योजनाओं से अनुमानित राशि: 15,000 करोड़ से अधिक
- कुल अनुमानित केंद्रीय सहायता (2026–27): लगभग 4.18 लाख करोड़
- (2025–26 में लगभग 3.92 लाख करोड़)

आपात-स्थिति में सस्ता और प्रभावी इलाज

गरीबों व निम्न आयवर्ग के लोगों को आपात-स्थिति में सस्ता व प्रभावी इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से केंद्रीय बजट में सभी जिला अस्पतालों की इमरजेंसी सुविधाएं बढ़ाने तथा ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे समय पर उपचार मिलने से जान बचाने की संभावनाएं बढ़ेंगी और जिला अस्पतालों की क्षमता में भी वृद्धि होगी। इन दोनों पहलों से यूपी में न केवल स्वास्थ्य सेवा का आधारभूत ढांचा मजबूत होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और सहायक कर्मियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

कनेक्टिविटी से लेकर रोजगार तक बदलेगा यूपी का परिदृश्य

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय बजट 2026–27 उत्तर प्रदेश के लिए विकास का व्यापक खाका लेकर आया है। हाई–स्पीड रेल, जल परिवहन, सिटी इकोनॉमिक रीजन और 12.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड कैपिटल एक्सपेंडिचर से प्रदेश की कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही किसान, महिला, युवा, एमएसएमई, पर्यटन और टेक्सटाइल सेक्टर पर विशेष ध्यान देकर रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित करने की दिशा तय की गई है।

हाई-स्पीड रेल से बदलेगी कनेक्टिविटी की तस्वीर

केंद्रीय बजट में घोषित 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में से 2 महत्वपूर्ण कॉरिडोर सीधे उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं, जिनमें दिल्ली–वाराणसी और वाराणसी–सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से राजधानी दिल्ली से काशी, पूर्वांचल और आगे पूर्वी भारत तक की रेलयात्रा तेज, सुरक्षित, सुविधाजनक तरीके से संपन्न होगी। आधुनिक तकनीक से लैस रेल नेटवर्क प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। हाई-स्पीड रेल से लंबी दूरी की यात्रा का समय काफी कम होगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियों, औद्योगिक निवेश व पर्यटन को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। काशी, पूर्वांचल व सीमावर्ती जिलों में उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

वाराणसी को मिलेगा जल परिवहन में नया आयाम

राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा जल परिवहन को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केंद्रीय बजट में वाराणसी में इनलैंड वॉटरवेज शिप रिपेयर इकोसिस्टम स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। यह पहल गंगा नदी पर विकसित हो रहे जलमार्ग आधारित परिवहन तंत्र को तकनीकी व व्यावसायिक रूप से मजबूत बनाएगी। शिप रिपेयर इकोसिस्टम के स्थापित होने से मालवाहक जहाजों और जलपोतों के रखरखाव व मरम्मत की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी, जिससे समय और लागत दोनों में कमी आएगी। इससे लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बढ़ावा मिलने के साथ जल परिवहन, एक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में प्रभावी होगा।

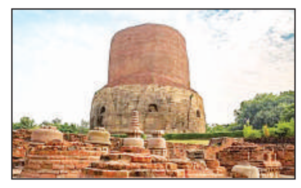

पर्यटन व धार्मिक स्थलों को नई पहचान, संरक्षण को विशेष महत्व

केंद्रीय बजट में पर्यटन व सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। इसी क्रम में भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ तथा हस्तिनापुर को देश के 15 प्रमुख पुरातात्विक पर्यटन स्थलों के विकास कार्यक्रम में शामिल किया जाना उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इससे न केवल यूपी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर नई मजबूती मिलेगी, बल्कि पर्यटकों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। इससे धार्मिक, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से होटल, होम-स्टे, ट्रांसपोर्ट, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और अन्य सहयोगी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

सिटी इकोनॉमिक रीजन से शहरों का होगा समग्र विकास

केंद्रीय बजट 2026–27 में टियर-2 और टियर-3 शहरों को विकास की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से सिटी इकोनॉमिक रीजन (सीईआर) योजना की शुरुआत की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत बड़े महानगरों पर निर्भरता कम करते हुए पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले अन्य शहरों में बुनियादी ढांचे व आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और झांसी जैसे प्रमुख शहरों को इस योजना का सीधा लाभ मिल सकता है। आगामी पांच वर्षों में प्रत्येक सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए लगभग 5000 करोड़ तक का चरणबद्ध निवेश प्रस्तावित है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में रिकॉर्ड निवेश की घोषणा मिलेगा सीधा लाभ

केंद्रीय बजट में देशभर में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास को गति देने के लिए 12.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) की घोषणा की गई है, जिसका सीधा व अप्रत्यक्ष लाभ उत्तर प्रदेश को भी मिलेगा। केंद्र सरकार के इस कैपेक्स का उद्देश्य आर्थिक विकास को रफ्तार देना, रोजगार सृजन करना और भारत को वैश्विक निवेश का आकर्षक केंद्र बनाना है। उत्तर प्रदेश में इस निवेश से सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, रेलवे नेटवर्क और लॉजिस्टिक हब के विस्तार को नई गति मिलेगी। राज्य का पहले से मजबूत होता एक्सप्रेसवे नेटवर्क (पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा और लिंक एक्सप्रेसवे) औद्योगिक कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करेगा।

सोलर, बैटरी और ई-मोबिलिटी क्षेत्र में रियायत बनेगी गेम चेंजर

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय बजट 2026 में सोलर ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज और ई–मोबिलिटी से जुड़े कस्टम ड्यूटी व आयात शुल्क में दी गई रियायतों को उत्तर प्रदेश के लिए गेम–चेंजर के रूप में देखा जा रहा है। इन फैसलों को प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना और राज्य में तेजी से उभरते ई–मोबिलिटी इकोसिस्टम से जोड़कर आंका जा रहा है। नीति विशेषज्ञों का मानना है कि बजट के ये प्रावधान रूफटॉप सोलर विस्तार, सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग, ग्रिड–स्तरीय ऊर्जा संतुलन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी– इन चारों क्षेत्रों को एक साझा दिशा में आगे बढ़ाएंगे। बजट 2026 में लिथियम–आयन बैटरी निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल– कोबाल्ट पाउडर, बैटरी स्क्रैप और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। सोलर सेक्टर के लिए बजट में एक अहम प्रावधान करते हुए सोलर ग्लास निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल सोडियम एंटीमॉनेट को कस्टम ड्यूटी से छूट दी गई है। उद्योग जगत का मानना है कि इन रियायतों से डोमेस्टिक कंटेंट रिक्वायरमेंट (डीसीआर) आधारित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिलेगी। इनपुट्स सस्ते होने से घरेलू उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता घटेगी। इसका असर उत्तर प्रदेश में सोलर वैल्यू चेन के विस्तार के रूप में सामने आ सकता है। बजट प्रावधानों के बाद नोएडा, लखनऊ, कानपुर और पूर्वांचल के औद्योगिक क्षेत्रों में नई सोलर मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के साथ–साथ ईवी कंपोनेंट्स, बैटरी पैक असेंबली और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े निवेश बढ़ने की संभावना है।

एमएसएमई, खादी और वस्त्र क्षेत्र को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **लाखों उद्यमियों, कारीगरों और श्रमिकों के लिए नए अवसर**
- **एकीकृत वस्त्र कार्यक्रम, ग्रोथ फंड और ग्रामीण उद्योगों पर फोकस**

अमृत विचार: केंद्रीय बजट 2026–27 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्रोद्योग को सशक्त बनाने के लिए कई अहम और दूरगामी प्रावधान किए गए हैं। वस्त्र क्षेत्र के लिए एक व्यापक, एकीकृत कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय फाइबर योजना, वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना, राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प कार्यक्रम, टेक्स-इको पहल और समर्थ 2.0 जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार सृजन और निर्यात को गति देना है। मेगा टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना से उत्तर प्रदेश में निवेश के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

इन प्रावधानों से प्रदेश के एमएसएमई, खादी, हथकरघा, रेशम और वस्त्रोद्योग से जुड़े लाखों उद्यमियों, कारीगरों और श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा। रोजगार बढ़ेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10,000 करोड़ का एसएमई ग्रोथ फंड स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही आत्मनिर्भर भारत फंड में 2,000 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी डाली जाएगी। छोटे उद्यमों की कार्यशील पूंजी की समस्या कम करने के लिए ट्रेड रिसीवेबल्स इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंटिंग सिस्टम के दायरे का विस्तार किया जाएगा।

कॉरपोरेट मित्र और विरासत औद्योगिक क्लस्टर का प्रस्ताव

'कॉरपोरेट मित्र' व्यवस्था के जरिए एमएसएमई को व्यावसायिक मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और बाजार से जोड़ने की पहल की गई है। इसके साथ ही देशभर में 200 विरासत इंडस्ट्रियल क्लस्टरों के कायाकल्प का प्रस्ताव है, जिनमें हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टर भी शामिल होंगे। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जूते के ऊपरी हिस्सों के शुल्क–मुक्त आयात का विस्तार और चमड़ा व वस्त्र परिधान निर्यात की समय–सीमा बढ़ाने जैसे कदम उठाए गए हैं। इनसे वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों को नई पहचान मिलेगी।

किसानों, महिलाओं व युवाओं पर विशेष ध्यान

केंद्रीय बजट में समावेशी विकास को प्राथमिकता देते हुए किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भारत–विस्तार योजना के माध्यम से किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि से जोड़ा जाएगा। इससे राज्य के अन्नदाता किसानों को मौसम, मिट्टी, फसल चक्र और बाजार की मांग के अनुरूप सटीक कृषि सलाह उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे फसल जोखिम कम होगा और राज्य के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि संभव होगी। विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलेगा, जो परंपरागत खेती पर निर्भर हैं। बजट में ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शी–मार्ट्स की शुरुआत की गई है। कृषि–तकनीक, डिजिटल मार्केटिंग, लॉजिस्टिक्स और उद्यमिता से जुड़े नए अवसर सृजित होंगे।

स्वास्थ्य व शिक्षा में सशक्त कदम

केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना का प्रावधान किया गया है, ताकि ग्रामीण व दूर–दराज के इलाकों से आने वाली छात्राओं को दिक्कत का सामना न करना पड़े। इससे उच्च शिक्षा, मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल की पढ़ाई करने वाली छात्राओं को सुरक्षित और सुलभ आवास सुविधा मिल सकेगी। बजट में प्रस्तावित स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग व मैथ्स) संस्थानों से प्रदेश में पहले से जारी स्किल डेवलपमेंट अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है बजट

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट भारतीय आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प इसमें स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने कहा कि यह बजट सर्वसमावेशी दृष्टि, दूरदर्शी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का सशक्त घोषणापत्र है। राज्यपाल ने कहा कि करीब 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना, राजकोषीय अनुशासन, नियंत्रित घाटा और संतुलित कर्ज-जीडीपी अनुपात इस बात का प्रमाण है कि भारत की विकास यात्रा सुदृढ़ नींव पर आगे बढ़ रही है।

बजट पर विभिन्न दलों के नेताओं का कहना...

ऐतिहासिक बजट : केशव प्रसाद मौर्य

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज का बजट ऐतिहासिक है। देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। अपार अवसरों का राजमार्ग है। 2047 के विकसित भारत की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है।

बजट में यूपी का रखा ध्यान : पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आम बजट में उत्तर प्रदेश का पूरा ध्यान रखा गया है। स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित हर क्षेत्र को बजट में समाहित किया गया है

विकसित भारत को लेकर जनोन्मुखी बजट: पंकज

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने केंद्रीय बजट 2026–27 को विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला जनोन्मुखी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आर्थिक मजबूती, सामाजिक संतुलन और दीर्घकालिक विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। हाई–स्पीड रेल, आयुष, सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, कृषि और एमएसएमई पर जोर से रोजगार, निवेश और कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

समझ से बाहर है बजट : अखिलेश

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बजट–2026 में आम जनता के लिए कुछ भी नहीं है और यह पूरी तरह समझ से बाहर है। अगर हालात ऐसे ही चलते रहे तो पीतल को लोहे पर चढ़ाकर गहने बनाने पड़ेंगे, यह बजट उसी सोच को दिखाता है। आरोप लगाया कि बजट कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है।

मायावती ने बजट पर उठाए सवाल

अमृत विचार : केंद्रीय बजट 2026–27 को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बजट में कई योजनाओं, परियोजनाओं और आश्वासनों का जिक्र है, लेकिन इनके वास्तविक असर का आकलन जमीन पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं, इन पर सही नीयत से अमल होना जरूरी है। सलाह देते हुए कहा कि बजट गरीब और बहुजन हितैषी होना चाहिए, न कि केवल पूंजीपतियों और बड़े उद्योगपतियों का पक्ष लेने वाला।

बजट जवाब देने से भागने वाला : संजय

अमृत विचार : केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह बजट सवालों से भागने वाला बजट है और सरकार को अब देश की जनता को जवाब देना ही होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने पहली बार शपथ ली थी, तब उन्होंने देश के युवाओं से वादा किया था कि बजट में बेरोज़गारी पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया।

आत्मनिर्भरता के संकल्प को ऊर्जा देगा बजट: अनिल

अमृत विचार : बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि यह विकसित भारत का बजट है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। यह बजट विशेष कर अन्नदाताओं, नौजवानों, महिलाओं और शोषित वंचित उत्थान के लिए समर्पित है और किसानों की आय बढ़ाने तथा ग्रामीण बुनियाद को मजबूत करने का काम करेगा।

विश्लेषण | बजट तात्कालिक वाहवाही के लिए नहीं, बल्कि समय की कसौटी पर खरा उतरने के लिए रचा गया वक्तव्य : प्रो. अजय द्विवेदी

बजट संख्या नहीं संकेत : देश की आर्थिक चेतना का निर्णायक क्षण

प्रो. अजय द्विवेदी
पूर्व डीन, प्रबंधन संकाय
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

अमृत विचार: भारत का आम बजट तब तक अधूरा रहता है, जब तक उसे केवल आय-व्यय के गणित की तरह पढ़ा जाता है। उसका वास्तविक अर्थ तब खुलता है, जब उसे समाज की मनःस्थिति, राष्ट्र की दिशा और सत्ता की मानसिकता के साथ जोड़कर देखा जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट एक ऐसे दस्तावेज़ के रूप में सामने आता है, जो शोर नहीं करता, संकेत देता है। यह बजट उत्सव का नहीं, निर्णय का बजट है। तात्कालिक वाहवाही के लिए नहीं, बल्कि समय की कसौटी पर खरे उतरने के लिए रचा गया वक्तव्य।

हर बजट अपने साथ अपेक्षाओं की एक लंबी कतार लेकर आता है। मध्यम वर्ग कर राहत की प्रतीक्षा करता है। किसान स्थिर आय और सुरक्षा की उम्मीद करता है। युवा रोजगार के ठोस संकेत खोजते हैं। उद्योग नीति स्थिरता और निवेश अनुकूल वातावरण चाहता है। सामाजिक क्षेत्र अधिक संसाधनों की आकांक्षा रखता है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं कि क्या यह बजट सबको खुश करता है, बल्कि यह है कि यह बजट किस दिशा में देश को ले जाना चाहता है। मध्यम वर्ग के लिए यह बजट भावनात्मक संतोष का साधन नहीं बनता। प्रत्यक्ष करों में बड़े और आकर्षक बदलावों का अभाव पहली दृष्टि में निराशा पैदा कर सकता है। पर इसके भीतर छिपा संदेश अधिक गहरा है। सरकार यह संकेत देती है कि अस्थिर अर्थव्यवस्था में दी गई त्वरित राहत अंततः उसी वर्ग को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। महंगाई नियंत्रण, निवेश निरंतरता और वित्तीय अनुशासन को प्राथमिकता देना यह दर्शाता है कि मध्यम वर्ग को उपभोक्ता नहीं, बल्कि आर्थिक भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। यह दृष्टि लोकप्रिय नहीं, पर जिम्मेदार है। कृषि और ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट करुणा से अधिक रणनीति की भाषा बोलता है। किसान को सहायता का पात्र नहीं, बल्कि आर्थिक संरचना का आधार मानने की सोच इस बजट को लोकलुभावन परंपरा से अलग करती है। ग्रामीण रोजगार, कृषि अवसंरचना और मूल्य संवर्धन पर निरंतर जोर यह स्पष्ट करता है कि सरकार जानती है कि गांव कमजोर हुआ तो शहर की प्रगति टिकाऊ नहीं रह सकती। यहां राहत बांटने से अधिक जड़ों को मजबूत करने का प्रयास दिखाई देता है। युवा वर्ग के लिए यह बजट सबसे अधिक बहस को जन्म देता है। सीधे रोजगार के बड़े वादे नहीं हैं, कोई ऐसा आंकड़ा नहीं जिसे पोस्टर पर उकेरा जा सके। पर कौशल, तकनीक, स्टार्टअप और अवसंरचना के माध्यम से अवसर निर्माण की जो संरचना प्रस्तुत की गई है, वह यह संकेत देती है कि सरकार नौकरी देने की नहीं, रोजगार अर्थव्यवस्था बनाने की सोच पर आगे बढ़ रही है। यह दृष्टि धैर्य मांगती है, पर दीर्घकाल में आत्मनिर्भरता की ठोस जमीन तैयार करती है।

उद्योग और व्यापार जगत के लिए यह बजट राहत की सांस जैसा है। करों में अप्रत्याशित झटकों का अभाव, नीति की निरंतरता और अवसंरचना निवेश का स्पष्ट संकेत यह दर्शाता है कि सरकार उद्योग को संदेह की दृष्टि से नहीं, साझेदार के रूप में देखती है। यह बजट उद्योग से यह नहीं कहता कि सरकार सब कुछ करेगी, बल्कि यह भरोसा देता है कि रास्ता स्थिर और स्पष्ट रहेगा, चलना उद्योग को स्वयं होगा। सामाजिक क्षेत्र में यह बजट भावनात्मक घोषणाओं से सावधानीपूर्वक दूरी बनाए रखता है। शिक्षा और स्वास्थ्य को नारों के रूप में नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यही वह सूक्ष्म अंतर है जो इस बजट को गंभीर बनाता है। यह स्वीकार किया गया है कि मानव संसाधन पर किया गया निवेश तत्काल राजनीतिक लाभ नहीं देता, पर दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण का यही आधार होता है। इस पूरे बजट की रीढ़ उसका वित्तीय अनुशासन है। राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने का संकल्प यह स्पष्ट करता है कि सरकार विकास की कीमत पर लापरवाही नहीं करना चाहती। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में यह संयम भारत को एक जिम्मेदार और परिपक्व अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है। अवसंरचना पर निरंतर निवेश के साथ यह अनुशासन यह दर्शाता है कि सरकार विकास को गति देना चाहती है, पर संतुलन खोकर नहीं।

बजट प्रतिक्रिया

वृद्धि, समावेशन का संयोजन वाला साहसिक बजट: सुनील मित्तल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने, ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करने और डेटा सेंटर परिवेश को प्रोत्साहन देने से भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास मजबूत होगा। मित्तल ने इसे विकास और समावेश को संयोजित करने वाला एक साहसिक बजट बताया और कहा कि कौशल विकास पर जोर के साथ विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान में लगातार निवेश समय पर किया गया कदम है, जो घरेलू क्षमताओं को मजबूत करेगा और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात की जगह घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देगा। मित्तल ने कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के उपाय, ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करना और डेटा सेंटर परिवेश को प्रोत्साहन देना, भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास को और मजबूत करेगा।

यह बजट झुनझुना है दिखता है पर बजता नहीं : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, एजेंसी। राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद प्रमोद तिवारी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ''मोना'' ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि यह "झुनझुने" की तरह है, जो दिखता तो है लेकिन बजता नहीं। उन्होंने इसे किसान, बेरोजगार युवाओं और लघु एवं मध्यम उद्योगों के खिलाफ बताते हुए कहा कि बजट से देश की जनता निराश हुई है। उनका दावा है कि बजट के बाद बाजार में गिरावट इसका संकेत है। नेता ने कहा कि पिछले एक वर्ष से पूंजी निवेश ठहरा हुआ है और न तो विदेशी निवेश आ रहा है और न ही स्वदेशी निवेश में वृद्धि हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चालू वर्ष में राजस्व प्राप्तियों में 78,086 करोड़ रुपये और शुद्ध कर संग्रह में 1,62,748 करोड़ रुपये की कमी आर्थिक सुस्ती का संकेत है। उनके अनुसार स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास, नगर विकास, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई योजनाओं में बजटीय कटौती की गई है, जिससे अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए कोई ठोस नई योजना या अतिरिक्त प्रावधान नहीं किया गया है और यह बजट केवल नारों तक सीमित है।

खेल विकास से सधेगी युवा शक्ति

युवा और खेल मंत्रालय के लिए बजट में 1,133 करोड़ की वृद्धि, खेलो इंडिया मिशन की शुरूआत

नई दिल्ली, एंजेंसी

यूनियन बजट 2026-27 भारत के स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है, जिसमें टैलेंट डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार पैदा करने पर फोकस किया गया है।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेलो इंडिया मिशन शुरू करने की घोषणा की, जिसका मकसद अगले दशक में स्पोर्ट्स सेक्टर को बदलना है। युवा मामले और खेल मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन में 1,133 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। डेवलपमेंट सेक्टर के तौर पर स्पोर्ट्स की बढ़ती अहमियत पर जोर देते हुए, फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा, स्पोर्ट्स सेक्टर रोज़गार, स्किलिंग और नौकरी के कई मौके देता है।

खेलो इंडिया प्रोग्राम के जरिए स्पोर्ट्स टैलेंट को सिस्टमैटिक तरीके से आगे बढ़ाने की शुरुआत करते हुए, मैं अगले दशक में स्पोर्ट्स सेक्टर को बदलने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं। यूनियन बजट में, स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये दिए गए हैं। खेलो इंडिया मिशन पूरे देश में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एक बड़ा तरीका अपनाएगा। इस मिशन का मकसद एथलीट के लिए सही रास्ते बनाना, इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी को मजबूत करना और सभी लेवल पर परफॉर्मेंस के नतीजों को बेहतर बनाना है। बजट में युवाओं पर केंद्रित नेचर पर जोर देते हुए, फाइनेंस मिनिस्टर ने इस बात पर जोर दिया कि ये प्रस्ताव युवाओं को जोड़ने की कोशिशों से निकले आइडिया और उम्मीदों को दिखाते हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 में, हमारे प्रधानमंत्री के साथ कई नए आइडिया शेयर किए गए, जिनसे कई प्रस्तावों को प्रेरणा मिली, जिससे यह एक अनोखा युवा शक्ति पर आधारित बजट बन गया। ग्लोबल स्पोर्ट्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में भारत की क्षमता को पहचानते हुए, बजट में स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक खास पहल का भी प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने कहाः केंद्रीय बजट 2026-27, युवा मामले और खेल मंत्रालय को कुल बजट आवंटन में 1,133 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ ज़्यादा फाइनेंशियल सपोर्ट देता है, ताकि 2036 तक भारत को टॉप 10 खेल देशों में और 2047 तक टॉप 5 में जगह दिलाने का विज़न पूरा हो सके। मंत्रालय के लिए आवंटन 2025-26 में 3,346 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 4,479.88 करोड़ रुपये हो गया है।

वर्ष 2025-26 3,346 करोड़
वर्ष 2026-27 4,479.88 करोड़

- **2036 तक भारत को टॉप 10 खेल देशों में और 2047 तक टॉप 5 में जगह दिलाने का विज़न**
- **स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये**

बढ़ा हुआ आवंटन केंद्र द्वारा चलाए जा रहे खेल और युवा विकास योजनाओं को लागू करने को मजबूत करेगा, जिसमें एथलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम, युवा जुड़ाव की पहल, कोचिंग और सपोर्ट सिस्टम, स्पोर्ट्स साइंस इंटीग्रेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शामिल हैं।

बैंकों के लिए उच्चस्तरीय समिति की हुई घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बजट में इस प्रस्ताव से होगा बही खाता सुधार, बैंकों की गांवों की ओर पहुंच और तेजी से बढ़ेगी**
- **विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण उपकरण) नियमों की हो सकेगी व्यापक समीक्षा**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ''विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की। यह समिति बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करेगी और इसे भारत की वृद्धि के अगले चरण के लिए तैयार करेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र आज मजबूत बही-खाते, लाभप्रदता के ऐतिहासिक उच्चस्तर, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता और देश के 98 प्रतिशत से अधिक गांवों को शामिल करने वाली पहुंच से लैस है।

उन्होंने आगे कहा, हम इस मोड़ पर इस क्षेत्र की सुधार आधारित वृद्धि जारी रखने के लिए आवश्यक उपायों का मूल्यांकन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। सीतारमण ने लोकसभा में बजट भाषण देते हुए कहा, मैं वित्तीय स्थिरता, समावेश और उपभोक्ता संरक्षण को सुरक्षित रखते हुए इस क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करने और इसे भारत की वृद्धि के अगले चरण के साथ जोड़ने के लिए ''विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्चस्तरीय समिति'' स्थापित करने का प्रस्ताव करती हूं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के नजरिये को ऋण वितरण और प्रौद्योगिकी अपनाने के स्पष्ट लक्ष्यों के साथ जोड़ा गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी में पैमाना हासिल करने और दक्षता में सुधार करने के लिए उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन के पुनर्गठन का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा, मैं भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं के अनुरूप विदेशी निवेश के लिए अधिक समकालीन और उपयोगकर्ता के अनुकूल ढांचा तैयार करने के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण उपकरण) नियमों की व्यापक समीक्षा का प्रस्ताव करती हूं। इस प्रस्ताव से देश के बैंकिंग क्षेत्र को लाभ मिल सकेगा।

भारत बनेगा एआई में सबसे बड़ा हब

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बजट पेश होने के बाद रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा कि भारत कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े हब के रूप में उभरने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

उन्होंने डिजिटल और तकनीकी विकास को बजट की मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल बताया और कहा कि भारत का एआई-पारिस्थितिकी तंत्र आज पहले से कहीं अधिक व्यवस्थित, निवेश-अनुकूल बन चुका है। श्री वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सेमीकॉन 2.0 और सेमीकॉन 1.0 की सफलता के आधार पर आगे बढ़ रहा है, जो सेमीकंडक्टर के उपकरणों,

सामग्री का घेरलू विनिर्माण और डिज़ाइन और प्रतिभा पारिस्थितकी तंत्र को मज़बूत करने पर फोकस करता है। उन्होंने मंत्रालय के तहत आईटी सेवाओं में बड़े सुधारों की भी घोषणा की। जिसमें टैक्स और लागू करने को आसान बनाना, और एआई डेटा सेंटर्स के लिए मज़बूत समर्थन शामिल है-जिसे 8.25 लाख करोड़ रुपये (90 बिलियन डॉलर) तक के निवेश और 2047 तक टैक्स हॉलिडे का सपोर्ट मिला है-जो भारत को वैश्विक एआई हब के तौर पर स्थापित करेगा। श्री वैष्णव ने बताया कि एआई और तकनीक को लेकर बजट में मिले प्रोत्साहन से देश में एआई -संबंधित बुनियादी ढांचे, डेटा-सेंटर, जीपीयू (ग्राफ़िक्स प्रोसेसिंग यूनिट) क्षमता और शोध को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत किसी अन्य देश की नकल नहीं कर रहा, बल्कि अपनी रणनीति के साथ एक वास्तविक और व्यावहारिक एआई विकास मॉडल तैयार कर रहा है। श्री वैष्णव ने कहा कि एआई सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था का अगला बड़ा इंजन है, और भारत की रणनीति इसे विश्व स्तर पर एक प्रमुख एआई हब के रूप में स्थापित करने की है। उन्होंने कहा कि सरकार एआई का उपयोग, स्किलिंग, रिसर्च और निवेश को समान रूप से बढ़ावा दे रही है ताकि देश के युवा, स्टार्टअप्स तथा उद्योग सभी इस तकनीक का लाभ उठा सकें।

पीएफ ट्रस्ट में नियोक्ता योगदान को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को भविष्य निधि या पीएफ ट्रस्ट के प्रावधानों को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया। इसके तहत नियोक्ता के योगदान पर समानता और प्रतिशत आधारित सीमाओं की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। इस पहल का मकसद कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) खातों में नियोक्ताओं के योगदान को सरल बनाकर कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देना है। इस समय कुछ ऐसे पीएफ ट्रस्ट हैं, जिन्हें सेवानिवृत्ति निधि संभालने वाली संस्था ईपीएफओ और आयकर विभाग से मान्यता प्राप्त है। इन ट्रस्ट के नियोक्ता कुछ सीमाओं के तहत पीएफ खातों में अपने कर्मचारियों के योगदान की तुलना में कम या अधिक राशि का योगदान करते थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि परिवर्तनों का उद्देश्य कामकाज को आसान बनाना है।

रियल एस्टेट और शहरी विकास को प्रोत्साहन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय बजट पर राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने रविवार को कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यह बजट उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत आर्थिक विकास पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है।

श्री जैन ने बजट में लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सभी क्षेत्रों व सेक्टरों तक अवसरों की समान पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है, जो "सबका साथ, सबका विकास" की भावना को मजबूती देता है। श्री जैन ने शहरी संतुलित विकास

- **राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा**

के लिए पूंजीगत व्यय को वित्त वर्ष 2026-27 में 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किए जाने के निर्णय को दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों पर विशेष फोकस से टियर-2 और टियर-3 शहरों में रियल एस्टेट गतिविधियों को नई गति मिलेगी और मेट्रो शहरों से परे संतुलित शहरीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर लोहिया वर्ल्डस्पेस के निदेशक पीयूष लोहिया ने कहा कि यह बजट आधारभूत ढांचे पर केंद्रित है और रियल एस्टेट सेक्टर के लिए स्थिरता व दीर्घकालिक विकास का मजबूत आधार तैयार करता है। उन्होंने कहा कि सात हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर-मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेंगे और इनके आसपास नए रियल एस्टेट, औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित होंगे। दोनों विशेषज्ञों ने कहा कि यह बजट रियल एस्टेट सेक्टर के लिए भरोसेमंद, निवेश-अनुकूल और विकासोन्मुख वातावरण तैयार करता है, जो भारत के शहरी और आर्थिक भविष्य को नई दिशा देगा।

म्यूचुअल फंड आय से जुड़े ब्याज खर्चों पर कटौती खत्म करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने रविवार को लाभांश और म्यूचुअल फंड आय से संबंधित ब्याज खर्चों पर मिलने वाली कटौती को खत्म करने का प्रस्ताव रखा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस प्रस्ताव से वह मौजूदा प्रावधान खत्म हो जाएगा, जिसके तहत लाभांश या म्यूचुअल फंड आय के 20 प्रतिशत तक के ब्याज खर्चों पर कटौती की अनुमति मिलती थी। आम बजट 2026-

27 के अनुसार, यह प्रस्ताव है कि लाभांश आय या म्यूचुअल फंड की इकाइयों से होने वाली आय के संबंध में किए गए किसी भी ब्याज व्यय पर कोई कटौती नहीं दी जाएगी। साथ ही, एक तय सीमा तक ऐसी कटौती की अनुमति देने वाले मौजूदा प्रावधान को हटाने का भी प्रस्ताव है।

यह बदलाव आयकर अधिनियम, 2025 का हिस्सा है, जो एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। अब अगर निवेशक कर्ज लेकर निवेश करते हैं, तो उनके ऋण के ब्याज जैसे खर्चों को लाभांश या म्यूचुअल फंड आय से घटाया नहीं जाएगा। इससे ऐसी आय पर कर योग्य राशि प्रभावी रूप से बढ़ जाएगी।

आवास ऋण के ब्याज पर छूट में अब ब्याज भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रस्ताव दिया गया है कि स्वयं के कब्जे वाली संपत्ति के मामले में आवास ऋण के ब्याज पर मिलने वाली दो लाख रुपये तक की आयकर कटौती में अब संपत्ति के अधिग्रहण या निर्माण से पहले दिया गया ब्याज भी शामिल किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए सरकार आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 22(2) में संशोधन करेगी। इससे एक अप्रैल 2026 से लागू नए

कर कानून के तहत गृह ऋण लेने वाले करदाताओं को राहत जारी रहेगी। बजट दस्तावेज के अनुसार आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 22 गृह संपत्ति से होने वाली आय के मामले में मिलने वाली कटौतियों से संबंधित है।

विदेश में रहने वालों को निवेश की होगी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि भारत के बाहर रहने वाले व्यक्तिगत व्यक्ति (पीआरओआई) अब पोर्टफोलियो निवेश योजना के जरिये सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में इक्विटी निवेश कर सकेंगे। सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि पीआरओआई के लिए निवेश सीमा को भी अब पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा जा रहा है।

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार कॉरपोरेट बॉन्ड सूचकांक पर कोष एवं डेरिवेटिव्स तक

पीआरओआई निवेश

- **भारतीय कंपनियों में अब इक्विटी निवेश कर सकेंगे**

उपयुक्त पहुंच के लिए एक ढांचा विकसित करने का प्रस्ताव कर रही है। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में आधारभूत संरचना के विकास पर ध्यान देना जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि गुजरात के जामनगर में स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन का वैश्विक परंपरागत औषधि केंद्र अद्यतन किया जाएगा। साथ ही देश की दूरबीन और खगोल विज्ञान अवसंरचना को भी उन्नत करने का प्रस्ताव है।

बजट के मुताबिक, पर्यटन एवं कौशल विकास क्षेत्र में सरकार 20 प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों पर 10,000 गाइड के कौशल उन्नयन के लिए पायलट योजना शुरू करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पर्वतारोहण में विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने की क्षमता मौजूद है। इसके अलावा केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पर्यावरण-संवेदनशील पर्यटन मार्ग भी विकसित करेगी।

सुधार | **बजट में प्रशासनिक सुधारों को 65 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव ई–गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जाएगा**

कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर 299 करोड़ खर्च करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश और विदेश में सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने तथा बुनियादी ढांचे से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 299 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव है।

रविवार को पेश बजट के अनुसार, इसके अलावा प्रशासनिक सुधारों के लिए 65 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस प्रावधान में सरकारी कार्यालयों के आधुनिकीकरण की योजना, प्रशासनिक सुधारों पर पायलट परियोजनाएं शामिल हैं जिनमें ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देना, सुशासन को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक शिकायतों के निवारण के लिए एक व्यापक प्रणाली शामिल है।

आगामी वित्त वर्ष के लिए कुल 299 करोड़ रुपये के परिव्यय में से,

120.8 करोड़ रुपये प्रशिक्षण प्रभाग, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) के लिए स्थापना संबंधी व्यय को पूरा करने के लिए, 52.2 करोड़ रुपये प्रशिक्षण योजनाओं के लिए और 126 करोड़ रुपये केंद्र के महत्वाकांक्षी ''मिशन कर्मयोगी'' या सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को निर्धारित की गई है। मिशन कर्मयोगी को सबसे बड़ी नौकरशाही सुधार पहल कहा जाता है। इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को अधिक रचनात्मक, सक्रिय, पेशेवर और प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना है। बजट दस्तावेज में कार्मिक मंत्रालय के लिए बजटीय प्रावधानों का विवरण देते हुए कहा गया कि 120.8 करोड़ रुपये के प्रावधान में दिल्ली स्थित आईएसटीएम, मसूरी स्थित एलबीएसएनएए और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रशिक्षण प्रभाग से संबंधित स्थापना व्यय शामिल हैं। ये संगठन सचिवालय के सभी स्तरों तथा श्रेणियों के कर्मचारियों को नवीनतम नियमों एवं विनियमों और योग्यताओं से पर्याप्त रूप से अवगत कराने के लिए आधारभूत पाठ्यक्रम, पुनरावलोकन पाठ्यक्रम तथा मिड-करियर (कामकाज के दौरान) प्रशिक्षण सहित कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इस आवंटन में घरेलू या विदेशी यात्रा पर होने वाला व्यय, केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) और केंद्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (सीएसएस) के अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम शुल्क भी शामिल होगा।

बजट दस्तावेज में कहा गया कि 52.2 करोड़ रुपये के आवंटन में सभी के लिए प्रशिक्षण का प्रावधान शामिल है। अगले वित्त वर्ष में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के प्रचार-प्रसार के लिए 3.5 करोड़ रुपये का कोष अलग रखा गया है।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) को लोक सेवकों के सेवा संबंधी मामलों के निवारण का दायित्व सौंपा गया है। इसको आगामी वित्त वर्ष के लिए स्थापना संबंधी व्यय को 166.42 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। बजट दस्तावेज में कहा गया कि इसमें सीएटी की विभिन्न पीठों के लिए भूमि की खरीद एवं भवनों के निर्माण का प्रावधान भी शामिल है। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) और राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी) के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 52.07 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने का प्रस्ताव है।

बजट समावेशी, वृद्धि और रोजगार बढ़ाने वालाः महेंद्र देव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने रविवार को कहा कि बजट 2026-27 समावेशी है और वृद्धि तथा रोजगार को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट कारोबारी सुगमता के साथ ही रहन-सहन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। देव ने लिंक्डइन पर पोस्ट किया, बजट 2026-27 विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अगला कदम है। यह वृद्धि, समावेश और रोजगार की दिशा में बढ़ने वाला बजट है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए कर छूट, और कृषि तथा पर्यटन क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन की घोषणा की।

दुर्घटना दावे से मिला हर्जाना अब आयकर से मुक्त होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कानूनी उत्तराधिकारी को मि लेगी इसका लाभ**
- **एक अप्रैल से प्रभावी होगा यह संशोधन**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को आम बजट 2026-27 में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) द्वारा दिए जाने वाले हर्जाने को आयकर से मुक्त करने का प्रस्ताव रखा। बजट दस्तावेज के अनुसार, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत न्यायाधिकरण किसी व्यक्ति या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को मृत्यु, स्थायी विकलांगता या किसी शारीरिक चोट के कारण मुआवजा और उस पर ब्याज देने का आदेश दे सकता है।

दस्तावेज में कहा गया कि ऐसे हादसों के शिकार लोगों और उनके परिवारों की पीड़ा को कम करने के लिए उक्त अनुसूची में संशोधन का प्रस्ताव है। इसके तहत मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत ब्याज के रूप में प्राप्त होने वाली किसी भी आय पर व्यक्ति या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को छूट दी जाएगी।

यह संशोधन एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा और तदनुसार कर वर्ष 2026-27 तथा उसके बाद के कर वर्षों के संबंध में लागू होगा। इसमें यह भी कहा गया कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा किसी व्यक्ति को दी गई मुआवजे की राशि पर मिलने वाले ब्याज के संबंध में स्रोत पर कोई कर कटौती नहीं की जाएगी।

बजट पर उद्योग जगत संतुष्ट तो शिक्षक निराश

विभिन्न वर्गों से मिली-जुलीं प्रतिक्रियाएं आईं सामने, शिक्षक और कर्मचारी वर्ग में दिखी मायूसी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर विभिन्न वर्गों से मिलीजुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। जहां उद्योग जगत ने बजट को विकसित भारत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत कदम बताया है, वहीं शिक्षक और कर्मचारी संगठनों ने टैक्स राहत और पुरानी पेंशन को लेकर निराशा जताई है।

कै. राजेश तिवारी, डिवि. चेयरमैन, आईआईए।

अभिषेक सिंह, जिलाध्यक्ष, उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ।

डॉ. राकेश सिंह, जिलाध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के डिविजनल चेयरमैन कैप्टन राजेश कुमार तिवारी ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को 'चैंपियन' के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया है। सोलर पैनल ग्लास निर्माण में प्रयोग होने वाले सोडियम एंटीमिनेट को कस्टम ड्यूटी से छूट, टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा, प्राकृतिक फाइबर, मैग्नेट फाइबर, खादी, हैंडलूम एवं ओडीओपी को प्रोत्साहन जैसे प्रावधान सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा को रोजगार व उद्यमपरक बनाकर युवाओं को रोजगार से जोड़ने की पहल तथा एमएसएमई को इक्विटी व लिक्विडिटी के माध्यम से मजबूत करना भारत को फाइव ट्रिलियन इकोनॉमी की ओर ले जाने वाला कदम है। वहीं उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने कहा कि बजट में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नया इनकम टैक्स अब 31 जुलाई तक रिटर्न और 31 मार्च तक संशोधित आईटीआर दाखिल किया जा सकेगा, साथ ही करदाता रिटर्न अपडेट भी कर सकेंगे। हालांकि उन्होंने निराशा जताई कि स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा 75 हजार रुपये से अधिक बढ़ने की उम्मीद पूरी नहीं हुई, साथ ही पति-पत्नी दोनों के सरकारी सेवा में होने पर टैक्स में छूट को लेकर भी कोई राहत नहीं दी गई। यूटा बाराबंकी के जिलाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बाइक पर दी गई छूट स्वागत योग्य है, लेकिन टैक्स स्लैब में कोई राहत न मिलने से मध्यम वर्ग निराश है। साथ ही पुरानी पेंशन बहाली के लिए बजट में धन की कोई व्यवस्था न किए जाने से शिक्षक और कर्मचारी वर्ग में भारी असंतोष है। कुल मिलाकर केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर उद्योग जगत में उत्साह है, जबकि शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों में अपेक्षाएं पूरी न होने से असंतोष और निराशा देखने को मिल रही है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली को लेकर कोई निर्णय न लेना और भविष्य की किसी स्पष्ट योजना की घोषणा न किया जाना शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए निराशाजनक है। साथ ही आयकर सीमा में कोई वृद्धि न किए जाने से भी कर्मचारियों को राहत नहीं मिली है।

हालांकि बजट में कुछ प्रावधानों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि विलासितापूर्ण वस्तुओं के दाम बढ़ाना तथा शिक्षा और मेडिकल उद्देश्यों के लिए टैक्स में कटौती करना सकारात्मक कदम है। इसके अलावा कपड़े, जूते और दवाइयों के दाम घटाए जाने से आम जनता को राहत मिलेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

एक चोर गिरफ्तार, दो चोरियों का खुलासा

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : चोरी के सामान के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लोनीकटरा पुलिस ने हाल ही में हुई दो चोरियों के खुलासे का दावा किया है। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य ने बताया कि रविवार रात करीब दो बजे गजफ्फरपुरवा पुलिया के पास एक युवक को पकड़ा गया। उसके पास से 4200 की नकदी सहित बीती 26 जनवरी की रात भिलवल चौराहे स्थित एक दुकान से चोरी की गईं तीन साड़ियां, दो लहंगा व 23 जनवरी की त्रिवेदीगंज गांव के एक मकान से चोरी हुये जेवरात में से एक जोड़ी पायल एक जोड़ी पायजेब दो जोड़ी बिछिया सफेद धातु, व दो मंगल सूत्र मय लाकेट पीली धातु के बरामद हुए। पकड़ा गया युवक सीतापुर के लोनियनपुरवा निवासी मोनू लोनिया है, जिसे जेल भेजा गया है।

रेलवे क्रासिंग पर मिला युवक का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार देर रात घर से निकले युवक का शव रेलवे क्रासिंग के करीब मिला। आशंका है कि उसकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। युवक मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा। जहांगीराबाद के हजरतपुर के रहने वाले सुरेश चंद्र का पुत्र गोविन्द गौतम (25) शनिवार की रात करीब 12 बजे बिना बताये घर से निकल गया। रविवार की सुबह घर से दो किमी दूर डमौर गांव के पास युवक का क्षत विक्षत शव रेलवे क्रासिंग के पास पड़ा मिला।

बीमारी के इलाज के नाम पर महिला से ठगी

कोठी, बाराबंकी, अमृत विचार : बीमारी के इलाज के बहाने महिला से ठगी कर ली गई। अलीगढ़ के रहने वाले मुल्हूराम की पत्नी विजयलक्ष्मी ने तहरीर में बताया कि 30 जनवरी की दोपहर वह बेदियामऊ रोड पर खड़ी थीं। इसी दौरान बाइक से आए एक पुरुष और एक महिला ने उनसे बातचीत शुरू की। महिला ने बताया कि उसके साथ बैठा व्यक्ति सांस की बीमारी का इलाज करता है और वह स्वयं भी इलाज कराने जा रही है। इस पर पीड़िता बाइक पर बैठ गई। आरोप है कि गंजरिया मोड़ पर बाइक रोककर दोनों उसे खेत में ले गए, जहां पौधे का पत्ता तोड़कर सुंघाया गया, जिससे पीड़िता को बदहवासी होने लगी। इसी दौरान ठग उसका बैग, जिसमें माला और कुछ जरूरी कागजात थे, लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सरकारी खड़ंजा उखाड़ा, रास्ता बाधित

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के पतौंजा के मक्कापुरवा में सरकारी खड़ंजा नष्ट कर दिया गया। प्रधान की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। प्रधान रामलखन का आरोप है कि गांव के प्रकाश यादव तथा रामनिवासी, संदीप व सुभाष ने शोभा के घर के सामने खड़ंजा उखाड़ा गया। इससे रास्ता बाधित हो गया है।

शराब की दुकान में सेंध लगाकर नकदी चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : बड़ेल स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान में सेंध लगाकर चोर दो लाख नकद चोरी कर ले गए, वहीं सामान भी क्षतिग्रस्त कर दिया। हिमांशु जायसवाल की अंग्रेजी शराब व बियर की दुकान है। रविवार की सुबह सेल्समैन दुकान पहुंचा तो उसे चोरी का पता चला। शातिर चोर दुकान में सेंध काटकर अंदर घुसे और काउंटर से दो लाख रुपये नकद उड़ा ले गए। चोरों ने यहां पर बियर की बोतलें व केन भी क्षतिग्रस्त कर दीं। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है।

चोरी के इंजन समेत दो चोर गिरफ्तार

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : हैदरगढ़ पुलिस ने 2 चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का इंजन व एक तमंचा मय कारतूस, चाकू व एक ट्रैक्टर ट्राली बरामद की। पुलिस ने शिवशंकर व दीपक को वृहद ग्राम भिखरा के पास से गिरफ्तार किया। 30 जनवरी की रात इन लोगों ने भिखरा में खेत में सिंचाई हेतु लगे एक पम्पिंग सेट इंजन को चोरी किया था।

दहेज में बुलेट न मिली तो दिया तीन तलाक

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : निकाह के 15 महीने बाद ही दहेज की मांग ने इस कदर जोर पकड़ा कि विवाहिता को तीन तलाक बोल दिया गया। विवाहिता ने ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सफदरगंज के दुर्जनपुर पट्टी की नसरीन बानो का निकाह 31 अक्टूबर 2024 को कोठी के भानमऊ गांव निवासी मो. आलम से हुआ था। पीड़िता के अनुसार शादी में दिए गए दहेज से पति व ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था और अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में शिकायती पत्र दिया गया था, जहां सुलह के बाद 26 नवंबर 2025 को पति उसे ले गया। पीड़िता का आरोप है कि 17 जनवरी की शाम पति व ससुरालवालों ने बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर पीटा जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

पति से वीडियो कॉल पर बात करते समय दी जान

बाराबंकी, अमृत विचार : सुबेहा के लालू का पुरवा मजरे जमीन हुसैनाबाद में शनिवार देर शाम विवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। कल्लू रावत के पुत्र सूरज का विवाह करीब नौ माह पूर्व चौधरी पुरवा के सहजराम की पुत्री संगीता से हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद सूरज रोज़गार के सिलसिले में अहमदाबाद चला गया था, जबकि संगीता ससुराल में रही थी। शनिवार शाम अहमदाबाद में रह रहे पति सूरज और संगीता के बीच वीडियो कॉल पर बात हो रही थी। इस दौरान किसी बात को लेकर संगीता नाराज हो गई और टिनशेड में लगी लोहे की पाइप में साड़ी का फंदा बनाकर लटक गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय वीडियो कॉल पर पति पत्नी को ऐसा न करने के लिए कहता रहा लेकिन वह बेबस होकर अपनी पत्नी की मौत को ऑनलाइन देखता रह गया। सूरज ने फोन पर अपनी मां को बताया। परिजनों ने उसे निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज से मना कर दिया। इसके बाद उसे सीएचसी बाजार शुक्ल ले जाया गया, उसे मृत घोषित कर दिया गया। बाजार शुक्ल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, मायके पक्ष दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इंटर के छात्रों को दी गयी विदाई

बाराबंकी, अमृत विचार : आनंद विहार कान्वेंट इंटर कॉलेज में इंटर के छात्रों के लिए विदाई एवं गुडलक पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सदस्य, न्यायिक मजिस्ट्रेट, बाल कल्याण समिति व न्यायपीठ तथा पूर्व निदेशक चाइल्ड लाइन एवं चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल के प्रबंधक रत्नेश कुमार रहे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित करें सफलता अवश्य मिलेगी। विशिष्ट अतिथि इंजीनियर रविंद्र वर्मा, पूर्व प्रोजेक्ट इंचार्ज विप्रो तथा वरिष्ठ प्रवक्ता रसायन विज्ञान सुखेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया तथा इंटर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये।

प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने लगाई थी फांसी

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : विवाहिता व उसके प्रेमी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने फांसी लगाकर जान दी थी। दो दिन पूर्व युवक के आत्महत्या प्रकरण में पिता ने विवाहिता व उसके प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गत 30 जनवरी की सुबह घुंघटेर के अलमापुर गांव में अंकज का शव पेड़ से लटका मिला था। घटना के एक दिन पहले वह निकला लेकिन घर वापस नहीं आया। दूसरे दिन परिजनों ने खोजबीन शुरू की तो वह फंदे से लटकता मिला। पिता चंद्रकेश ने पुलिस को बताया कि उसके छोटे पुत्र अंकज यादव को करीब एक वर्ष पूर्व गांव में ही रह रही व दो बच्चों की मां रीता देवी अपने साथ लखनऊ ले गई थी। परिजनों के काफी मान-मनौव्वल के एक माह बाद वह अंकज को वापस गांव लाई। आरोप है कि इसके बाद रीता देवी अपने प्रेमी संतोष यादव निवासी तरावां थाना बड्डूपुर के साथ मिलकर अंकज पर शादी का दबाव बनाने लगी। अंकज और उसका परिवार शादी के लिए इनकार कर चुके थे, बावजूद इसके विपक्षियों द्वारा दबाव बनाया जाता रहा। आरोप है कि संतोष यादव ने 50 हजार रुपये की मांग करते हुए विवाह न कराने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। लगातार मानसिक प्रताड़ना से अंकज मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था।

22 लाख के 106 गुम मोबाइल बरामद

बाराबंकी, अमृत विचार : सर्विलांस सेल व थानों की संयुक्त टीमों ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से गुम करीब 22 लाख रुपये कीमत के 106 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। रविवार को मोबाइल उनके स्वामियों के सुपुर्द कर दिए गए। सर्विलांस सेल व थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर एक विशेष अभियान के तहत, सीईआईआर पोर्टल का उपयोग करके तकनीकी विश्लेषण और ट्रैकिंग के माध्यम से गुमशुदा हुए 106 मोबाइल फोन बरामद किए। इन बरामद मोबाइल फोनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख रुपये है।

भंडारे संग भगवन्नाम संकीर्तन महायज्ञ संपन्न

बाराबंकी, अमृत विचार : श्रीराम वन कुटीर आश्रम हड़ियाकोल में निःशुल्क ऑपरेशन शिविर के उपरांत आश्रम के संस्थापक वीतराग संत स्वामी रामदास एवं स्वामी रामज्ञान दास महाराज की स्मृति में आयोजित भगवन्नाम संकीर्तन महायज्ञ का रविवार को पूर्णाहुति एवं भंडारे के साथ समापन हो गया।

यह संकीर्तन महायज्ञ 23 जनवरी से 1 फरवरी तक चला। महायज्ञ के दौरान स्वामी रामदास महाराज द्वारा रचित लीलाओं मनुसतरूपा, धनुषयज्ञ, भक्त केवट, शबरी, सुतिक्षण, मीराबाई, भीष्म प्रतिज्ञा, भरत मिलाप एवं राम राज्याभिषेक का सजीव मंचन जौरास (हैरदगढ़) रामलीला कमेटी के मुखिया सुरेश यादव की मण्डली द्वारा किया गया। मण्डली का नेतृत्व ओम प्रकाश शुक्ला ने किया। आश्रम के सेवादार मनीष मेहरोत्रा ने बताया कि 28 दिसंबर से 13 जनवरी तक चले शिविर में ऑपरेशन कराए गए मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रतिदिन यज्ञ में आहुति डाली गई। आयोजन श्रीराम वन कुटीर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष भगवान दास एवं उपाध्यक्ष विष्णुदास व तुलसीदास म के संरक्षण में हुआ।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम जवारीपुर में चल रही पांच दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन रविवार को कथावाचक उमेश महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी और गोवर्धन पूजा की भावपूर्ण कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान की लीलाएं मानव जीवन को सही मार्ग दिखाने वाली और प्रेरणादायक हैं। उमेश महाराज ने बताया कि बाल कृष्ण अपने नटखट स्वभाव से सभी का मन मोह लेते थे और यशोदा मां के समक्ष माखन चोरी के प्रसंगों का वर्णन किया। गोवर्धन भगवान कृष्ण ने इंद्र पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा कराकर कर्म और प्रकृति की महत्ता समझाई तथा ब्रजवासियों को संरक्षण दिया। इस अवसर पर राम मिलन यादव, बब्लू वर्मा, राम कुमार वर्मा, आशीष वर्मा, सुशीला शर्मा आदि थे।

भक्तों की रक्षा को अवतार लेते हैं प्रभु

बाराबंकी, अमृत विचार : बाबू ओएन शुक्ला स्मारक विद्यालय में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रीकृष्ण उत्सव का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा व्यास स्वामी गोविंदाचार्य ने कहा कि भगवान भक्तों की रक्षा और अधर्म के नाश के लिए अवतार लेते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने दुष्टों का संहार कर धर्म की स्थापना की। स्वामी गोविंदाचार्य जी ने कथा में बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के गोकुल में जन्म लेते ही उनके परिकर स्वरूप सभी देवता ग्वाल-बाल बनकर अवतरित हुए। पूरे गोकुल में आनंद और उत्सव का माहौल था। कथा के दौरान महाराज जी के साथ आई टीम आचार्य कुलदीप मिश्र, शिवाकांत तिवारी, पवन सिंह, सत्यम तिवारी और सुदामा ब्रह्मचारी ने वाद्य यंत्रों और मधुर संगीत से वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा।

मारपीट की घटनाओं में छह लोग हुए घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : विभिन्न थाना क्षेत्रों में आपसी विवाद और पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में महिला समेत 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मामलों में पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पहली घटना थाना लोनीकटरा क्षेत्र के ग्राम छन्दरौली की है, जहां गांव के ही कुछ लोगों ने केसनलाल के घर में घुसकर लाठी-डंडों से तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने केसनलाल के सिर पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव में आई उनकी पत्नी को भी पीटा गया। इस घटना में पति-पत्नी समेत दो लोग घायल हुए। दूसरी घटना थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम सिकोहना की है, जहां बच्चों के विवाद को लेकर पड़ोसियों ने आलिया और उनकी पुत्री पलक के साथ लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारपीट की। दोनों को सिर व शरीर में चोटें आई हैं। मां-बेटी सहित दो लोग घायल हुए। तीसरी घटना थाना कोतवाली सतरिख क्षेत्र के ग्राम शेखपुर की है, जहां श्यामवेद के साथ मारपीट होते देख उन्हें बचाने पहुंचे उनके चाचा पप्पू पर भी जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। ग्रामीणों के हस्तक्षेप से दोनों की जान बच सकी। इस घटना में चाचा-भतीजे समेत दो लोग घायल हुए हैं। तीनों घटनाओं में घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है।

रामनगर में दो पक्षों में मारपीट, कई घायल

कोतवाली रामनगर क्षेत्र के ग्राम अशोकपुर चाचूसरांय में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक पक्ष की ओर से गायत्री देवी पत्नी पवन कुमार ने आरोप लगाया कि 27 जनवरी की सुबह गांव के ही कुछ लोगों ने उनके घर पहुंचकर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में गायत्री देवी सहित उनके परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए। दूसरे पक्ष से जाहिदा खातून पत्नी मो. जुबेर ने आरोप लगाया कि उसी दिन सुबह घर के सामने पालतू पिल्ले को मारने से मना करने पर विपक्षियों ने गाली-गलौज करते हुए उनके घर में घुसकर हमला कर दिया। इस दौरान लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी के बेंट से मारपीट की गई, जिससे जाहिदा खातून, उनकी बेटी और पति घायल हो गए। घटना के बाद 112 नंबर पर कॉल करने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी रामनगर भेजा गया, जहां उनका उपचार कराया गया।

कुलदीप इलेवन बनी चैंपियन

सुबेहा, बाराबंकी, अमृत विचार : आदर्श नगर पंचायत सुबेहा के शनि बाजार में आयोजित सुबेहा क्रिकेट कप सीजन-2 का फाइनल मुकाबला जगदीशपुर और त्रिवेदीगंज की टीम कुलदीप इलेवन के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कुलदीप इलेवन ने निर्धारित 16 ओवर में सभी विकेट खोकर 136 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगदीशपुर की टीम 16 ओवर में पांच विकेट पर 104 रन ही बना सकी। इस तरह कुलदीप इलेवन ने 32 रनों से फाइनल मुकाबला जीत लिया।

आयोजन जिले भर में आयोजित किये गये विभिन्न कार्यक्रम, धूमधाम से निकाली गयी शोभायात्रा

श्रद्धा, भक्ति संग मनी संत शिरोमणि रविदास की जयंती

बाराबंकी, अमृत विचार : संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती विविध कार्यक्रम हुए। शहर में निकली शोभायात्रा की अगुवाई वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश चन्द्र कुरील ने की। यह यात्रा मोहल्ला कानून गोयान स्थित मुड़कटी देवी मंदिर से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई मोहल्ला पैसार पहुंची, जहां यह सभा में परिवर्तित हो गई। आयोजक रमेश चन्द्र कुरील ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सिक्ख समाज, जैन समाज तथा व्यापारी बंधुओं के सहयोग और सेवा कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा भुल्लन, अरविन्द मौर्या आदि उपस्थित रहे। मसौली चौराहा स्थित संत शिरोमणि रविदास आश्रम में रविवार को संस्थापक डॉ. नौमीलाल गौतम द्वारा संत शिरोमणि रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर आरती की गई। भंडारे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में लल्लन सिंह, कुलदीप कुमार, अरविंद राव, संदीप कुमार, पुष्पेन्द्र कुमार, डॉ. मनोज, रामफल, रमेशचंद्र, राम अचल त्यागी, राहुल कुमार आदि थे।

शहर में निकाली गई शोभायात्रा। ● अमृत विचार

सांसद आवास पर मनाई गई जयंती। ● अमृत विचार

जाति व्यवस्था खत्म हो तो बढ़े मानवता

बाराबंकी, अमृत विचार : सांसद आवास पर पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने सन्त रविदास की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि जब तक जाति व्यवस्था खत्म नही होगी तब तक मानवता नही जुड़ सकती। इस अवसर पर अमरनाथ मिश्रा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा, अजीत वर्मा, केसी श्रीवास्तव, विजयपाल गौतम, राम हरख रावत, कमल भल्ला, सबनम वारसी, अजय आदि थे।

भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील

बैठक में दिशा निर्देश देते थाना प्रभारी। ● अमृत विचार

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : शब-ए-बारात और महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर रविवार को मसौली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने की। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों से आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह, असामाजिक गतिविधि या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयास कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा, कस्बा प्रभारी अभय गुप्ता, उपनिरीक्षक राशिद अली खान, सत्यपाल सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुईन अंसारी, रामसिंह यादव, उमाकांत राव, नूर मोहम्मद, धीरज, जितेंद्र वर्मा, ज्ववाद खान, सलमान, प्रेमनंद वर्मा आदि थे।

बाबू रामचंद्र बख्श सिंह की मूर्ति का अनावरण

मूर्ति का अनावरण करते पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : रविवार को ब्लॉक निंदूरा के ग्राम देवरा में पूर्व विधायक व पूर्व एमएलसी बाबू रामचंद्र बख्श सिंह की प्रतिमा का अनावरण एवं जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। अध्यक्षता सपा के जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने की, जबकि मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप रहे। स्व. बाबू रामचंद्र बख्श सिंह के पुत्र एवं सपा जिला उपाध्यक्ष अजय वर्मा बबलू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री राकेश कुमार वर्मा, विधायक गौरव रावत, पूर्व एमएलसी राजेश यादव 'राजू', पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, चेयरमैन शीला सिंह वर्मा तथा पूर्व विधायक रतन लाल राव उपस्थित रहे। संचालन सपा कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा ने किया। अरविंद सिंह गोप को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र सिंह वर्मा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह, फैजान किदवई, पं. राजनाथ शर्मा, अविरल सिंह, पूर्व प्रमुख विवेकानंद पाण्डेय, तालिब नजीब कोकब, संतोष वर्मा, हाफिज भारती, पूर्व विधायक राजलक्ष्मी वर्मा, कुसुमलता रावत, बार अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह वर्मा आदि थे।

कंपनियों के दबाव पर कड़ा रुख

बैठक करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : रविवार को डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें व्यापार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके निस्तारण को लेकर उपायों पर मंथन किया गया। बैठक में वितरकों ने आरोप लगाया कि कई कंपनियों के अधिकारी टारगेट और इंसेंटिव के दबाव में स्थानीय डिस्ट्रीब्यूटरों पर अनावश्यक दबाव बनाते हैं तथा बात न मानने पर पुराने वितरक का स्टॉक और क्लेम का हिसाब किए बिना नई पार्टी बना दी जाती है। इस पर एसोसिएशन ने ऐसे मामलों में कड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया। एसोसिएशन ने उन वितरकों से अपील की है जिन्होंने संबंधित कंपनियों का कार्य लिया है कि वे पहले कंपनी अधिकारियों से बात कर पुराने डिस्ट्रीब्यूटर का पूरा हिसाब कराएं, स्टॉक ट्रांसफर और एनओसी प्राप्त करें, उसके बाद ही नया माल मंगवाएं। अन्यथा एसोसिएशन द्वारा कंपनी प्रतिनिधियों को नए वितरक के साथ बाजार में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बैठक में रविनन खजांची, मनीष निगम, अनुराग गुप्ता, मो. जुबेर, सुनील जैन, संजीव शाह, विपुल, मनोज गुप्ता सहित अन्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर सीवीओ को दी गई विदाई

बाराबंकी, अमृत विचार : मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अतुल कुमार अवस्थी के सेवानिवृत्त होने पर उनके सम्मान में तथा कार्यवाहक मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधीर वर्मा के स्वागत में पशु चिकित्सा संघ जनपदीय इकाई बाराबंकी की ओर से विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अवस्थी को बुके, माल्यार्पण, अंगवस्त्र व मोमेंटो भेंट कर भावपूर्ण विदाई दी गई, वहीं डॉ. सुधीर वर्मा का स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार ने की। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण एवं जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संचालन वरिष्ठ साहित्यकार अनिल कुमार श्रीवास्तव 'लल्लू' एवं मुस्तफा खां प्रधान सहायक व अध्यक्ष विकास भवन कर्मचारी परिषद ने किया।

प्रशिक्षु सिपाहियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते सिपाही। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियो द्वारा बहुउद्देशीय हॉल में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियों ने बहुउद्देशीय हॉल में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के समक्ष अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणरत आरक्षियों द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वाहवाही बटोरी गई, पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अन्त में एसपी ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियों के साथ सामूहिक रूप से भोजन किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी रितेश कुमार सिंह आदि अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों को दी गई आधुनिक कृषि की जानकारी

सूरतगंज, बाराबंकी : अमृत विचार : कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) की ओर से एम-पैक्स बरैय्या में सहकारिता सशक्तिकरण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने के साथ किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कृभको के क्षेत्रीय अधिकारी राहुल सिंह ने बताया कि कृभको द्वारा किसानों को नि :शुल्क मृदा परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे खेत की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर उर्वरकों का संतुलित प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक पद्धति अपनाने की अपील की। इस अवसर पर आशीष सिंह, शेखर हयारण, अरविंद कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार, बबलू वर्मा सहित अन्य किसान एवं सहकारी समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

किसी को भाया तो किसी ने बताया चुनावी बजट

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट पर विभिन्न वर्गों के लोगों ने व्यक्त कीं अपनी प्रतिक्रियाएं

संवाददाता हरदोई

अमृत विचार। देश की वित्तमंत्री ने रविवार को बजट प्रस्तुत किया गया। बजट को लेकर जिले के विभिन्न वर्गों के लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। आयकर स्लैब में कोई बढ़ोत्तरी न होने से आयकरदाता को निराशा होना पड़ा। पूर्व विधायक डा. राजपाल कश्यप ने कहा कि बजट किसानों, नौजवानों, मजदूरों और आमजनता के लिए पूरी तरह निराशाजनक है। महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी रिकार्ड स्तर पर, किसान कर्ज में डूबा है, लेकिन बजट में कोई ठोस राहत का प्रावधान नहीं किया गया है। यह बजट चंद उद्योगपतियों का बजट है। कांग्रेस के निवर्तमान जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह सोमवंशी ने कहा कि रक्षा का बजट घटाया गया यह आम आदमी का बजट नहीं है। पूंजीवादी सरकार द्वारा कंपनियों के हित के लिए लाया गया बजट है। बजट कम किया गया है। यह चुनावी रैली जैसा बजट है। गांव गुरवा के लिए यह बजट नहीं है। किसान, मजदूर, नौजवान के लिए बजट में कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य अमलेंद्र त्रिपाठी एडवोकेट ने बताया कि बजट के बाद शेयर बाजार ऐतिहासिक रूप से गोता लगा रही है देश का बंटाधार करने वाला बजट पेश किया गया, सिर्फ करप्ट लोगों के लिए व्हाइट मनी करने के तरीके पेश हुए है। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बजट का 10 प्रतिशत हिस्सा आना चाहिए था, ताकि देश के अंदर लोग शिक्षित और विकसित हो सके इसके अलावा 2026 का बजट गांव, किसान और खेती अब सरकार की प्राथमिकताओं से बाहर हैं पहली बार ऐसा बजट, जिसमें किसान का नाम तक नहीं न सिंचाई, न खाद, न खेतिहर मजदूर। भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के अविनाश मिश्रा ने कहा कि यह बजट विकास, रोजगार, बेहतर कनेक्टिवी और आर्थिक स्थिरता के लिए आम जनता के हित में है।

शिक्षक व कवि मनीष मिश्रा ने कहा कि वास्तव में आम बजट के प्रति आम लोगों की उत्सुकता और उत्साह में कमी आ रही है। विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर होने की दृष्टि से तो बजट को सराहा जा सकता है लेकिन निम्न मध्यवर्गीय वर्ग को यह हमेशा की तरह निराश करता है। आम आदमी को शिक्षा और स्वास्थ्य सहजता और सुविधापूर्ण उपलब्ध हो, ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए था। हालांकि दवाइयों के मूल्य में कमी सराहनीय है लेकिन बारहवीं पास करने वाले छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं होनी चाहिए थीं, क्यों कि मंहगी शिक्षा के कारण अनेक मेधावी छात्र अपने सपनों को पूरा करने से वंचित रह जाते हैं। रेल सुविधाओं और जनरल डिब्बों पर पड़ रहे भारी बोझ की ओर सरकार का ध्यान नही गया। फिर भी कुल मिलाकर इसे एक संतुलित बजट कहा जा सकता है।

डा. शीर्षेंदु शील त्रिवेदी विपिन ने कहा कि शिक्षा की दृष्टिकोण से यह बजट अच्छा है क्योंकि इसमें 15000 स्कूलों और 500 कॉलेज में एवीजीसी (AVGC) कंटेंट क्रिएटर लैब नए रचनात्मक करियर के लिए द्वारा खोलेंगी साथ ही पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा। प्रत्येक जिले में एक बालिका छात्रावास सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत का टीसीएस,(TCS) को 5% से घटकर 2% करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ काम होगा। इस लहजे से यह बजट शिक्षा और कौशल क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी बजट है। कर अधिवक्ता रीतेश श्रीवास्तव ने कहा कि आयकर के टैक्स स्लैब व स्टैंर्ड डिडेक्शन में कोई बदलाव न होने से आयकरदाताओं को निराशा हुई है। छोटे टैक्स अपराधों में जुर्माना लगाकर उनका भी निस्तारण किया जाएगा यह एक अच्छी पहल है। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी पूनम तिवारी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई योजनाओं की घोषणा की गई और सुरक्षित माहौल देने पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती करना स्वागत योग्य है। माध्यमिक शिक्षक (एकजुट) के जिलाध्यक्ष सुधीर गंगवार ने कहा कि यह बजट नौकरीपेशा वर्ग की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। बढ़ती महंगाई के बीच आयकर में किसी भी तरह की अतिरिक्त छूट न मिलने से मध्यम वर्ग में निराशा साफ दिखाई दी। हर साल कर्मचारी वर्ग केंद्रीय बजट से राहत की आस लगाए रहता है। वहीं पुरानी पेंशन योजना की बहाली को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे शिक्षक और कर्मचारी इस बजट से विशेष उम्मीद लगाए बैठे थे, परंतु सरकार ने इस दिशा में कोई घोषणा नहीं की। इससे कर्मचारी संगठनों में असंतोष और गहराता दिख रहा है। महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर राहत की कमी ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या यह बजट वास्तव में वेतनभोगी वर्ग की परेशानियों को समझता है।

भाजपा कार्यालय पर बजट का प्रसारण देखते जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन व अन्य।

डा. राजपाल कश्यप।

आशीष कुमार सिंह।

अमलेंद्र त्रिपाठी।

अविनाश मिश्रा।

मनीष मिश्रा।

डा. शीर्षेंदु शील त्रिवेदी।

रीतेश श्रीवास्तव।

पूनम तिवारी।

सुधीर गंगवार।

बजट से किसान निराश, जताया रोष

पिहानी, हरदोई

अमृत विचार। केंद्रीय बजट को लेकर पिहानी क्षेत्र के किसानों में असंतोष देखने को मिल रहा है। पंडरवा किला, देहलिया सहित आसपास के गांवों के किसानों का कहना है कि बजट में कुछ वस्तुओं को सस्ता करने की घोषणा जरूर की गई है, लेकिन खेती से जुड़े मुद्दों पर सरकार की चुप्पी किसानों को खल रही है। किसानों का कहना है कि बजट में दवाइयों और सोलर एनर्जी से जुड़ी सामग्री को सस्ता करने की बात सामने आई है, वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों और मोबाइल जैसे उत्पादों को राहत दी गई है। लेकिन किसान जिन चीजों पर सबसे ज्यादा निर्भर है—डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों पर किसी तरह की राहत नहीं दी गई। वहीं शराब और तंबाकू जैसे उत्पादों को महंगा किया गया है, जबकि खेती की बढ़ती लागत को लेकर बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं दिखा। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला अध्यक्ष राहुल मिश्रा ने कहा कि बजट भाषण में किसानों को सशक्त करने की बात तो कही गई, लेकिन न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कोई स्पष्ट नीति सामने आई और न ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में कोई बढ़ोतरी की गई। किसान यूनियन के युवा नेता मुकीम खान ने बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार हर बार बजट में किसान का नाम जरूर लेती है, लेकिन फैसले ऐसे करती है जैसे खेत और किसान कहीं दूर की चीज हों। उन्होंने कहा कि दवाइयां और मोबाइल सस्ते करना ठीक है, लेकिन जब तक डीजल, खाद और बीज सस्ते नहीं होंगे, तब तक किसान कैसे जिंदा रहेगा। मुकीम खान ने दो टूक कहा कि यह बजट किसानों के लिए राहत नहीं, बल्कि एक बार फिर टालने की नीति साबित हुआ है।

क्या बोले रेलयात्री: रेल बजट को लेकर यात्रियों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, लेकिन कई लोग इसे उम्मीदों से कम बता रहे हैं। रेल यात्री श्रीपाल गुप्ता का कहना है कि इस बार के बजट से बुजुर्ग यात्रियों को काफी उम्मीद थी कि लंबे समय से बंद पड़ी टिकट रियायत फिर से शुरू की जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वहीं रेल यात्री गोपाल वर्मा ने कहा कि हरदोई के लोगों को भी इस बजट से खास उम्मीदें थीं। लंबे समय से वंदे भारत व अमृत भारत जैसी ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा रही है। सांडी-गुरसहायगंज रेललाइन को लेकर भी जानकारी सामने नहीं आई।

दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर ने बंधाया ढांढसः रेल बजट में कोई नई सुविधाओं या सुधार की घोषणाएं भी खास तौर पर सामने नहीं आई हैं। यात्रियों का कहना है कि यदि वृद्धों और नियमित यात्रियों के लिए कुछ राहत या सुविधाओं की घोषणा होती तो बजट को संतोषजनक माना जा सकता था। हालांकि वित्त मंत्री द्वारा दिल्ली से वाराणसी तक कॉरिडोर बनाने की योजना का उल्लेख जरूर किया गया। अगर यह कॉरिडोर हरदोई से होकर गुजरता है, तो यह जनपद के विकास में सहायक साबित हो सकता है। इस योजना से व्यापार, यातायात और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की संभावना है हरदोई के लोग अब रेल प्रशासन और राज्य सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में बजट में स्थानीय जरूरतों व यात्रियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाए जाएं। यह रेल बजट उनके लिए निराशा भरा रहा, खासकर उन बुजुर्ग यात्रियों के लिए, जिनकी लंबे समय से रियायत बहाल होने की प्रतीक्षा थी।

मुकीम खान।

राहुल मिश्रा।

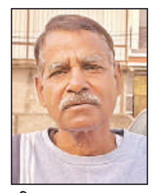
श्रीपाल गुप्ता।

गोपाल वर्मा।

रेल बजट से निराशा

हरदोई, अमृत विचार। आम बजट के साथ रविवार को ही रेल बजट भी पेश किया गया, लेकिन हरदोई के लोगों और यात्रियों की अपेक्षाओं पर यह बजट खरा नहीं उतर सका। खासतौर पर बुजुर्ग यात्रियों को उम्मीद थी कि रेल प्रशासन पिछले वर्षों में बंद की गई रियायत को इस बार पुन: शुरू करेगा, ताकि वृद्ध यात्रियों को यात्रा में राहत मिल सके, लेकिन इस बार रेल बजट में इस दिशा में कोई ठोस निर्णय देखने को नहीं मिला। हरदोई वासियों को यह भी उम्मीद थी कि सांडी-कुरसाहगंज रेल लाइन पर शीघ्र काम की बात बजट में शामिल हो सकती है। वहीं फरुक्खाबाद से हरदोई होते नैमिष रेल लाइन की शुरूआत को लेकर भी लोग आशान्वित थे, लेकिन दोनों ही मामलों में बजट में कोई ठोस घोषणा नहीं हुई, जिससे निराशा हुई।

सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता। अमृत विचार

सनातन धर्म ही भारत का सर्वश्रेष्ठ धर्म

कछौना, हरदोई। कस्बा के जनता इंटर कॉलेज में आयोजित हिंदू सम्मेलन में नैमिष धाम से पधारे मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानंद जी महाराज (आध्यात्म साधना पीठाधीश्वर, नैमिष पंचायती महानिर्माण अखाड़ा) ने अपने सम्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर पूरा देश सनातन धर्म के आयोजन कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, "सनातन धर्म भारत का सर्वश्रेष्ठ धर्म है, जिसमें कोई ऊंच-नीच या आगे-पिछड़े का भेदभाव नहीं है। सभी हिंदू समभाव से रहते हैं और राष्ट्र रक्षा के लिए एकजुट रहें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, सह-प्रांत प्रचारक अवध प्रांत संजय ने बताया कि भारत गुरुओं का देश है। संत शिरोमणि संत रविदास जी का प्राकट्य दिवस इसी की याद दिलाता है, जिन्होंने जीवनभर समाज सुधार में लगे रहे। उन्होंने गुरु को सर्वोपरि बताया और ऊंच-नीच की खाई को पाटने का कार्य किया। विशिष्ट अतिथि परम साध्वी मुमुक्षा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सड़क किनारे मिला मजदूर का शव

अतरौली, हरदोई। रविवार को दोपहर में अतरौली - माल मार्ग नेवादा चौराहा के पास एक शराबी मजदूर का शव सड़क किनारे पड़ा मिला।पुलिस ने मृतक के भतीजे अरविन्द पुत्र राजकुमार की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक की भाभी राजकुमारी ने बताया कि 55 वर्षीय देवर राजू पुत्र मकरंद निवासी ओढ़ा पट्टी भैदा मजरा पीपरगांव मजदूरी करता था। वह शराब का आदी है। रविवार को ओढ़ा पट्टी में 12 बजे शंकर जी के चबूतरा को साफ करके नेवादा गया था, जहां से वापस नही आया। शराब की आदत के चलते 20 वर्ष पहले राजू की पत्नी अपने दो बच्चों को लेकर चली गई थी।

पत्नी से खफा पति ने की खुदकुशी, तोड़ा गया दरवाजा

हरदोई, अमृत विचार। घरेलू बात पर सुबह-सुबह पति-पत्नी के बीच ठन गई,उसी से खफा हुए पति ने कमरें का दरवाज़ा बंद कर अपने गमछे से फांसी लगा ली,इसका पता होने पर पहुंची पुलिस ने दरवाज़े तोड़ कर शव बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया है। बताया गया है कि हरियावां थाने के संधिनावां निवासी 45 वर्षीय धर्मपाल पुत्र साधू पांच भाइयों में बड़ा था,सारे भाई अलग-अलग हैं,धर्मपाल मेहनत-मज़दूरी कर पत्नी सुशीला और हाई स्कूल की पढ़ाई कर रहे इकलौते बेटे अश्वनी के साथ गुज़र-बसर करता था। उसके छोटे भाई नेत्रपाल ने बताया कि रविवार की सुबह घरेलू बात पर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी अश्वनी घर से बाहर गया हुआ था,उसी बीच धर्मपाल कमरें में गया और पत्नी सुशीला काम निपटाने लगी काफी देर से कमरें के दरवाज़े बंद कर सुशीला ने आवाज़ दी उसने अंदर झांका,जहां उसे पति का शव लटका देख कर वह चीख पड़ी। शोर सुनकर पड़ोसी दौड़कर आए।

मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली

संवाददाता हरदोई

अमृत विचार। और तो नहीं लेकिन भैंस चोरी के मामले में पुलिस पूरे एक्शन में दिखाई दे रही है। इसका पता इसी बात से चलता है कि रात के एक बजे सवायजपुर पुलिस को भैंस चोरी की तहरीर देते ही आरटी सेट चिल्लाने लगा,नतीजतन हरपालपुर पुलिस स्वाट/सर्विलांस व एसओजी टीम के साथ न सिर्फ दौड़ पड़ी बल्कि कुछ ही देर में गंगा एक्सप्रेस-वे पर भैंस चोरों को घेर भी लिया,दोनों के बीच मुठभेड़ हुई और गोली लगने से एक व दो भैंस चोरों को दौड़ा दबोच भी लिया,उनके पास से चोरी की भैंस,पिकअप,80 हज़ार रुपये कैश व तमंचे-कारतूस बरामद कर कई चोरियां खोल दी। पुलिस के मुताबिक रविवार की रात एक बजे सवायजपुर पुलिस को पलिया पुर निवासी प्रमोद पुत्र विश्राम ने अपनी भैंस चोरी होने की तहरीर दी,बस उसी पल पुलिस का आरटी सेट से आस-पास थानों की पुलिस अलर्ट हो गई,हरपालपुर पुलिस भी स्वाट/सर्विलांस व एसओजी टीम के साथ भैंस चोरों को ढूंढने निकल पड़ी,उसने गंगा एक्सप्रेस-वे पर जूरी गांव के पास घेराबंदी कर दी,सामने से आ रही पिकअप को रुकने का इशारा किया,लेकिन पिकअप सवार उल्टे पुलिस टीम पर गोली चलाने लगे,पुलिस ने भी गोली चलाई,जिसमें एक चोर दाहिने पैर में गोली लगते ही गिर पड़ा,जबकि दो को दौड़ा कर पकड़ लिया गया। गोली से ज़ख्मी हुए गुलशेर पुत्र टेनी निवासी धुमरी थाना जैथरा ज़िला एटा को हास्पिटल पहुंचाया गया,जबकि धुमरी के ही भोला पुत्र को मिल और फ़िरोज़ाबाद ज़िले के गिरधारी पुत्र दुसौदी निवासी लंगड़ा सुंदर डेरा बंजारा थाना नारकी से पूछताछ की जा रही है। भैंस चोरों के पास से चोरी की भैंस,31 जनवरी को चोरी हुआ पिकअप के अलावा 80 हज़ार रुपये कैश और तमंचे व कारतूस बरामद किए है। पुलिस के मुताबिक चोरों ने हरपालपुर, सवायजपुर, कछौना और लोनार की चोरी करना कुबूल किया है।

मुठभेड़ के बाद घायल को ले जाती पुलिस।

शारदा नहर में मिला युवक का शव

हरदोई, अमृत विचार। दूसरे की बाइक मांग कर ले गया युवक पूरी रात गायब रहा,जबकि बाइक को पुलिस ने उसी रात को बावन वाले शारदा नहर पुल से बरामद कर ली,युवक का शव अगली सुबह वहीं नहर में पड़ा देखा गया। जैसा कि उसके भाई ने कुचला हुआ चेहरा और गर्दन कटी होने से ससुराल वालो.पर हत्या का आरोप लगाया है,लेकिन पुलिस की शुरुआती जांच में हादसा मालूम पड़ रहा है। बताया गया है कि हरियावां थाने के कमालपुर मजरा अरुआ निवासी 20 वर्षीय मनमोहन सिंह पुत्र नन्हे सिंह शनिवार की रात गांव के हरदयाल की बाइक मांग ले गया था,उसके बाद वापस नहीं लौटा,उसी बीच करीब साढ़े 10 बजे हरदयाल को लोनार पुलिस से पता चला कि उसकी बाइक बावन रोड पर शारदा नहर पुल पर लावारिस हालत में खड़ी है,पूछने पर हरदयाल ने पूरी बात बता दी,उसके बाद से मनमोहन की तलाश तलाश होने लगी,रविवार की सुबह पुल के पश्चिमी किनारे नहर में हाथ दिखाई दिए,इसका पता होने पर वहां पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकलवाया,जोकि मनमोहन का था। इसका पता होते ही एएसपी पश्चिमी मार्तण्ड प्रकाश सिंह व सीओ हरपालपुर सत्येंद्र सिंह टीम के साथ पहुंचे और पूछताछ की,इधर मनमोहन के बड़े भाई रोहित सिंह ने मनमोहन का कुचला हुआ चेहरा और किसी धारदार हथियार से कटी हुई गर्दन देख कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। मां सरोज देवी उर्फ मुन्नी ने बताया कि मनमोहन की शादी पिछले साल 2 जून को साण्डी थाने के छिबरामऊ निवासी सत्यपाल की पुत्री खुश्बू के साथ हुई थी। उसने आगे बताया कि खुश्बू तीन महीनें से अपने मायके में ही है,उसके मायके वाले बराबर मनमोहन को मोबाइल पर धमकाया करते थे।

रोज अखबार पढ़ने से बढ़ता है सामान्य ज्ञान

संवाददाता, अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। रविवार को विकास खंड भरावन के गोनी और गोड़वा में नुक्कड़ सभा का आयोजन भाजपा कार्यकर्ता अभिषेक रुहेला, अम्बुज मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा भाजपा नेत्री शिल्पा अग्रवाल नें भाजपा की नीतियों को गिनाते हुए बताया सामाजिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने हर स्कूल में अखबार पढ़ना अनिवार्य किया है। यह हर वर्ग के व्यक्ति के लिए आवश्यक है इससे सामान्य ज्ञान की वृद्धि होती है। पूर्व विधायक राजकुमार अग्रवाल राजिया नें बताया विधायक रहते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर रहे और आगे भी क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा की नीतियों को सुचारु से संचालित करते रहेंगे। नुक्कड़ सभा में भाजपा नेता प्रदीप अग्रवाल, जीतू दीक्षित, विकास अवस्थी, रजत तिवारी, अभिषेक रुहेला सहित दर्जनों क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

भक्तों ने लगाई आस्था की डुबकी

बिलग्राम, हरदोई। रविवार को माघ मेले के अवसर पर बिलग्राम थाना क्षेत्र स्थित राजघाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गंगा स्नान के लिए सुबह से ही श्रद्धालु राजघाट पहुंचने लगे और आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। मेले को लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक सुबोध गौतम के साथ क्षेत्राधिकारी बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह, एसडीएम एन. राम तथा प्रभारी निरीक्षक बिलग्राम अरविंद कुमार राय भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्नान घाट, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था एवं अन्य इंतजामों का निरीक्षण किया।

धूमधाम से मनी संत रविदास जयंती

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सिविल लाइंस स्थित रविदास मंदिर में संत रविदास की जयंती पूरे उल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर सुनीता देवी जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस पूर्व विधानसभा प्रत्याशी गोपामऊ ने कहा कि संत श्री रविदास महाराज जी के बताएं रास्ते पर सबको चलना चाहिए सभी लोगों के साथ सौहार्द बनाकर एकता की साथ कार्य किया जाना चाहिए क्योंकि हमारे पूर्वज संतो ने सभी समाज को सही दिशा निर्देश दिए ताकि देश उन्नत की ओर अग्रसर हो तथा देश में एकता बनी रहे।

सभा में गीता देवी प्रिंसिपल सहायक अध्यापक आसिफ अली देवेंद्र अध्यापक जनता जूनियर हाई स्कूल आदि लोगों ने विचार व्यक्त किया। सभा में भुटटो मियां एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष राम प्रकाश चौधरी, पूर्व प्रधानाध्यापक पूरन, लालपुर अध्यापक सत्य प्रकाश, पूर्व अध्यापक मनोज शुक्ला, लिपिक रविंद्र कुमार गुड्डू, सुमन देवी सहित विद्यालय के बच्चे तथा अभिभावक मौजूद रहे।

संत रविदास मंदिर में पूजन-अर्चन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

यूजीसी को बताया काला कानून, सड़क पर किया प्रदर्शन

आक्रोश

हरपालपुर, हरदोई

अमृत विचार। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी 2026 को काला कानून बताते हुए इसके विरोध में रविवार को हरपालपुर कस्बे में युवाओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला।क्षेत्र के हजारों युवाओ ने कस्बे के तिवारी गेस्ट हाउस में एकत्रित होकर यूजीसी कानून को केंद्र सरकार से वापस लेने की मांग करते हुए कस्बे में प्रदर्शन किया।युवाओ ने कस्बे की बाजार में यूजीसी का विरोध प्रदर्शन करते हुए एक रैली निकालते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी युवाओं ने यूजीसी 2026 को शिक्षा विरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। बताते चलें कि रविवार को यूजीसी कानून 2026 के बिरोध में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हरपालपुर कस्बे की बाजार को बंद कर क्षेत्र के हजारो युवाओ ने प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान युवाओ ने यूजीसी कानून हटाओ,यूजीसी रोल बैक, काला कानून वापस लो लिखी हुई तख्तियां हांथो में पकड़ रखी थी।युवाओ ने तिवारी गेस्ट हाउस में एकत्रित होकर यूजीसी कानून के बारे में सरकार की जमकर अलोचना की।इसके उपरांत सड़क पर आकर प्रदर्शन किया।यूजीसी कानून के बिरोध में प्रदर्शन कारियों ने कस्बे की बाजार बंद करते हुए ककरा तिराहे तक प्रदर्शन किया। हाथों में नारे लिखी तख्तियां लिए छात्र "यूजीसी 2026 वापस लो", "सवर्ण विरोधी कानून नहीं चलेगा", "शिक्षा का बाजारीकरण बंद करो" जैसे नारे लगाते हुए आगे बढ़े।प्रदर्शन के दौरान पूरा क्षेत्र नारेबाजी से गूंज उठा और माहौल पूरी तरह आक्रोशपूर्ण नजर आया।प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने आरोप लगाया कि यूजीसी 2026 के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को पूंजीपतियों के हाथों में सौंपने की साजिश की जा रही है।

युवाओं का कहना था कि नए प्रावधानों से गरीब, मध्यम वर्ग और ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुंच और भी कठिन हो जाएगी। उन्होंने इसे युवाओं के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ बताया।इस दौरान यूजीसी कानून व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा को रोजगार से जोड़ने के बजाय उसे व्यवसाय बना रही है।

प्रदर्शन करते लोग। अमृत विचार

प्रदर्शनकारियों ने पीएम को भेजा ज्ञापन

हरपालपुर कस्बे में रविवार को यूजीसी के नए नियमों को लेकर युवाओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। युवाओं ने गेस्ट हाउस में बैठक करने के बाद पलिया तिराहे से लेकर ककरा तिराहे तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान युवाओं ने केंद्र सरकार और यूजीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पैदल मार्च करते हुए युवाओं का हुजूम ककरा तिराहे पर पहुंचा, जहां वे धरने पर बैठ गए। युवाओं का कहना है कि यूजीसी द्वारा साल 2026 में लागू किए गए 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी' नियम भेदभावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इन नियमों में सामान्य वर्ग के छात्रों की सुरक्षा को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है और इनकी परिभाषाएं इतनी उलझी हुई हैं कि भविष्य में इनका दुरुपयोग हो सकता है। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार देशराज गौड़ को युवाओं ने डॉक्टर रजनीश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

सम्मेलन को संबोधित करते बलराम यादव। अमृत विचार

एकता की अखंडता को बनाये रखना ही हिंदू सम्मेलन का उद्देश्य: संघ क्षेत्र प्रमुख

संवाददाता, अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। रविवार को विकास खंड भरावन के रामपुर भटपुर में राधा कृष्ण मन्दिर के प्रांगण में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया। हिन्दू सम्मेलन का आयोजन एडवोकेट बलराम यादव ने किया। संघ के क्षेत्र सामाजिक समरसता प्रमुख नरेंद्र ने सम्बोधित करते हुए बताया हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य अलगावाद से बचे एकता की अखंडता बनाये रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव नें बताया जातिवाद को मिटाकर एकता का सन्देश प्रमुखता से देना यही हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य है। हिन्दू सम्मेलन के कार्यक्रम में संघ के तीर्थ राज, डॉ. बृजमोहन प्रदीप मिश्रा नें मंच से सम्बोधित किया। हिन्दू सम्मेलन में संडीला विधायक अलका अर्कवंशी, रामस्वरूप, कृष्णा तिवारी, मकरन्द सिंह, सोबरन अवस्थी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

साहू समाज की बैठक में मां कर्मा बाई जयंती पर हुई चर्चा

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार : रविवार को ऋषि नगर स्थित अध्यक्ष सुनील साहू के निवास पर साहू समाज की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मां कर्मा बाई जी की जयंती मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर रामजी गुप्ता ने बताया कि होली मिलन समारोह के दौरान समाज के शिक्षित व योग्य युवाओं के साथ बुजुर्गों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई। बैठक में अजय साहू, रामकरण साहू, जयपाल साहू, कैलाश साहू, रोहित साहू, मोनू साबू, महेश गुप्ता, अनिल साहू, फरीराम साहू सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सड़क हादसे में विक्षिप्त युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर रविवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। नवाबगंज कस्बे के पास नहर मोड़ पर एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे युवक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार सुबह जब कोहरे और धुंध के बीच तेज रफ्तार वाहन ने युवक को अपनी चपेट में ले लिया। वाहन चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर जांच कर शव को कब्जे में लिया। नवाबगंज चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतक युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत हो रहा था, जिसे पिछले कुछ दिनों से राजमार्ग के आसपास घूमते हुए देखा गया था।

माघ पूर्णिमा पर हर-हर गंगे के उद्घोष से गूंज उठे गंगा तट

प्रातःकाल से ही घाटों पर उमड़ पड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, तटों व घरों में सत्यनारायण की कथा सुनी गई, दान-दक्षिणा देकर आस्थावानों ने कमाया पुण्य

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः माघ पूर्णिमा के दौरान रविवार को गंगा तटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने पतित पावनी मां गंगा में डुबकी लगा कर तटों पर भगवान सत्यनारायन की कथा सुनी। वहीं घरों और मंदिरों में भी भगवान विष्णु की पूजा व कथा का श्रवण किया गया। सुबह से लेकर दोपहर बाद तक गंगा तटों पर हर हर गंगे के उद्घोष से गुजते रहे।

गंगा स्नान के दौरान उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। ● अमृत विचार

माघ मास की पूर्णिमा स्नान के दौरान नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में नगर के आनंद घाट और जाजमऊ चंदन घाट में स्नानर्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। कुछ श्रद्धालु एक दिन पहले से ही गंगाघाट क्षेत्र आ गये और रात को ही स्नान करने के लिये घाटों पर आ गये थे लेकिन तड़के पांच बजे से ही घाटों पर स्नान का क्रम शुरू हो गया जो दोपहर तक चलता रहा। माघ पूर्णिमा के अवसर पर गंगा तटों पर श्रद्धालुओं ने भागवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। इसलिये घरों में भी प्रभु सत्यनारायण की कथा सुनी गई। गंगा के तटों पर भी कथा सुनने वालों की भीड़ लगी रही। माघ पूर्णिमा कि मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल जाती है। माघ पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु और हनुमान जी की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं सुरक्षा को लेकर घाटों पर पुलिस फोर्स तैनात रहा। वहीं कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह भी मौजूद रहे। इसके साथ ही नावें, नाविक और गोताखोर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात रहे।

माघ पूर्णिमा पर नानामऊ गंगा तट पर हजारों ने लगाई आस्था की डुबकी

बांगरमऊ : माघ पूर्णिमा के पावन पर्व पर रविवार को नानामऊ गंगा तट पर श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। भीषण शीतलहर के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं ने मां गंगा की पावन धारा में आस्था की डुबकी लगाई और पूजन-अर्चन किया। क्षेत्र में यह मान्यता है कि जहा कार्तिक पूर्णिमा पर बिठूर घाट का महत्व है, वहीं माघ पूर्णिमा पर स्नान और दान के लिए नानामऊ गंगा घाट का विशेष स्थान है। तड़के से ही कानपुर, हरदोई और लखनऊ समेत कई जिलों से श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। गंगा स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने तट पर ही श्री सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण किया और अपनी सामर्थ्य अनुसार अन्न व धन का दान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मेले का मुख्य आकर्षण गंगा की रेती पर श्रद्धालुओं द्वारा बनाया गया पारंपरिक भोजन रहा। दूर-दराज से आए परिवारों ने गोबर के कंडों की आग सुलगाकर चोखा-बाटी, खिचड़ी और तहरी तैयार की। भगवान को भोग लगाने के बाद सभी ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया, जिससे पूरा तट एक उत्सव के माहौल में रंगा नजर आया। गंगा तट पर आयोजित मेले में बच्चों ने चाट-पकौड़ों और झूलों का आनंद लिया, तो वहीं महिलाओं ने श्रृंगार सामग्री की जमकर खरीदारी की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अखिलेश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में पुलिस बल चप्पे-चप्पे पर तैनात रहा। तहसील प्रशासन ने करीब एक दर्जन राजस्व कर्मियों को व्यवस्था संभालने के लिए तैनात किया।

सड़क हादसे में दो की मौत व पांच घायल

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

● **दो ट्रकों के बीच पिसी ईको कार फंसना बना हादसे की वजह**

अमृत विचारः अजगैन थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिचपरी गांव के पास लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर अयोध्या से दर्शन कर मथुरा लौट रहे श्रद्धालुओं की ईको कार दो ट्रकों के बीच फंस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि 10 फीट लंबी कार सिमट कर महज 2 फीट के लोहे के मलबे में तब्दील हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो मासूम बच्चों और एक महिला समेत 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं इलाज के दौरान एक बच्चे की भी मौत हो गई।

मथुरा जिले के थाना गोवर्धन के ग्राम अडींग निवासी खजेन्द्र पंडित (40) अपने साथियों और परिजनों के साथ 29 जनवरी को प्रयागराज और अयोध्या दर्शन के लिए निकले थे। 31 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्री राम के दर्शन करने के बाद सभी ईको कार से वापस मथुरा लौट रहे थे। हादसा उस वक्त हुआ जब बिचपरी गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से ईको कार पीछे से टकरा गई। अभी चालक कुछ संभल पाता, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। दो ट्रकों के बीच दबने से कार पूरी तरह पिचक गई। मौके पर पहुंचे लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पास के गैराज से कटर और औजार मंगाकर कार की बॉडी को कटवाया, जिसके बाद करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला जा सका। हादसे के बाद सभी को सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने खजेन्द्र पंडित को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अन्य घायलों निशा देवी, मासूम जितेन्द्र (9), पूनम (12), राजा पचौरी, शंकर सैनी और चालक ओमप्रकाश को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। फिर वहां से कानपुर के हैलेट अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां महिला और दोनों बच्चों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इलाज के दौरान जितेन्द्र की भी मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों ट्रक चालक मौके से भाग निकले। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गोपीनाथपुरम के सामने रविवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अप लाइन पर पोल संख्या 66/11 और 66/13 के बीच करीब 22 वर्षीय युवक का शव पेट्रोलिंग कर रहे प्वाइंटमैन आदित्य ने देखा। उन्होंने इसकी सूचना गंगाघाट रेलवे स्टेशन मास्टर और आरपीएफ को दी। आरपीएफ ने मेमो के माध्यम से गंगाघाट कोतवाली पुलिस को अवगत कराया। सूचना पर पश्चिमी चौकी इंचार्ज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने से पूर्व 72 घंटे तक पहचान के इंतजार में उन्नाव मोर्चरी में रखवाया है।

नेपाल से मुंबई तक के क्रिएटर्स का संगम

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचारः शहर के एक होटल में रविवार को टर्बो इवेंट्स की ओर से आयोजित टॉप 25 नेशनल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एंड क्रिएटर्स अवार्ड 2026 में देश के विभिन्न राज्यों और शहरों से आए प्रतिभाशाली डिजिटल क्रिएटर्स को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भानु मिश्रा एवं कार्यक्रम संरक्षक शैलेन्द्र शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिसके बाद मंच पर प्रतिभाओं के सम्मान का सिलसिला शुरू हुआ। समारोह में मनोरंजन, फिटनेस और सोशल अवेयरनेस जैसे क्षेत्रों में प्रभाव डालने वाले क्रिएटर्स को नवाजा गया। नेपाल से सोनी राणा और मुंबई से निर्भय शुक्ला आकर्षण का केंद्र रहे। लखीमपुर से जूनियर ऋषि कपूर, लखनऊ से प्रहलाद जैक्स, एंकर ज़ैन, एलेक्स जुहैब, शिवम कुमार और मशहूर ज़ोमैटो वाला शायर व चाय वाला शायर को सम्मानित किया गया। कानपुर से फिटनेस सेलिब्रिटी करण कपूर, डॉ. मीत कमल और उन्नाव से रुचि सिंह, रौनक तिवारी, आरजे कामरान, पुनीत शुक्ला अवधि पॉडकास्ट एवं गंगा पारी बकैत टीम सेवेंजर्स को बेस्ट इन्फ्लुएंसर अवार्ड से नवाजा गया।

परिचय : कार्यक्रम में सम्मानित हुए क्रिएटर्स के साथ आयोजक। ● अमृत विचार

● **सोशल मीडिया के दिग्गजों का किया गया सम्मान**

हाईकोर्ट के आदेश पर संग्रह अमीन को मिलेगी पेंशन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : सदर तहसील से वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त हुए संग्रह अमीन दिलीप कुमार अवस्थी को पेंशन भुगतान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने उनके पेंशन भुगतान के आदेश जारी कर दिए हैं। राजकीय पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स संघर्ष समिति के संरक्षक के.के. मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दो सप्ताह के भीतर दिलीप कुमार अवस्थी के खाते में पेंशन की धनराशि पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार तहसील सफीपुर के संग्रह अमीन की वर्ष 2012 में सेवारत मृत्यु के बाद उनकी पत्नी रजनी गौड़ को पारिवारिक पेंशन नहीं मिल पा रही थी। इस मामले में उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका पर आदेश मिलने के बाद कुछ माह पूर्व जिलाधिकारी के निर्देश पर उन्हें भी पारिवारिक पेंशन उपलब्ध करा दी गई है। के.के. मिश्रा ने बताया कि जनपद में सेवानिवृत्त अथवा मृत संग्रह अमीनों एवं संग्रह अनुसेवकों को पेंशन न मिलने के प्रकरणों की जांच के लिए जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी कृति राज की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की है। समिति से 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसकी दो बैठकें 21 और 27 जनवरी को हो चुकी हैं। जिलाधिकारी की इस पहल से जनपद के पेंशनरों में खुशी का माहौल है और उनके प्रति सम्मान की भावना बढ़ी है।

पीडी नगर में दो सड़कों का लोकार्पण

उन्नाव, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद् द्वारा रविवार को वार्ड 18 पीडी नगर में दो विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद नवनिर्मित नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़कों का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया। लोकार्पण कार्यक्रम के पहले चरण में पीडी नगर स्थित पॉवर हाउस के सामने दुर्गेश ट्रेडिंग से सौरभ पटेल के आवास तक नवनिर्मित इंटरलॉकिंग सड़क व नाली का उद्घाटन किया गया। लंबे समय से क्षेत्रवासी इस मार्ग की बदहाली से परेशान थे। वही दूसरे में अन्नू सिंह के आवास से आशु सिंह के आवास होते हुए चौहान ट्रेडर्स तक नवनिर्मित मार्ग का लोकार्पण हुआ। अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा नगर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी ढांचा मजबूत करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम जनहित के कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

रविदास जयंती पर जगह-जगह हुए कार्यक्रम

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः रविवार को संत शिरोमणि रविदास की 649वीं जयंती नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में मनाई गई। इसके साथ ही पंचशील बौद्ध विहार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके बाद प्रसाद बांटा गया। इसके साथ ही रविदास पार्क में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पंचशील बौद्ध विहार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूरन दादा ने रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ ही माल्यार्पण कर पूजा वंदना की। इस दौरान समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र गौतम ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने दलितों के प्रति समाज की विचारधारा को बदलने की दिशा में जो कार्य किया उसी की वजह से आज दलितों को समाज में स्थान मिला है। उनके कहे वचन 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। वहीं तहरी वितरण भी किया गया। इसके साथ ही इंद्रा नगर में रविदास पार्क स्थित रविदास जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये गये। जिसके बाद खीर का प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर संतराम, रमाकांत, पुत्तन लाल, अमन गौतम, मुकेश गौतम, केडी बाबू, देवीचरण, एमएल कुरील, श्याम बिहारी, अजय पाल, रेखा गौतम, मालती गौतम, राजकुमारी गौतम, माधुरी, संगम देवी मौजूद रहे।

रविदास जयंती पर माल्यार्पण संस्थान के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

'दीप-मन की देहरी पर' पुस्तक का विमोचन

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार : रविवार को गंगा नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में कवयित्री दीपिका पटेल के काव्य संग्रह 'दीप-मन की देहरी पर' का भव्य विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दीपिका पटेल एवं रवि वर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस अनुराग पटेल (कानपुर नगर) ने अध्यक्ष व विशिष्ट अतिथियों के साथ पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार ने की। विशिष्ट अतिथियों में राम सुमेर सिंह एडवोकेट (पूर्व अध्यक्ष, उन्नाव बार एसोसिएशन), डॉ. राजीव मिश्रा (संपादक व कवि), मदन सिंह, मुख्य वक्ता डॉ. अनुपम सिंह, कवि अनिल वर्मा, डॉ. रामनरेश व आदित्य कटियार शामिल रहे। लेखिका ने कहा कि पुस्तकें समाज में ज्ञान व विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम हैं। डॉ. राजीव मिश्रा ने काव्य पाठ से समां बांधा। संचालन साहिल ने प्रभावी ढंग से किया। समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि।

हनुमंत धाम में सवामनी हवनोत्सव में झूमे भक्त

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार : पोनी रोड श्रीनगर स्थित उच्च प्राथमिक जूनियर स्कूल रामलीला मैदान के पास बने हनुमंत धाम श्री संकट मोचन बालाजी मंदिर में रविवार को सवामनी हवनोत्सव एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और बाबा बालाजी का मनमोहक श्रृंगार किया गया। दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में 25 जनवरी से चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों के क्रम में रविवार को विशेष पूजन, हवन और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ भजनों पर झूमते हुए बाबा के जयकारे लगाए। सुबह 11 बजे से हवन एवं सुंदरकांड पाठ संपन्न हुआ, जबकि शाम को आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान विनोद महाराज, पुरुषोत्तम अवस्थी, राजकुमार अवस्थी, राजकुमार निषाद, श्रीकांत पांडेय, शिवम सिंह, अनुराग बाजपेई, पप्पू सोनकर, संजय पांडेय, मोनू पांडेय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

सजाया गया बाबा का दरबार। ● अमृत विचार

34 केंद्रों पर हुईं इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की इंटरमीडिएट कक्षाओं की प्रयोगात्मक परीक्षाएं रविवार को जनपद के 34 इंटर कॉलेजों में संपन्न हुईं। वहीं 178 विद्यालयों में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल सहित अन्य विषयों की सभी प्रयोगात्मक परीक्षाएं पूरी कर ली गईं।

जनपद के कुल 208 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षाएं निर्धारित थीं। इनमें भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल, व्यावसायिक ट्रेड व सिलाई आदि विषय शामिल रहे। कंट्रोल प्रभारी रामचंद्र सिंह ने बताया कि 34 केंद्रों पर रविवार को परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं, जबकि 30 केंद्र ऐसे हैं जहां कुछ विषयों की परीक्षाएं अभी शेष हैं। गृह विज्ञान के परीक्षक के अनुपस्थित रहने के कारण कई विद्यालयों में परीक्षा नहीं हो सकी। संबंधित प्रधानाचार्यों ने बताया कि परीक्षकों से संपर्क का प्रयास किया जा रहा है। कुछ परीक्षक अन्य विद्यालयों में परीक्षा ले रहे हैं, जहां से कार्य समाप्त होने के बाद वे शेष विद्यालयों में पहुंचेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम के प्रभारी ने बताया कि बोर्ड सचिव द्वारा फरवरी के प्रथम सप्ताह तक सभी प्रयोगात्मक परीक्षाएं पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। शेष विद्यालयों में जल्द परीक्षाएं संपन्न कराई जाएंगी।

कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों से जानकारी लेते शिक्षक।

● **208 विद्यालयों में से 178 विद्यालयों में हो गई संपूर्ण विषय की प्रयोगात्मक परीक्षाएं**

मेडिकल कॉलेज में दाखिले को जेल अधीक्षक से 50 लाख ठगे

● **शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की कार्रवाई**

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : बेटी को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। उन्नाव के जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह से कथित काउंसलिंग एजेंसी संचालकों ने लगभग 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। अधीक्षक की शिकायत पर सदर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। पीड़ित के अनुसार उन्होंने अपनी बेटी के नीट काउंसलिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए जस्ट डायल के जरिए एक स्टडी कंसल्टेंसी से संपर्क किया था। एजेंसी संचालक ने बाराबंकी स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने का भरोसा दिलाया। इसी के एवज में किस्तों में बड़ी धनराशि ले ली। बताया गया कि अलग-अलग तिथियों में बैंक ड्राफ्ट व आरटीजीएस से 50 लाख रुपये का भुगतान किया गया। कुछ समय बाद जब पीड़ित ने प्रवेश की स्थिति जानने के लिए संपर्क किया तो संबंधित लोगों के फोन बंद मिले। इसके बाद लखनऊ स्थित बताया गया कार्यालय भी बंद मिला। बाद में खुलासा हुआ कि संबंधित व्यक्ति एक संगठित ठग गिरोह के सदस्य हैं। इसके विरुद्ध विभिन्न जिलों में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोप है कि फर्जी कार्यालय और बैंक खातों के माध्यम से लोगों को गुमराह कर ठगी की जाती थी। सदर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राजकीय वाहन चालक संघ उन्नाव की नई कार्यकारिणी घोषित

उन्नाव, अमृत विचारः राजकीय वाहन चालक संघ चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण जनपद शाखा का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव रविवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के बाद सर्वसम्मति से विजयकान्त शुक्ला को जिला अध्यक्ष और इन्द्रेन्द्र कुमार को जिला मंत्री चुना गया है। अधिवेशन को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजयकान्त शुक्ला ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों के हितों की रक्षा करना और विभाग के साथ सामंजस्य बिठाकर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराना होगा। उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। चुनाव अधिकारियों द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार, मोहम्मद महमूद को संरक्षक, मुंशीलाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा राकेश कुमार सिंह को जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अन्य पदाधिकारियों में रत्नेश कुमार संगठन मंत्री, रहीस संयुक्त मंत्री, मुनेश्वर प्रचार मंत्री, मनोज कुमार कोषाध्यक्ष, विनोद कुमार वरिष्ठ ऑडिटर और राजू को ऑडिटर के रूप में चुना गया है।

भंडारे के साथ श्री सहस्त्र चंडी महायज्ञ और भागवत कथा का समापन

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : पोनी रोड श्रीनगर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित 17वें श्री सहस्त्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को विधि-विधान के साथ समापन हो गया। श्री भगवती यज्ञ सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे इस धार्मिक आयोजन में सुबह यज्ञ वेदियों में आहुतियां दी गईं और पूर्णाहुति के साथ जनकल्याण की कामना की गई। इसके बाद कन्या पूजन किया गया तथा विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे में आसपास के क्षेत्र के लोगों सहित राहगीरों ने भी पूड़ी-सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर यज्ञ यजमान राजेश बाजपेई, सुरेश दीक्षित, राजकुमार अग्रवाल, निर्भय मिश्रा, उमेश त्रिपाठी, सुरेश शुक्ला, हरीशंकर शुक्ला, उमेश तिवारी, अशोक कुमार दुबे, विनय तिवारी, भरत भुवनेश तिवारी, अनिल अवस्थी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कथा स्थल पर होता श्री सहस्त्र चंडी महायज्ञ।

आम बजट

सभी वर्ग को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया केन्द्रीय बजट

किसानों व व्यापारियों को राहत, विपक्ष बोला- हवाहवाई

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 9वें बजट में हर वर्ग को ध्यान में रखते हुये अनेक घोषणाएं की है। जिसमें युवाओं को रोजगार, किसानों के हित की योजनाएं, महिलाओं व सीनियर सिटीजन के लिए अनेक योजनाओं का ऐलान किए गए। बजट को दूरदर्शी सोच बताया गया, इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, आत्मनिर्भर भारत और तकनीकी सशक्तिकरण के साथ ही एआई को प्रमुखता दी गई है। आपके अपने अखबार अमृत विचार ने नगर के व्यापारी और आम लोगों से राय जानी। जिस पर व्यापारियों ने बजट को राहत भरा बताया। इसके साथ ही किसानों के लिये कई योजनाएं चालू की गई हैं। जिससे किसानों को राहत मिलेंगी। इसके साथ ही कैंसर की दवाइयों में भी कस्टम ड्यूटी घटने से इलाज कराने वालों को कुछ राहत मिलेगी। वहीं विपक्ष ने बजट को लॉलीपॉप बताया है। क्योंकि इस बजट से छोटे व्यापारी संतुष्ट दिखे। वहीं बड़े व्यापारियां को राहत न मिलने से बजट को हवा हवाई बताया। वहीं सपा, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सिर्फ लोगों को भ्रम में रखकर अपना बजट पेश किया है।

बजट पर व्यापारियों और लोगों ने दी अपनी प्रतिक्रियाएं

बजट में आम लोगों के लिये कुछ नहीं है, यह बजट सिर्फ हवा हवाई है। जिससे लोगों को बजट में कुछ नहीं मिला और आम जनमानस विरोधी है यह बजट किसानों को उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य कैसे मिले, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नये चिकित्सा शिक्षा शोध कैसे होंगे।

वीरेन्द्र शुक्ला समाजसेवी

अमरेन्द्र गुप्ता भाजपा नेता

सभी वर्गों को बजट में राहत दी गई है। अगर बजट को अमलीजामा पहनाया गया तो लोगों के हित में होगा। सरकार ने हर वर्ग के लोगों का ध्यान रखते हुये बजट पेश किया है। जिससे लोगों को योजनाओं का लाभ मिलेगा।

हमेशा की तरह इस बार भी बजट निराशाजनक रहा, पहले ही दिन शेयर बाजार धड़ाम से गिर गया, मजदूर, छोटा दुकानदार, अपने लिए मिली राहत को दूरबीन लेकर भी नहीं ढूंढ पा रहा, उच्च शिक्षा का बजट पहले टोटल बजट का 2.5 प्रतिशत था जिसे घटा कर 0.9 प्रतिशत कर दिया, आज का बजट सिर्फ भ्रमित बयानबाज़ी, और बौद्धिक बतोलेबाजी का रहा।

शुभ गुप्ता, जिला सचिव समाजवादी पार्टी

बाइक हटाने के विवाद में अधेड़ को मारी गोली

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की जाजमऊ चौकी अंतर्गत कल्लू पुरवा निवासी ओम प्रकाश (50) पुत्र बुद्धिलाल रविवार रात को अपने बेटे के साथ ससुराल से बहू को विदा कराने जा रहे थे। गांव के पास स्थित चौराहे पर कुछ युवक सड़क के बीच बाइक खड़ी कर नशेबाजी करते हुए हंगामा कर रहे थे। ओम प्रकाश द्वारा युवकों से बाइक किनारे हटाने को कहने पर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर युवकों ने अचानक फायरिंग कर दी। गोली ओम प्रकाश के गले और कंधे को छूते हुए निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम आशीष कुमार कश्यप पुत्र छोटे लाल कश्यप है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स मे मेरा नाम आशीष कुमार पुत्र छोटे लाल अंकित हो गया है जो कि गलत है भविष्य मे मुझको मेरे सही नाम आशीष कुमार कश्यप पुत्र छोटे लाल कश्यप के नाम से जाना व पहचाना जाये। आशीष कुमार कश्यप पुत्र छोटे लाल कश्यप निवासी मकान नम्बर 8/286. सीताराम कालोनी, शुक्लागंज जिला उन्नाव-209861

सपने को साकार होने से रोकने वाली एकमात्र चीज है–असफलता का भय।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

संप्रभुता पर सख्त

देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा यह स्पष्ट कहना कि तथाकथित 'चिकन नेक' भारत की भूमि है और इस पर कोई हाथ नहीं लगा सकता, वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक गंभीर रणनीतिक संकेत है। बयान बताता है कि केंद्र सरकार 22 किलोमीटर चौड़ी सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर अत्यंत सतर्क और इसकी रक्षा के लिS आक्रामक रुख रखती है। 'चिकन नेक' पूर्वोत्तर भारत को शेष देश से जोड़ने वाली एकमात्र स्थलीय कड़ी है। इसके पश्चिम में नेपाल, पूर्व में बांग्लादेश और उत्तर में भूटान तथा चीन का प्रभाव क्षेत्र है। यदि इस संकरी पट्टी की सुरक्षा में कोई व्यवधान आता है, तो आठ पूर्वोत्तर राज्यों की भौगोलिक और सामरिक निरंतरता पर प्रत्यक्ष असर पड़ सकता है। इस दृष्टि से इसे रणनीतिक संप्रभुता का मामला माना जाना चाहिए।

गृहमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि दिल्ली में कुछ तत्वों ने इस कॉरिडोर को 'काट देने' जैसे नारे लगाए थे। उनके बयान पर केंद्र की कड़ी प्रतिक्रिया यह संदेश देती है कि राष्ट्रीय एकता और भौगोलिक अखंडता पर कोई भी सार्वजनिक उकसावा अब सहन नहीं किया जाएगा और राजनीतिक विमर्श की आड़ में सामरिक संवेदनशीलता को हल्के में लेने वालों के साथ सख्त रवैया अपनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में सरकार बनते ही सीमा पर बाड़ लगाने की घोषणा भी इसी व्यापक सुरक्षा दृष्टिकोण का हिस्सा है। जहां भूमि संबंधी विवाद हैं, वहां केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है, हलांकि केवल भूमि का मुद्दा ही बाधा नहीं है; तकनीकी सर्वेक्षण, सीमा निर्धारण के अंतर्राष्ट्रीय समझौते और स्थानीय विरोध भी प्रक्रिया को धीमा करते हैं। असल में सीमा प्रबंधन में भूमि अधिग्रहण, स्थानीय प्रशासन का सहयोग, पर्यावरणीय स्वीकृतियां तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा प्रोटोकॉल जैसे जटिल पहलू शामिल होते हैं। कई स्थानों पर राज्य सरकारों द्वारा भूमि उपलब्ध कराने में देरी एक व्यावहारिक बाधा रही है, पर यह पूरी कहानी नहीं है। नदियां, आबादी का घनत्व, तस्करी की चुनौतियां और सीमा पर रहने वाले नागरिकों के आजीविका संबंधी प्रश्न भी बाड़बंदी को जटिल बनाते हैं। इसलिए दूसरी सीमाओं, विशेषकर कुछ हिस्सों में भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा पर भी पूर्ण बाड़बंदी अभी बाकी है।

भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में नहीं आती तो भी बाड़ तो लगेगी, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा किसी एक दल के शासन पर निर्भर नहीं हो सकती। संवैधानिक ढांचे के भीतर केंद्र सरकार के पास सीमा सुरक्षा के पर्याप्त अधिकार हैं। किंतु प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार का सहयोग अनिवार्य होता है। बेहतर समाधान यह होगा कि इसे चुनावी मुद्दा बनाने के बजाय सर्वदलीय सहमति और केंद्र–राज्य समन्वय के जरिए आगे बढ़ाया जाए। गृहमंत्री का बयान केवल चुनावी आरोप-प्रत्यारोप नहीं माना जाना चाहिए। यह उस बदलते सुरक्षा वातावरण की स्वीकृति है, जिसमें हाइब्रिड युद्ध, सूचना युद्ध और आंतरिक अस्थिरता के प्रयास समान रूप से गंभीर खतरे हैं। 'चिकन नेक' केवल एक भूगोल नहीं, भारत की पूर्वोत्तर नीति, 'एक्ट ईस्ट' रणनीति और सामरिक आत्मविश्वास का प्रतीक है, इसलिए इस मुद्दे को राजनीतिक शोर से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय सुरक्षा के ठोस, संस्थागत और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना समय की मांग है।

प्रसंगवश

एक संन्यासी ने हजारों आंखों में भर दी रोशनी

पंजाब के एक छोटे से गांव से निकले एक साधारण युवक ने संन्यास का मार्ग चुना और राजस्थान में पहुंच कर भक्ति के साथ जन सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। उसने अपने तप, त्याग व करुणा से हजारों लोगों की जिंदगी में उजाला भर दिया। वह युवक संत स्वामी ब्रह्मदेव के नाम से जाना जाता है। गणतंत्र दिवस पर केंद्र सरकार ने उन्हें पदमश्री प्रदान देने की घोषणा की है। उन्हें यह सम्मान देने की घोषणा केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं बल्कि उस विचारधारा पर मुहर है, जिसमें सेवा को साधना और मानवता को धर्म माना जाता है।

पंजाब के मोगा जिले की निहाल सिंह वाला तहसील में एक छोटा सा गांव है- रौंता। इस गांव से एक दिन एक युवक निकला, लेकिन उसने दुनिया से कुछ पाने का नहीं बल्कि दुनिया को कुछ लौटाने का रास्ता चुना। यह युवक आगे चलकर स्वामी ब्रह्मदेव के नाम से विख्यात हुआ। स्वामी ब्रह्मदेव ने संन्यास लिया, लेकिन समाज से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने पीड़ित मानवता की पीड़ा को देखा। उन्होंने 1963 में जब अमृतसर में श्री दुर्ग्याना मंदिर में अंध विद्यालय को देखा तो ऐसा ही कोई काम करने का संकल्प किया।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

अपनी शिक्षा पूर्ण कर वह 1978 में राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक मंदिर में आए। यहीं से शुरू हुई श्री जगदंबा अंध विद्यालय की कहानी। शुरुआत बहुत साधारण थी। कोई बड़ी इमारत नहीं, कोई सरकारी मदद नहीं। थे तो बस कुछ अच्छे लोग और स्वामी जी का अटूट भरोसा। जन सहयोग से रोपा गया एक छोटा सा पौधा। किसी ने नहीं सोचा था कि यही पौधा एक दिन वटवृक्ष बन जाएगा।

वर्ष 1980 में उन्होंने जगदंबा अंध विद्यालय की आधारशिला रखी। जगदंबा अंध विद्यालय की शुरुआत केवल एक बच्चे और एक शिक्षक के साथ हुई थी, लेकिन आज वह वटवृक्ष बन चुका है। बीते साढ़े चार दशकों में उन्होंने सात हजार से ज्यादा दृष्टिबाधित बच्चों को शिक्षित किया है। मूक-बधिर बच्चों के लिए चार दशक से स्कूल भी चल रहा है। स्वामी ब्रह्मदेव ने बच्चों को सिर्फ पढ़ाया नहीं, बल्कि उन्हें जीना भी सिखाया। नेत्रहीन और मूक-बधिर बच्चों के हाथ में हुनर दिया, साथ में आत्म विश्वास भी दिया। आज उस विद्यालय से पढ़े अनेक बच्चे अपने पैरों पर खड़े हैं।

स्वामी जी यहीं नहीं रुके। उन्होंने देखा कि बहुत से लोग ऐसे हैं, जो जन्म से अंधे नहीं हैं, बस आर्थिक संकट के कारण इलाज नहीं करा पाए। यहीं से शुरू हुआ मोतियाबिंद ऑपरेशन का काम। वर्ष 1993 में स्थापित श्री जगदंबा आई हॉस्पीटल में अब तक साढ़े चार लाख से ज्यादा जरूरतमंद लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई जा चुकी है। साढ़े चार लाख का यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं है। यह साढ़े चार लाख घरों में लौटी उम्मीद है। स्वामी ब्रह्मदेव ने समाज को एक और गहरी बात सिखाई है, वह है मरणोपरांत नेत्रदान। उन्होंने लोगों को समझाया कि मौत के बाद भी किसी की जिंदगी रोशन की जा सकती है। धीरे-धीरे यह बात लोगों के दिलों में उतरती गई। सालों से संस्था के जरिए नेत्रदान करा कर जरूरतमंदों को नेत्र प्रत्यारोपित किए जाते हैं।

स्वामी ब्रह्मदेव का जीवन दिखावे से दूर रहा है। वह कथा-कीर्तन करते हैं, चढ़ावे में आया धन सेवा में लगा देते हैं। न कोई शोर, न कोई प्रचार। वही सादा वेश, वही सरल बोलचाल। वे खुद संस्था में मौजूद रहते हैं, काम देखते हैं, लोगों से मिलते हैं। उनके लिए सेवा कोई परियोजना नहीं है, जीवन का स्वभाव है। पदमश्री मिलने के बाद भी उन्होंने श्रेय खुद नहीं लिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रभु की कृपा और जनता के निःस्वार्थ सहयोग का प्रतिफल है।

आम बजट 2026 विकास व अनुशासन का संतुलन

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

केंद्रीय बजट 2026-27 केवल सरकार का हिसाब-किताब नहीं, बल्कि यह बताता है कि आने वाले समय में देश किस दिशा में आगे बढ़ेगा। दुनिया में व्यापार तनाव, तकनीकी बदलाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच सरकार ने इस बजट में विकास और वित्तीय अनुशासन दोनों को संतुलित करने की कोशिश की है। सरकार ने पूंजीगत खर्च बढ़ाकर लगभग 12.2 लाख करोड़ रुपये किया है और यह लक्ष्य रखा है कि देश का कुल कर्ज (Debt/GDP) अनुपात को बजट अनुमान 2026-27 में GDP के 55.6 % के रूप में आंका गया है, जबकि संशोधित अनुमान 2025-26 में यह 56.1% था। Debt-to-GDP अनुपात में गिरावट का अर्थ है कि समय के साथ सरकार को ब्याज भुगतान पर कम खर्च करना पड़ेगा। इसका मतलब है कि सरकार खर्च भी करेगी और कर्ज को भी नियंत्रण में रखेगी।

बजट में राजकोषीय घाटा लगभग 4.3% ऑफ जीडीपी के स्तर पर रखने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि इससे देश की आर्थिक सेहत मजबूत होती है। जब सरकार का घाटा घटता है, तो उसे कम उधार लेना पड़ता है और ब्याज पर होने वाला खर्च भी कम होता है। इसका सीधा फायदा यह होता है कि सरकार के पास शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे जरूरी क्षेत्रों पर खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा बचता है। घाटा कम होने से महंगाई पर भी दबाव घटता है। इसके अलावा, जब फिस्कल डेफिसिट नियंत्रण में रहता है, तो विदेशी निवेशकों और रेटिंग एजेंसियों का भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा बढ़ता है, जिससे देश में निवेश आता है और रुपया भी मजबूत रहता है। कुल मिलाकर, इस बजट में फिस्कल डेफिसिट घटाने का उद्देश्य केवल हिसाब संतुलित करना नहीं है, बल्कि भविष्य में विकास के लिए स्थायी और भरोसेमंद आर्थिक आधार तैयार करना है।

> दुनिया में व्यापार तनाव, तकनीकी बदलाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच सरकार ने इस बजट में विकास और वित्तीय अनुशासन दोनों को संतुलित करने की कोशिश की है।

कृषि क्षेत्र के लिए बजट को आय स्थिरता व जोखिम प्रबंधन का बजट कहा जा सकता है। सिंचाई परियोजनाओं, कृषि अवसंरचना और वेयर हाउसिंग नेटवर्क के विस्तार से फसल नुकसान कम होगा और किसानों को बेहतर कीमत मिल सकेगी। एग्री-लॉजिस्टिक्स और कोल्ड-चेन पर निवेश बढ़ाकर कृषि उत्पादों की बर्बादी घटाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजिटल एग्री प्लेटफॉर्म और फसल बीमा कवरेज के विस्तार से किसानों की आय में स्थिरता आएगी। कृषि-आधारित एमएसएमई और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में मूल्यवर्धन और रोजगार दोनों बढ़ाने की रणनीति अपनाई गई है।

छात्रों और युवा शक्ति के लिए यह बजट 'शिक्षा से रोजगार' की कड़ी को मजबूत करता है। डिजिटल शिक्षा अवसंरचना, स्कूलों और कॉलेजों में आधुनिक लैब तथा उद्योग से जुड़े कौशल कार्यक्रमों पर जोर दिया गया है। शिक्षा और मेडिकल शिक्षा से जुड़े टीसीएस प्रावधानों को घटाकर 2% किए जाने से विदेश में अध्ययन करने वाले मध्यम वर्गीय छात्रों को सीधी राहत मिलेगी। इसका उद्देश्य केवल डिग्री उत्पादन नहीं, बल्कि रोजगार योग्य युवा तैयार करना है, ताकि जनसंख्या लाभांश वास्तविक आर्थिक शक्ति बन सके। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बजट में केंद्रीय स्थान मिला है। स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को सस्ते ऋण, बीमा और डिजिटल बैंकिंग से जोड़ने से महिलाओं की भागीदारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में बढ़ेगी।

एमएसएमई क्षेत्र के लिए बजट 2026 संजीवनी जैसा है। सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का एमएसएमई ग्रोथ फंड घोषित किया है, जिससे छोटे उद्योगों को सस्ता ऋण और विस्तार का अवसर मिलेगा। यह क्षेत्र देश में 11 करोड़ से अधिक रोजगार देता है, इसलिए इसमें निवेश सीधे रोजगार सृजन से जुड़ा है। एमएसएमई के डिजिटलीकरण और निर्यात क्षमता बढ़ाने से भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगा। कपड़ा और टेक्सटाइल उद्योग के लिए बजट ने पूरी वैल्यू चेन- फाइबर से फैशन तक को मजबूत करने का रोडमैप दिया है। नई नेशनल फाइबर स्कीम से उत्पादन लागत घटेगी और गुणवत्ता बढ़ेगी। भारत का टेक्सटाइल निर्यात पहले ही लगभग 40 अरब डॉलर के स्तर पर है और इस नीति से इसमें और वृद्धि की संभावना बनेगी। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा। इससे पलायन कम होगा।

सरकार ने सात नए रेल कॉरिडोर और टियर-2 शहरों पर फोकस की घोषणा की है। इससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी। उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। रेलवे में निवेश का गुणक प्रभाव स्टील, सीमेंट और निर्माण उद्योग पर पड़ता है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन संभव है। आईटी, एआई और डेटा सेंटर नीति बजट 2026 की सबसे रणनीतिक घोषणाओं में से एक है। सरकार ने एआई के लिए 'पिक एंड शोवेल' अप्रोच अपनाई है यानी सीधे एप्लिकेशन पर नहीं, बल्कि अवसंरचना पर निवेश। विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर सेवाओं का उपयोग करने पर 2047 तक टैक्स हॉलिडे देने की घोषणा की गई है, बशर्ते वे भारतीय रीसेलर्स का उपयोग करें। इससे भारत ग्लोबल डेटा हब बनने की दिशा में बढ़ेगा और आईटी सेक्टर में उच्च-मूल्य रोजगार सृजित होंगे।

स्वास्थ्य और बायो-फार्मा सेक्टर को बजट में नई ऊर्जा मिली है। अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल से अनुसंधान, विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। मेडिकल टूरिज्म, आयुष केंद्र, डायग्नोस्टिक सेवाओं और पोस्ट-केयर सुविधाओं के विस्तार से भारत वैश्विक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उभर सकता है। वर्तमान में मेडिकल टूरिज्म बाजार लगभग 9-10 अरब डॉलर का है, जिसे कई गुना बढ़ाने की क्षमता इस नीति में है। रेयर अर्थ और सेमीकंडक्टर रणनीति बजट 2026 का सबसे भू-रणनीतिक पक्ष है। सरकार ने रेयर अर्थ खनिजों के घरेलू उत्पादन, प्रोसेसिंग और वैल्यू-चेन विकास के लिए विशेष आवंटन किया है।

आमने सामने

खुद के ऊपर 14-14 मुकदमे हैं। उनमें जमानत करा लें। उनको सेटल करा लें सरकार से हाथ-जोड़ी करके। पौने तीन साल बाद में कांग्रेस की सरकार आ रही है। मदन दिलावर जी से मिलने जेल में मैं जाऊंगा। गोविंद डोटासरा तो यहीं रहेगा। कहीं नहीं जाएगा।

–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस नेता, राजस्थान

कांग्रेस सरकार के दौरान मिड-डे मील योजना में करीब दो हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ। जांच की आंच उन 'मगरमच्छों' तक पहुंचेगी, जिन्होंने जनता की कमाई पर डाका डाला। भ्रष्टाचारियों को पकड़ने का जाल बिछ चुका है।

–मदन दिलावर
शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार

सुप्रीम फैसले से प्राइवेट स्कूलों में बराबरी की बात

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत अब हर प्राइवेट स्कूलों में 25 फीसदी सीटें आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए आरक्षित की गई हैं। यानी अगर आपके पास साधन नहीं हैं, फिर भी आपका बच्चा महंगे प्राइवेट स्कूल में मुफ्त पढ़ाई कर सकता है। हाल ही में शिक्षा के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट का एक अहम और दूरगामी फैसला सामने आया है। अदालत ने साफ कहा है कि सच्चा बंधुत्व तभी संभव है, जब समाज के हर वर्ग के बच्चे एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में साथ पढ़ें। इसी सोच को मजबूत करते हुए शीर्ष अदालत ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्राइवेट और गैर-सरकारी स्कूलों में गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत मुफ्त सीटें सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे की संवैधानिक भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में गरीब बच्चों को प्रवेश देना 'एक राष्ट्रीय मिशन होना चाहिए।'

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सच्चा बंधुत्व तभी संभव है, जब समाज के हर वर्ग के बच्चे एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में साथ पढ़ें।

आरटीई एक्ट यानी शिक्षा का अधिकार कानून, पहली अप्रैल 2010 को लागू हुआ। इसके तहत छह से 14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देना भारत सरकार की जिम्मेदारी है। संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत यह हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। शिक्षा के अधिकार को आसान भाषा में समझने की कोशिश करें, तो इसमें कोई भी स्कूल बच्चे को दाखिला देने से मना नही कर सकता है। हर 60 बच्चों पर कम से कम दो प्रशिक्षित अध्यापकों का होना अनिवार्य है। हर तीन किलोमीटर के अंदर स्कूल होना जरूरी हैं। राईट टू एजुकेशन पर होने वाले खर्चों का 55 प्रतिशत केंद्र और 45 प्रतिशत राज्य सरकार उठाती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, देश के स्कूल शिक्षा तंत्र में 24.8 करोड़ से अधिक छात्र नामांकित हैं और प्राथमिक स्तर पर नामांकन दर 96.9 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है।

कोर्ट ने कहा कि कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों का दाखिला केवल कागज़ी अधिकार नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को स्पष्ट नियम बनाने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से जुड़े इस मामले में याचिकाकर्ता दिनेश बीवाजी अष्टिकर ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों को पड़ोस के निजी स्कूल में 25 फीसदी कोटे के तहत दाखिला नहीं मिला। आरटीआई से सामने आया कि सीटें खाली थीं, फिर भी स्कूल ने जवाब नहीं दिया। हाईकोर्ट ने यह कहते हुए राहत नहीं दी कि ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।

मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, लेकिन वर्षों की देरी के कारण बच्चों को समय पर राहत मिलना संभव नहीं रहा। इसके बावजूद अदालत ने इसे 'नज़ीर तय करने वाला' मामला मानते हुए व्यापक दिशा-निर्देश देने का फैसला किया। कोर्ट ने माना कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, भाषा की बाधा, डिजिटल अशिक्षा और जानकारी की कमी के कारण गरीब परिवारों के लिए 25 फीसदी कोटे तक पहुंचना आज भी मुश्किल है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पड़ोस के स्कूलों में दाखिला केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक समानता की दिशा में बड़ा कदम है।

अदालत ने यह याद दिलाया कि निजी स्कूलों में वंचित वर्ग के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना कोई अलग कल्याणकारी योजना नहीं है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 (ए) और 39 (एफ) में निहित बाल विकास और बंधुत्व के सिद्धांतों को लागू करने का जरिया है। शीर्ष अदालत का कहना था कि आरटीई कानून सभी बच्चों को जाति, वर्ग, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव के बिना एक ही स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा देने की बात करता है।

अदालत ने कोठारी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उसमें कॉमन स्कूल सिस्टम पर जोर दिया गया था, जहां पर समाज के हर वर्ग के बच्चों को बिना भेदभाव के शिक्षा मिल सके। संविधान के भाईचारे का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब एक रिक्शा खींचने वाले का बच्चा, एक करोड़पति या सुप्रीम कोर्ट के जज के बच्चे के साथ एक ही स्कूल में पढ़े। शीर्ष अदालत के इस फैसले को समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे की संवैधानिक भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य सलाहकार परिषदों से सलाह लेकर, धारा 12(1)(सी) के प्रावधानों को लागू करने के लिए आवश्यक नियम और कानून तैयार करें और जारी करें। कोर्ट ने आगे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को निर्देश दिया कि वह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा नियम और कानून जारी करने की जानकारी इकट्ठा करें और 31 मार्च तक कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी।

सोशल फोरम

जिगर और नातिया मुशायरा

अजमेर में एक नातिया मुशायरा था। आयोजकों के सामने बड़ी मुश्किल थी कि जिगर मुरादाबादी को इस मुशायरे में कैसे बुलाया जाए। वे खुले रिंद (शराब पीने वाले) थे। नातिया मुशायरे में उनकी शिरकत आसान नहीं थी। आयोजकों में कुछ उनके हक़ में थे, कुछ खिलाफ़। आख़िर बहुत सोच-विचार के बाद आयोजकों ने फैसला किया कि जिगर को दावत दी जानी चाहिए। जब जिगर को बुलाया गया तो वे सिर से पांव तक कांप उठे।

हिस्ट्री अनफोल्ड
ब्लॉगर

'मैं गुनहगार, रिंद, सियाहकार, बदनसीब— और नातिया मुशायरा! नहीं साहब, नहीं।'

अब आयोजकों के सामने यह समस्या थी कि जिगर साहब को कैसे तैयार किया जाए। उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे और होंठों से इनकार। आख़िरकार असगर गोंडवी ने हुक्म दिया और जिगर ख़ामोश हो गए। सिरहाने बोतल रखी थी, उसे कहीं छिपा दिया। दोस्तों से कह दिया कि कोई उनके सामने शराब का नाम तक न ले। यह मौक़ा मिला है तो मुझे इसे खोना नहीं चाहिए। शायद यह मेरी बख़्शीश की शुरुआत हो। एक दिन गुज़रा, दो दिन गुज़र गए। नात के मज़मून सोचते थे और ग़ज़ल कहने लगते थे। सोचते रहे, लिखते रहे, काटते रहे, लिखे हुए को काट-काट कर थकते रहे। आख़िर एक दिन नात का मतला हो गया।

फिर एक शेर हुआ, फिर तो जैसे बारिश-ए-अनवार हो गई। नात मुकम्मल हुई तो उन्होंने सज्द-ए-शुक्र अदा किया। मुशायरे के लिए इस तरह रवाना हुए जैसे हज को जा रहे हों। उन्होंने कई दिनों से शराब नहीं पी थी, लेकिन हलक़ सूखा नहीं था। इधर तो यह हाल था, दूसरी तरफ़ मुशायरा-गाह के बाहर और शहर के चौराहों पर विरोध में पोस्टर लग गए थे कि एक शराबी से नात क्यों पढ़वाई जा रही है। आख़िर मुशायरे की रात आ गई। जिगर को बड़ी सुरक्षा के साथ मुशायरे में पहुंचा दिया गया। मंच से आवाज़ उभरी- 'रईस-उल-मुतग़ज़्ज़िलीन हज़रत जिगर मुरादाबादी!'

इस एलान के साथ ही एक शोर उठ खड़ा हुआ। जिगर ने बड़े धैर्य के साथ मजमे की ओर देखा और प्रेम से भरे स्वर में बोले, 'आप लोग मुझे हूट कर रहे हैं, या रसूल पाक की नात को, जिसे पढ़ने की सआदत मुझे मिलने वाली है और जिसे सुनने की सआदत से आप अपने आप को महरूम करना चाहते हैं?'

शोर को जैसे सांप सूंघ गया। बस यही वह विराम था, जब जिगर के टूटे हुए दिल से यह आवाज़ निकली-

एक रिंद है और मद्हत-ए-सुल्तान-ए-मदीना
हां, कोई नज़र-ए-रहमत-ए-सुल्तान-ए-मदीना

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बेटियों का कागजी कवच और सामाजिक बेड़ियां

बेटियां घर की रौनक होती हैं। समाज की शक्ति होती हैं और राष्ट्र की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। फिर भी देश की बेटियां समान अवसर, सुरक्षा एवं लैंगिक समानता की उपेक्षा का बोझ ढो रही हैं। सरकार ने बेटियों के लिए कई महत्वपूर्ण नीतियां और कानून बनाए हैं, जैसे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, सुकन्या समृद्धि योजना, महिला आरक्षण विधेयक, पास्को एक्ट, घरेलू हिंसा से सुरक्षा कानून और अन्य कल्याणकारी योजनाएं, जिनके माध्यम से बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और कानूनी अधिकार प्रदान करने के प्रयास किए गए हैं। इन योजनाओं से कुछ सकारात्मक बदलाव भी दिखे हैं।

फिर भी, जमीनी हकीकत आज भी बहुत नहीं बदली है। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में लड़कियों की उन्नति दिखावा मात्र है। जिस समाज में हर रोज कोई लड़की या महिला बलात्कार का शिकार होती हो, उस समाज को प्रगतिशील कहना, दोगलापन है। राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार, देश में प्रतिदिन 81 रेप के पुलिस केस दर्ज होते हैं। ये तो बस आंकड़े हैं, अधिकतर घटनाएं तो लोक-लाज के डर से परिवार और समाज द्वारा छिपा लिए जाते हैं।

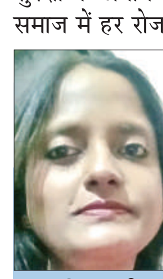

अंबिका अंबी
लेखिका

जहां एक तरफ लड़कियों के लिए समान अवसरों की बातें तो बोली जाती हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू जिम्मेदारियां लड़कियों पर ही लाद दी जाती हैं। आज भी लड़कियों को खुद के सपने चुनने का अधिकार नहीं है और न ही स्वतंत्रता से कहीं आने-जाने की छूट ही मिलती है। साथ ही, रसोई और घरेलू कामों का बोझ शुरू से ही उनके कंधों पर डाल दिया जाता है।

वास्तविकता में, लड़कियों को स्वतंत्रता और समान अवसर की सुविधाएं केवल मौखिक एवं कागजी स्तर पर ही सीमित रही है। वैश्विक लैंगिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा कम है। घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ इतना भारी है कि शिक्षा में आगे होने के बावजूद कई लड़कियां नौकरी या आगे की पढ़ाई छोड़ देती हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता, लैंगिक भेदभाव, असुरक्षा की भावना और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी चुनौतियां हर कदम पर उन्हें कमजोर करती हैं। आज भी लाखों लड़कियां शिक्षा और नौकरी के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है, सामाजिक एवं पारिवारिक सहयोग का प्राप्त न होना।

डिजिटल युग में साइबर हिंसा और ऑनलाइन उत्पीड़न ने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। खुले आम महिलाओं को टारगेट किया जा रहा है, उनके चरित्र पर उंगलियां उठाई जाती हैं और गालियां दी जा रही हैं। यह हिंसा न केवल व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं की गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य को चोट पहुंचाती हैं, बल्कि उन्हें ऑनलाइन स्पेस से दूर रहने, अपनी राय व्यक्त न करने या डिजिटल दुनिया से कट जाने पर मजबूर करने की साजिश है। यह क्रूर सच्चाई है कि जहां इंटरनेट ने महिलाओं को आवाज दी, शिक्षा दी और अवसर दिए, वहीं इस प्लेटफॉर्म का उनके खिलाफ दुरुपयोग हो रहा है।

लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए बचपन से ही शिक्षा और घर-समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप बहुत जरूरी है। सही मायने में, देश की बेटियां की वास्तविक प्रगति तब होगी, जब कानून और योजनाएं सिर्फ घोषणाएं न रहें, बल्कि समाज की सोच बदलने, जमीनी सुरक्षा सुनिश्चित करने, घरेलू जिम्मेदारियों का बोझ बांटने और हर बेटी को बराबरी का हक दिलाने में सक्षम बनें। हमारे देश को 'बेटी बचाव, बेटी पढ़ाओ' नारे की अपेक्षा 'समाज और परिवार में बेटियों के प्रति भेदभाव मिटाओ' नारे की ज्यादा ही जरूरत है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

नई कार स्टेटस देती पुरानी कार समझदारी

कार खरीदना कुछ लोगों के लिए बुनियादी जरूरत है, तो कुछ लोगों के लिए शानो-शौकत और रुतबे का प्रतीक, लेकिन हम में से अधिकांश लोगों के लिए यह हमेशा से एक सपने के सच होने जैसा है। कार आज हम सभी के घरों का एक जरूरी और अहम हिस्सा बन चुकी है। इस मांग की वजह से ही हाल के वर्षों में पुरानी कारें खरीदने का चलन तेजी से बढ़ा है और देश में पुरानी कारों का बाजार एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है। यह तब हुआ है, जब लोगों को भरोसा हुआ है कि पुरानी कारें भी नई कारों जितनी ही अच्छी हो सकती हैं। एक और वजह यह भी है कि पसंदीदा नई कारें आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही हैं, ऐसे में कम बजट में बेहतर ब्रांड, शानदार फीचर्स की उपलब्धता भी पुरानी कारों की मांग को शहरों से लेकर कस्बों तक आगे बढ़ा रही है। हालांकि काफी सारे लोग पुरानी कार खरीदने में जोखिम और धोखाधड़ी के कारण बचते हैं, लेकिन पुरानी कारों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आने के बाद से चीजें काफी आसान भी हो गई हैं।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

पुरानी कारों की बिक्री नई कारों से ज्यादा

भारत में पुरानी कारों की बिक्री नई कारों की तुलना में 8 से 10 फीसदी सालाना वृद्धि दर से बढ़ रही है। वर्तमान में प्रत्येक नई कार की बिक्री पर लगभग 1.4 पुरानी कारें बेची जा रही हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार साल 2026 के अंत तक भारत में इस्तेमाल की गई कारों की बिक्री 75 लाख यूनिट्स तक पहुंचने का अनुमान है। यही नहीं इस साल देश में पुरानी कारों का बाजार 3.4 लाख करोड़ से अधिक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि पुरानी कारों के बाजार में हिस्सेदारी की बात करें, तो अभी भी सिक्का स्थानीय डीलरों और ब्रोकर का चलता है, जो बाजार के लगभग 68 फीसदी हिस्से पर काबिज हैं, लेकिन ग्राहकों का भरोसा अब वारंटी और सर्टिफाइड कारों के कारण तेजी से संगठित क्षेत्र की ओर शिफ्ट हो रहा है। इस बदलाव से डिजिटल माध्यमों से होने वाली पुरानी कारों की बिक्री की हिस्सेदारी इस साल के अंत तक करीब 30 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है।

मारुति, टाटा, महिंद्रा के साथ ऑनलाइन स्टार्टअप्स ने जीता यूज्ड कार का भरोसा

पुरानी कारों के संगठित कारोबार में मारुति सुजुकी True Value, महिंद्रा First Choice और टाटा मोटर्स Assured जैसे निर्माताओं के साथ Cars24, Spinny, CarDekho और Droom जैसे बड़े खिलाड़ियों के साथ और भी अनेक ऑनलाइन स्टार्टअप्स शामिल हैं। ये सभी सर्टिफाइड गाड़ियां खोजने, टेस्ट ड्राइव बुक करने और पूरी लेनदेन प्रक्रिया में मदद के अलावा अधिकतर कार के मूल्यांकन और कागजी कार्रवाई में भी सहायता प्रदान करते हैं, जिससे पुरानी कार खरीदना आसान हो जाता है। इनमें Cars24 को पुरानी कारों की खरीद-बिक्री के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें आप कार का मूल्यांकन, टेस्ट ड्राइव और पूरी कागजी कार्रवाई जैसे आरसी ट्रांसफर, लोन आदि में मदद पा सकते हैं। Spinny भी एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म है, जो सर्टिफाइड और अच्छी क्वॉलिटी वाली पुरानी कारों को आसान और सुरक्षित तरीके से खरीदने का बेहतर अनुभव प्रदान कर रहा है। CarDekho पुरानी और नई दोनों तरह की कारों की पूरी जानकारी जैसे मॉडल, कीमत और माइलेज जैसी डिटेल्स प्रदान करता है। इसके मुकाबले Droom ऑनलाइन मार्केट प्लेस है, जहां आप विभिन्न कारों की तुलना कर सकते हैं और कई विकल्प देख सकते हैं। इसी कड़ी में CarWale भी एक लोकप्रिय प्लेटफॉर्म है, जहां आपको पुरानी और नई कारों के ढेर सारे विकल्प मिलते हैं। इनके अतिरिक्त OLX भी पुरानी कारें खरीदने और बेचने के लिए लोकप्रिय ऐप है, जिसमें आप सीधे विक्रेता से संपर्क कर सकते हैं।

इसलिए बढ़ रहा है पुरानी कारों का बाजार

देश में हर साल लाखों लोग पहली बार कार खरीदते हैं और उनमें से बड़ी संख्या सेकेंड हैंड या यूज्ड कार को प्राथमिकता देती है। इसके पीछे कारण हैं-

- नई कारों की बढ़ती कीमतें
- कम डाउन पेमेंट और आसान फाइनेंस
- डेप्रिसिएशन का कम झटका
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती विश्वसनीयता
- सर्टिफाइड प्री-ओन्ड कार प्रोग्राम्स

इन कारों की मांग सबसे अधिक

बाजार के ट्रेंड पर नजर डालें, तो हैचबैक मारुति स्विफ्ट, वैगनआर, ग्रैंड आई-10 और सेडान में होंडा सिटी, मारुति सियाज, इसी तरह एसयूवी में क्रेटा, ब्रेजा, डस्टर आदि 5 से 7 साल पुरानी, कम चली और अच्छी तरह मेंटेंड कारें सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं।

खरीदने से पहले जरूरी बातें

- सबसे पहले अपना बजट बनाएं, फिर यह देखें कि पुरानी कार फर्स्ट हैंड है या फिर उसके पहले भी कई ऑनर रह चुके हैं। ऐसी कार लेना हमेशा बेहतर होता है, जो कम किलोमीटर चली हो। भारत में, एक कार औसतन सालाना 6 हजार से 12 हजार किलोमीटर चलती है। यह जरूरी है कि आप सर्विस रिकॉर्ड और गाड़ी की पूरी स्थिति के अनुसार चलाए गए किलोमीटर की जांच करें।
- आरसी, इंश्योरेंस और पॉल्यूशन सर्टिफिकेट की जांच करें। ओडोमीटर रीडिंग और सर्विस हिस्ट्री मिलाएं। कार को दिन की रोशनी में ध्यान से देखें।
- टेस्ट ड्राइव जरूर लें, आवाज, ब्रेक, गियर पर ध्यान दें। किसी अच्छे मेकैनिक से पूरा इंस्पेक्शन करवा लें। इंश्योरेंस ट्रांसफर की प्रक्रिया ठीक से समझें।

ऑनलाइन या ऑफलाइन कहां से खरीदें

- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म : ज्यादा विकल्प, पारदर्शी कीमत
- डीलरशिप : भरोसेमंद लेकिन कीमत थोड़ी ज्यादा
- डायरेक्ट ऑनर : सस्ता सौदा, पर जोखिम ज्यादा

Hero Vida Dirt .E K3 : बच्चों के रोमांच को मिली इलेक्ट्रिक उड़ान

बदलते समय के साथ बच्चों की दुनिया भी स्मार्ट और टेक-फ्रेंडली हो रही है। इसी कड़ी में Hero MotoCorp की इलेक्ट्रिक ब्रांड Vida ने भारत में बच्चों के लिए एक अनोखी और सुरक्षित इलेक्ट्रिक डर्ट बाइक Dirt .EK3 पेश की है। यह बाइक न सिर्फ खेल-खेल में राइडिंग का मजा देती है, बल्कि सुरक्षा और सीखने, दोनों का पूरा ध्यान रखती है।

दमदार बैटरी

Dirt .EK3 में 360 Wh की रिमूवेबल बैटरी और 500W मोटर दी गई है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसकी टॉप स्पीड 25 किमी प्रति घंटा तक सीमित रखी गई है। बैटरी महज 2 घंटे में 20% से 80% तक चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज करने पर 2 से 3 घंटे तक राइड का मजा देती है। तीन राइडिंग मोड- Beginner, Amateur और Pro, बच्चों को धीरे-धीरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देते हैं।

सुरक्षा और स्मार्ट फीचर्स

Vida ने सेफ्टी के मामले में कोई समझौता नहीं किया है। बाइक में मैग्नेटिक किल स्विच, चेस्ट पैड, ब्रेक रोटर कवर और रियर ग्रैबरेल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। खास बात यह है कि एक मोबाइल ऐप के जरिए माता-पिता बच्चे की राइडिंग एक्टिविटी पर नजर रख सकते हैं, स्पीड लिमिट सेट कर सकते हैं और अन्य पैरामीटर्स नियंत्रित कर सकते हैं।

इंटरनेशनल पहचान

Dirt .E K3 का डिजाइन सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। इसे Red Dot Award 2025 दिया गया है, जो इसकी क्वालिटी और इनोवेशन का प्रमाण है। कुल मिलाकर, Hero Vida Dirt .EK3 बच्चों के लिए एक ऐसा इलेक्ट्रिक राइडिंग अनुभव लेकर आई है, जहां रोमांच, सीख और सुरक्षा तीनों का खूबसूरत संतुलन देखने को मिलता है।

कीमत और उपलब्धता

Vida Dirt .EK3 की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 69,990 रखी गई है। पहले 300 यूनिट्स इसी कीमत पर उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यह बच्चों के लिए एक प्रीमियम, लेकिन समझदारी भरा विकल्प बनती है। इसकी बिक्री 12 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है।

बच्चे के साथ 'बढ़ने' वाली बाइक

इस बाइक की सबसे खास बात है इसका एडजस्टेबल डिजाइन। व्हीलबेस और सस्पेंशन को तीन लेवल- Small, Medium और High पर सेट किया जा सकता है। यानी जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होगा, बाइक भी उसके कद और उम्र के अनुसार ढलती जाएगी। इससे माता-पिता को हर कुछ साल में नई बाइक खरीदने की चिंता नहीं रहती।

काम की बात

सर्दियों में क्यों 'नखरे' दिखाती है बाइक ?

सर्दियों की सुबह बाइक सवारों के लिए अक्सर एक परीक्षा बन जाती है। तापमान गिरते ही कई बाइक्स सेल्फ और किक दोनों पर सुस्त प्रतिक्रिया देने लगती हैं। बार-बार कोशिशों के बाद भी इंजन का स्टार्ट न होना न केवल समय की बर्बादी करता है, बल्कि बाइक की मैकेनिकल सेहत पर भी असर डालता है। ऑटो एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ठंड में बाइक स्टार्टिंग की समस्या पूरी तरह तकनीकी है और सही समझ के साथ इसे आसानी से मैनेज किया जा सकता है।

ठंड का बाइक पर असर

कम तापमान में इंजन ऑयल गाढ़ा हो जाता है, जिससे क्रैंकशाफ्ट और पिस्टन को घूमने में अधिक प्रतिरोध झेलना पड़ता है। दूसरी ओर, लेड-एसिड बैटरी की केमिकल रिएक्शन क्षमता ठंड में कमजोर हो जाती है, जिससे सेल्फ स्टार्ट का आउटपुट घट जाता है। यही कारण है कि सर्दियों में सुबह के समय बाइक स्टार्ट होने में दिक्कत करती है, जिससे बाइक सवार को मुश्किल का सामना करना पड़ता है, खासकर उन वाहनों में जिनका मेंटेनेंस नियमित नहीं होता।

स्टार्टिंग समस्या से निपटने के स्मार्ट तरीके

- **स्पार्क प्लग की भूमिका अहम-** ठंड और नमी के कारण स्पार्क प्लग पर कार्बन डिपॉजिट या नमी जमा हो सकती है, जिससे स्पार्क कमजोर पड़ जाता है। यदि बाइक स्टार्ट नहीं हो रही है, तो सबसे पहले स्पार्क प्लग की जांच जरूरी है। प्लग को साफकर दोबारा फिट करने से करंट फ्लो बेहतर होता है और इंजन आसानी से जान पकड़ता है।
- **क्लच ट्रिक से घटेगा लोड-** सर्दियों में गियरबॉक्स ऑयल भी गाढ़ा हो जाता है। बाइक को न्यूट्रल में रखकर क्लच पूरी तरह दबाने से गियरबॉक्स इंजन से अलग हो जाता है। इससे किक मारते समय इंजन पर कम लोड पड़ता है और स्टार्टिंग आसान हो जाती है।
- **चोक का सही और सीमित उपयोग-** कार्बोरेटर वाली बाइक्स में चोक ठंडे इंजन के लिए बेहद उपयोगी है। चोक खींचने से एयर-फ्यूल मिक्सचर रिच हो जाता है, जिससे इंजन जल्दी स्टार्ट होता है। हालांकि इंजन चालू होने के 20-30 सेकंड बाद चोक बंद कर देना चाहिए, वरना फ्यूल कंजम्पशन बढ़ सकता है।
- **इग्निशन ऑफ रखकर प्री-किक तकनीक-** ऑटो मैकेनिक्स के अनुसार, इग्निशन बंद रखकर 3-4 बार खाली किक मारने से सिलेंडर के भीतर गाढ़ा ऑयल फैल जाता है। इससे इंजन के मूविंग पार्ट्स लुब्रिकेट हो जाते हैं और स्टार्टिंग के समय कम प्रतिरोध पैदा होता है।
- **लगातार फेल स्टार्टिंग का नुकसान-** बार-बार सेल्फ मारने से बैटरी जल्दी डिस्चार्ज होती है और स्टार्ट मोटर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वहीं, ठंडे इंजन को जबरदस्ती स्टार्ट करने से पिस्टन और क्रैंकशाफ्ट पर अनावश्यक घर्षण बढ़ता है, जिससे लंबे समय में इंजन की परफॉर्मेंस प्रभावित हो सकती है।
- **एक्सपर्ट्स की मेंटेनेंस सलाह-** ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि सर्दियों में बाइक को खुले में खड़ा करने से बचना चाहिए। कवर का इस्तेमाल बैटरी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम को नमी से सुरक्षित रखता है। साथ ही मौसम के अनुसार सही ग्रेड का इंजन ऑयल और समय-समय पर बैटरी हेल्थ चेक करना बेहद जरूरी है।
- **आने वाला कल-**ऑटो इंडस्ट्री ठंडे मौसम के लिए बेहतर बैटरी टेक्नोलॉजी और लो-विस्कोसिटी इंजन ऑयल पर काम कर रही है। जब तक ये तकनीकें आम नहीं होतीं, तब तक सही ड्राइविंग हैबिट्स और बेसिक मेंटेनेंस से सर्दियों में बाइक स्टार्टिंग की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मॉय फर्स्ट राइड

सासू मां के साथ मेरी आगे बढ़ने की यात्रा

जीवन में कुछ यात्राएं सड़कों पर तय होती हैं और कुछ हमारे मन और सोच के भीतर। मेरी कार सीखने की यात्रा भी ऐसी ही एक यात्रा रही, जो केवल ड्राइविंग सीखने तक सीमित नहीं थी, बल्कि आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और बदलाव को अपनाने की कहानी बन गई।

2024 में जब मेरी शादी तय हुई, तब तक मैं कार चलाना नहीं जानती थी। मायके में इसकी कभी विशेष आवश्यकता नहीं पड़ी थी, इसलिए यह कौशल मेरे जीवन का हिस्सा नहीं बन पाया, लेकिन शादी के बाद ससुराल का वातावरण अलग था। यहां मेरी सासू मां और ननद दोनों कार चलाती थीं। घर से जुड़ा अधिकांश काम-चाहे फैक्ट्री जाना हो, कच्चा माल लाना हो या बाजार की खरीदारी-कार से ही पूरा होता था। ऐसे में मुझे यह समझ में आने लगा कि अब मुझे भी इस जिम्मेदारी में हाथ बंटाना होगा।

कार सीखने का निर्णय लेना आसान था, लेकिन उसे सीखने की प्रक्रिया उतनी सरल नहीं थी। पहली बार स्टीयरिंग पकड़ते समय हाथ कांप रहे थे। सड़क पर निकलते ही मन में डर और असमंजस बना रहता था। ब्रेक, एक्सेलरेटर और क्लच के बीच तालमेल बैठाने में समय लगा। कई बार छोटी-छोटी गलतियां हुईं, लेकिन हर बार सासू मां ने धैर्य और अपनापन दिखाया। उनका विश्वास और सहयोग मेरे लिए सबसे बड़ा संबल बना।

धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ा और डर कम होने लगा। सुबह की खाली सड़कों से शुरुआत हुई, फिर मोहल्ले की गलियों से होते हुए मैं मुख्य सड़क तक पहुंच पाई। समय के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। आज मैं अपनी सासू मां के साथ फैक्ट्री के कामों के लिए जाती हूं और बाजार की जिम्मेदारियां भी निभाती हूं। अब कार मेरे लिए केवल एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की पहचान बन गई है।

इस पूरी यात्रा ने मुझे यह सिखाया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। परिस्थितियां जब बदलती हैं, तो हमें भी अपने भीतर बदलाव लाना पड़ता है। परिवार का सहयोग और विश्वास किसी भी नई शुरुआत को आसान बना देता है। सासू मां के साथ मेरा रिश्ता इस दौरान और भी गहरा हुआ, क्योंकि हमने साथ-साथ सीखने और आगे बढ़ने का अनुभव साझा किया।

आज जब मैं कार चलाती हूं, तो मुझे सिर्फ मंजिल तक पहुंचने की जल्दी नहीं होती, बल्कि उस सफर का आनंद भी मिलता है, जिसने मुझे आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनाया। मेरी कार सीखने की यात्रा वास्तव में मेरे नए जीवन की दिशा तय करने वाली एक महत्वपूर्ण यात्रा बन चुकी है।

-अपर्णा, कानपुर

न्यूज ब्रीफ

सरेराह लूट करने वाले तीन शातिर दबोचे

सीतापुर, अमृत विचार। कोतवाली देहात पुलिस ने चार दिन पूर्व युवक से हुई लूट की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लूटा गया मोबाइल, वारदात में प्रयुक्त बाइक और एक अवैध तमंचा बरामद किया है। एएसपी आलोक सिंह के मुताबिक, गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर विवेक राजपूत, अंकित और विकुल को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में विकुल का पुराना आपराधिक इतिहास है। उस पर हत्या, लूट और जानलेवा हमले जैसे नौ गंभीर मामले दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह और पुलिस टीम ने अभियुक्तों को जेल भेज दिया है। बरामदगी में 315 बोर का तमंचा व कारतूस भी शामिल है।

मछली बनाने के विवाद में खुद को किया घायल

सीतापुर, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के एक गांव में मछली बनाने को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। अजय (30) ने घरेलू कलह के बाद मारपीट की। आरोप है कि अजय ने पत्नी और मासूम बेटे की पिटाई की। सूचना मिलने के बाद जब पुलिस पहुंची तो उसकी मौजूदगी में खुद को धारदार हथियार से मारकर घायल कर लिया। परिजनों के अनुसार, अजय दोपहर में मछली लेकर घर आया था। पत्नी द्वारा खाना बनाने में देरी होने की बात कहने पर वह आगबबूला हो गया और मारपीट शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस जब पत्नी को उसके मायके भेजने की बात करने लगी, तो अजय ने आक्रोश में आकर घर में रखी धारदार वस्तु से अपने सिर पर कई वार कर लिए। लहूलुहान हालत में पीआरबी पुलिस ने युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली में भर्ती कराया, घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कहीं गूंजे संत रविदास के विचार तो कहीं निकाली गई कलशयात्रा

जिले में श्रद्धापूर्वक मनी संत रविदास की जयंती, दिखा भक्ति का संगम

संवाददाता सीतापुर

अमृत विचार। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार को भक्ति और उत्साह का संगम देखने को मिला। एक ओर जहाँ महोली में संत रविदास की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई, वहीं कमलापुर में महायज्ञ के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

महोली। नगर स्थित रविदास धर्मशाला में संत रविदास जयंती समारोह का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक शशांक त्रिवेदी ने शिरकत की। उन्होंने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि उनका जीवन और दर्शन पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उधर, बरई जलालपुर कस्बे में धूमधाम शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा की शुरुआत रामगढ़ पुरवा के भगवान बुद्ध के मंदिर में पूजा अर्चना के साथ हुई जलालपुर कस्बे में भ्रमण करते हुए पुनः रामगढ़ पहुंची। इस मौके पर डॉ सुधीर कुमार राजवंशी, मुकेश कुमार, होली प्रसाद, गोपीनाथ, संतोष कुमार, दीपू संजय, ब्लॉक प्रमुख महोली जगदीश प्रसाद, मिथिलेश सिंह यादव, और प्रधान लवकुश सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वहीं, कमलापुर के कसमण्डा क्षेत्र स्थित प्राचीन गणेश मंदिर पतारा कलां में 41 वें श्री गणेश महायज्ञ एवं वार्षिकोत्सव का शानदार आगाज हुआ। कलश यात्रा क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों की परिक्रमा करते हुए वापस यज्ञ स्थल पहुंची, जहां कलश स्थापना के साथ ही नौ दिवसीय रामकथा का प्रारंभ हुआ। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल मुस्तैद रहा।

संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण करते महोली विधायक शशांक त्रिवेदी। अमृत विचार

संत रविदास के विचारों को सुनाते कपिल लोधी और मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

मां की पवित्रता ही असली गंगा : कपिल

सांडा, सीतापुर। विकास खंड सकरन के ग्राम सुमरावां घासीपुरवा में संत शिरोमणि रविदास जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कपिल लोधी ने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास ने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया कि यदि मन में शुद्धता और सच्चाई है, तो ईश्वर हृदय में ही निवास करते हैं। उन्होंने भेदभाव मिटाकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संत रविदास के प्रसिद्ध दोहों की चर्चा करते हुए बताया कि मधुर वाणी से न केवल दूसरों को सुख मिलता है, बल्कि स्वयं को भी शांति प्राप्त होती है। फल की चिंता किए बिना ईमानदारी से अपना कर्तव्य करना ही सच्चा धर्म है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान परमेश्वर दयाल, इन्द्र पाल, सरोज कुमार, राजीव कुमार, रामू और सर्वेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मालगाड़ी के आगे कूदकर महिला ने दी जान, हड़कंप

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार। कोतवाली बिसवां क्षेत्र के अंतर्गत गांव राजा करनाई में सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। यहाँ छोटकनी पत्नी राजेंद्र नामक महिला ने महमूदाबाद से सीतापुर की ओर जा रही मालगाड़ी के सामने कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और बिसवां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। हादसे के बाद से मृतका के परिवार में मातम पसरा है। क्षेत्राधिकारी बिसवां अमन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर सघनता से जांच-पड़ताल की जा रही है।

मुख्य मार्ग पर खड़े रोडवेज वाहन। अमृत विचार

बस स्टॉप के बजाय सड़क पर बसों का कब्जा

सीतापुर, अमृत विचार। शहर के बस स्टॉप चौराहे पर बस स्टॉप के पास रोडवेज बसों की मनमानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। बस स्टॉप के निर्धारित स्थान पर बस खड़ी करने के बजाय चालक और परिचालक बीच सड़क पर ही वाहन रोककर सवारियां भर रहे हैं। इसका सीधा असर शहर की यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है, जिससे पीक आवर्स के दौरान लंबा जाम लग रहा है। रोडवेज चालकों ने मुख्य सड़कों को ही अघोषित बस स्टैंड बना दिया है। जिससे कि सड़क के बीचों-बीच बस खड़ी होने से पीछे आ रहे दोपहिया और चार पहिया वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। राहगीर राकेश मनोज विजय के मुताबिक अचानक बस रुकने और सवारियों के सड़क पर भागने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस और परिवहन विभाग की अनदेखी के कारण रोडवेज चालकों के हौसले बुलंद हैं। यात्रियों ने मांग की है कि रोडवेज बसों के लिए निर्धारित स्टॉपेज पर ही रुकना अनिवार्य किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

कहीं मायूसी तो कहीं व्यवस्थाओं की खुशहाली का बजट

सीतापुर, अमृत विचार। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए वर्ष के केंद्रीय बजट को लेकर जनपद में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। जहाँ भाजपा द्वारा नेहरू हॉल समेत सभी चालीस मंडलों में बजट का सजीव प्रसारण देख इसे 'लोक कल्याणकारी' बताया गया, वहीं छात्र सभा ने इसे आम जनता की उम्मीदों के विपरीत करार दिया। शहर स्थित नेहरू हॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री व सदर विधायक राकेश राठौर 'गुरु' मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने की। इस दौरान भारी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने टेलीविजन के माध्यम से बजट भाषण सुना। जिसमें जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती होने से पीड़ित परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी, विदेशी शिक्षा के लिए टैक्स में छूट और किसानों की आय बढ़ाने वाली योजनाओं की सराहना की गई। राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु ने बजट को 'राष्ट्र समर्पित' बताते हुए हर वर्ग के लिए हितकारी बताया।

शिवम सिंह।

खैराबाद में बजट प्रसारण सुनते भाजपा पदाधिकारी और चेयरमैन प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता।

आम आदमी की पहुंच से दूर आम बजट: दूसरी ओर, सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष शिवम सिंह ने बजट पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रेस नोट जारी कर कहा कि यह बजट आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा है। गाँवों और कस्बों के लोगों के लिए कोई ठोस राहत नहीं दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट का लाभ केवल बड़े वर्गों तक सीमित है।

अवैध निर्माण की जांच को गई राजस्व टीम पर किया हमला, लेखपाल घायल

सीतापुर, अमृत विचार। सिधौली तहसील अंतर्गत ग्राम सिंहपुर में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अवैध निर्माण की जांच करने पहुंची पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम पर जानलेवा हमला कर दिया गया। जीसस मिशन स्कूल के प्रबंधक और कर्मचारियों ने दुस्साहस दिखाते हुए टीम को घेरकर लाठी-डंडों से पीटा, जिसमें लेखपाल जितेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उपद्रवियों ने पुलिस के सरकारी वाहन को भी पथराव कर क्षतिग्रस्त कर दिया। एसडीएम राखी वर्मा के निर्देश पर टीम स्कूल में हो रहे कथित अवैध निर्माण की पैमाइश करने पहुंची थी। राजस्व टीम के अनुसार, टीम के पहुंचते ही स्कूल प्रबंधक श्रवण, विल्सन और प्रधानाचार्य नाओमी क्षेत्री ने अपने बीस साथियों के साथ हमला बोल दिया। टीम को गालियां दी गईं और सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए उन पर प्रहार किया गया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। लेखपाल की तहरीर पर सिधौली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धाराओं समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं। फिलहाल स्कूल प्रबंधन ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। पुलिस का कहना है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नातों से गूंजी महफिल, मांगी अमन की दुआ

बिसवां में हजरत गुलजार शाह के उर्स पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी व नातिया मुशायरा

- उलेमाओं ने वलियों की राह पर चलने का दिया पैगाम

संवाददाता बिसवां, सीतापुर

अमृत विचार। कस्बे में शैखुल औलिया हजरत गुलजार शाह के उर्स के मौके पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी और नातिया मुशायरे का आयोजन हुआ। उलेमाओं ने वलियों की शिक्षाओं पर चलने और देश में अमन-शांति कायम रहने की दुआ की। कार्यक्रम की सदारत मौलाना फैजान हुसैन कादरी ने की, जबकि निजामत इजहार रजा शाहजहांपुरी ने निभाई। जलसे की शुरुआत हाफिज कमालुद्दीन बरकाती की कुरआन तिलावत से हुई। खिताब करते हुए मौलाना अरशद रजा सकाफी ने हजरत गुलजार शाह की फजीलत बयान करते हुए कहा कि वलियों के रास्ते पर चलने वाला कभी गुमराह नहीं होता। मौलाना फैजान हुसैन कादरी ने कहा कि अल्लाह के रास्ते पर चलने के लिए वलियों की चौखट से जुड़ना जरूरी है। नातिया मुशायरे का आगाज शाने आलम मसूदी (बहराइच) ने किया। इसके बाद मोहम्मद अली फैजी, जफर अकील (झारखंड), शरफ जौनपुरी, नूर अली नूर, अफजल वफा नूर, आदिल रशीद और अजहर रजा बरेली ने नातें पेश कर महफिल को रौशन किया। उलेमाओं ने देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। सलातो-सलाम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर मेला अध्यक्ष मसर्रत अली, सेक्रेटरी सय्यद हुसैन कादरी, कार्यवाहक अध्यक्ष महबूब अली, मास्टर तबस्सुम हुसैन, हाफिज जीशान रजा बरकाती सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

हजरत गुलजार शाह के उर्स पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी व नातिया मुशायरे के दौरान मंचासीन उलेमा। अमृत विचार

श्रीराम कथा से भक्तिमय हुआ लहरपुर

श्रीराम और माता सीता की भूमिका में कलाकार। अमृत विचार

लहरपुर, सीतापुर। नगर के अंबर संराय स्थित प्रसिद्ध श्री महावीर हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीरुद्र महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के सातवें दिन क्षेत्र में भक्ति की बयार बही। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विश्व कल्याण के लिए आहुतियां डाली गईं। यज्ञाचार्य पंडित संगम शुक्ला नैमिष धाम के सानिध्य में वैदिक आचार्यों ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। श्रीराम कथा के मंच से कथा व्यास पंडित गिरजेश शुक्ला ने 'अहिल्या उद्धार' प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कार्यक्रम में आयोजक राम सुंदर पांडेय, यजमान विजय बाजपेई, धीरेश कुमार त्रिवेदी, सुनीत पांडेय, राजू तिवारी, निर्मल तथा आकाश पांडे आदि मौजूद रहे।

शीतलहर से आलू-सरसों की फसलों पर संकट

खेत में लगी सरसों की फसल। अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार। कड़ाके की ठंड और ठंडी हवाओं और धूप न निकलने से जनजीवन के साथ-साथ खेती-किसानी पर भी गहरा असर पड़ा है। पाले की स्थिति ने क्षेत्र के किसानों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। किसान जगदीश मौर्य का कहना है कि पाले के कारण सरसों की फसल प्रभावित हो रही है, जिससे इस बार पैदावार घटने की प्रबल आशंका है। किसान राम लाल के अनुसार, वर्तमान में आलू थोक में पांच से छह रुपए और फुटकर में मात्र साथ से आठ रुपए प्रति किलो बिक रहा है, जिससे लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। मटर व अन्य रबी फसलों पर भी पाले का बुरा असर देखा जा रहा है। किसान अब मौसम साफ होने और तापमान बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनकी बची हुई फसल सुरक्षित रह सके।

वीडियो निलंबित, पंचायत मित्र की सेवा समाप्त

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते डीएम डॉ. राजागणपति आर। अमृत विचार

सीतापुर/गोंदलामऊ। डीएम डॉ राजागणपति आर के कड़े तेवरों से विकास खंड गोंदलामऊ के लापरवाह कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। ग्राम पंचायत कुर्सी के औचक निरीक्षण के दौरान सरकारी रिकॉर्ड गायब मिलने और अव्यवस्थाओं का अंबार देख डीएम ने वीडियो को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। वहीं, लापरवाही पर पंचायत मित्र की सेवा समाप्ति के निर्देश दिए हैं।

दस्तावेज नहीं दिखा सके सचिव, तो गिरी गाज: निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन में न तो व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं और न ही जरूरी उपकरण। हद तो तब हो गई जब ग्राम पंचायत अधिकारी विकास तिवारी विकास कार्यों से जुड़ा कोई भी अभिलेख या लेखा-जोखा प्रस्तुत नहीं कर सके। इसे सरकारी कार्य में बड़ी चूक और अभिलेखों की सुरक्षा में लापरवाही मानते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर ही निलंबन की कार्रवाई की। साथ ही, पंचायत मित्र मूलचंद्र को पद से हटाने का आदेश दिया गया।डीएम ने मनरेगा निधि से बनी इंटरलॉकिंग सड़क की गुणवत्ता भी परखी। मनरेगा कार्यों की धीमी प्रगति पर जब रोजगार सेवक ने कम मजदूरी दर का तर्क दिया, तो डीएम ने उसे खारिज करते हुए कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर मनरेगा कार्यों को गति दी जाए। जिलाधिकारी डॉ राजागणपति आर, ने कहा कि सरकारी धन का दुरुपयोग और काम में शिथिलता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। जो कर्मचारी जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे उन पर कठोर कार्रवाई होगी।

बिना नोटिस दिव्यांग केयरटेकर को हटाया, 3 साल से मानदेय बाकी

सीतापुर, अमृत विचार। विकास खंड सकरन की ग्राम पंचायत टेड़वा कला में सामुदायिक शौचालय की केयरटेकर को पद से हटाने पर विवाद खड़ा हो गया है। पचास प्रतिशत दिव्यांग रेखा देवी का आरोप है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के पद से मुक्त कर दिया गया। साथ ही, पिछले तीन वर्षों का मानदेय भी उन्हें नहीं मिला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएमएम पवन कुमार ने कहा कि बिना नोटिस हटाना नियमों के विरुद्ध है और प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। दूसरी ओर, इस संबंध में पक्ष जानने के लिए जब एडीओ पंचायत से संपर्क का प्रयास किया गया, तो वे कार्यालय में मौजूद नहीं थे। ग्रामीणों ने दिव्यांग महिला के साथ हुए इस अन्याय पर रोष जताते हुए जल्द भुगतान और कार्रवाई की मांग की है।

परिवार नियोजन का अर्थ बेहतर जीवन शैली: गंगवार

सीतापुर, अमृत विचार। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में सीएमओ कार्यालय के सभागार में पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा एक सम्मान समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी सीएमओ डॉ. एमएल गंगवार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी सीएमओ डॉ. एमएल गंगवार ने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या सीमित करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवार के स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और आर्थिक समृद्धि का आधार है। नोडल अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने भी कार्यशाला को संबोधित करते हुए विभागीय चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। जिसमें सीएचसी बिसवां, पहला और पिसावां के अधीक्षकों को सम्मानित किया गया। अधीक्षक डॉ. सुनीता कश्यप, सीएचसी गोंदलामऊ और लहरपुर को प्रथम स्थान मिला। सर्वाधिक ऑपरेशन के लिए डॉ. अब्बास अली, डॉ. खुर्शीद जैदी सहित छह को पुरस्कृत किया गया। अंतरा इंजेक्शन, पीपीआईयूसीडी और आईयूसीडी में बेहतर कार्य के लिए सीएचओ, स्टाफ नर्स और एएनएम को सम्मानित किया गया।

चोरी की घटना का नहीं हो सका खुलासा

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के रिछौना गांव निवासी अंजीत कुमार द्वारा जिलाधिकारी से मिलकर अपनी व्यथा सुनाई। प्रार्थना पत्र देकर अपने घर हुई चोरी की वारदात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीती 22 जनवरी की रात शातिरों ने उनके घर में घुसकर जेवर, नकदी और कीमती सामान चोरी कर लिया। इसी के बाद उन्होंने दूसरे दिन थाना इमलिया सुल्तानपुर में एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन पुलिस जांच में अभी तक कोई आरोपी नहीं पकड़ा गया। पुलिस चौकी तिहार के कुछ लोगों को शक के आधार पर पकड़ा गया, पर प्रार्थी से कहा गया कि ये लोग चोरी में शामिल नहीं हैं।

रास्ते के विवाद को लेकर हुई मारपीट में छह घायल

सदरपुर, सीतापुर। रास्ते को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। कहासुनी के बाद देखते ही देखते दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमलावर हो गए। वारदात को लेकर गांव में काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। विवाद के दौरान एक पक्ष का युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सदरपुर थाना क्षेत्र के मअहरिया गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उधर, वायरल वीडियो संज्ञान लेकर हिंदुवादी संगठन ने कठोर कर्रवाई न होने पर धरना प्रदर्शन की बात कही है। चूंकि मामला दो समुदायों से जुड़ा था। लिहाज़ गाँव में किसी तरह का तनाव न फैले, इसलिए एहतियात के तौर पर पुलिस तैनात है। सदरपुर थाना क्षेत्र के महरिया गांव निवासी ओम प्रकाश के मुताबिक गांव से सटे दो गाटा संख्या में नवीन मंदिर को जाने वाले रास्ते को लेकर उनका गुलाम अली व हनीफ अली के बीच काफी समय से विवाद चला रहा था। बताते हैं कि गांव के अंदर रास्ते को लेकर पहले से बैरिकेडिंग लगाई गई थी, जिसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी थी। इसी बात को लेकर रविवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

शिविर में 2500 लोगों ने कराया उपचार

अमृत विचार टीम, सीतापुर। मौसम के बदलते तेवरों ने आखिरकार लोगों की सेहत पर असर डाला है। हाल ही में हुई बारिश के बाद मौसम के तेवर बिगड़ गए हैं। सर्द हवाओं के चलने और तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते जिले में जुकाम, खांसी और बुखार के मरीज तेजी से बढ़े हैं। इसी बीच रविवार को जिले के 64 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य शिविर का आयोजन हुआ। मेलों में बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचे। शिविरों में चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया और दवाएं उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य केंद्रों पर सुबह से ही मरीजों की कतारें लगी रहीं। अधिकतर मरीज वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित पाए गए। सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि बदलते मौसम के कारण इस समय वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ा है। सभी केंद्रों पर करीब 2500 से अधिक मरीजों का उपचार किया गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि सर्दी से बचाव करें और लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

रामपुर मथुरा इलाके में लगा मुख्यमंत्री जन आरोग्य शिविर। अमृत विचार

30 मरीजों के लिए खून के सैंपल: बिसवां क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टिकरा में मरीजों की भीड़ रही। यहां डॉ. शालिनी ने करीब एक सैकड़ा मरीजों का इलाज किया। ओपीडी में पहुंचे अधिकांश मरीज खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित थे। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद सभी को आवश्यक दवाएं वितरित की गईं।

300 से अधिक मरीजों को दी गयीं दवाइयां

रामपुर मथुरा क्षेत्र के पारा रमनगरा, बांसुरा, चांदपुर और मीरानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मरीजों की भारी भीड़ रही। विभिन्न केंद्रों पर करीब तीन सौ से अधिक मरीजों का उपचार किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुशील वर्मा के अनुसार मौसम में बदलाव के चलते जुकाम, बुखार और वायरल से पीड़ित मरीज अधिक संख्या में पहुंचे। चिकित्सकों की टीम ने सभी मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं वितरित कीं। इसके साथ ही कई मरीजों की रक्त जांच कर उन्हें जरूरी परामर्श भी दिया गया।

प्रभु भक्ति से ही जीवन होता है सफल

कन्याओं को भोजन कराते श्रद्धालु। अमृत विचार

लहरपुर, सीतापुर। मोहल्ला अंबर संराय स्थित श्री हनुमान मंदिर में आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ, श्रीराम कथा एवं रासलीला का विधि-विधान से पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया। इस मौके पर भक्तों की उमड़ी भीड़ के बीच माहौल में यज्ञ, कथा व सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए। श्री रुद्र महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित संगम शुक्ला, वैदिक मंडल के आचार्यों एवं यजमान विजय बाजपेई ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां डालकर यज्ञ की पूर्णाहुति कराई। श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। श्रीराम कथा के दौरान कथा व्यास पंडित गिरजेश शुक्ला ने मानव जीवन की दुर्लभता बताते हुए कहा कि सत्कर्म और प्रभु भक्ति से ही जीवन सफल होता है। उन्होंने पाप-पुण्य के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए सन्मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

सोशल मीडिया पर जाति विशेष पर टिप्पणी, मुकदमा दर्ज

खीरों : थाना क्षेत्र के गांव खानपुरखुश्टी निवासी एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर जाति विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना भारी पड़ गया। पुलिस ने तिवारिन खेड़ा मजरे खजुहा निवासी अंकित कुमार तिवारी पुत्र कृष्ण कुमार तिवारी की तहरीर पर खानपुर खुष्टी निवासी अनुज कुमार गिरफ्तार कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

ससुरालीजनों पर प्रताड़ना का आरोप

जगतपुर : क्षेत्र के पूरे कुमेदान मजरे जगतपुर की रहने वाली स्वेता ने ससुरालीजनों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। बताया कि मायके से दो लाख रुपये और दहेज का सामान लाने का दबाव बनाकर मारपीट किया जा रहा है। थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पुलिस को देख दुकान से चोर भागे

सलोन : कोतवाली क्षेत्र शटर तोड़कर चोरी की वारदाते नहीं थम रही है। शनिवार की रात ऊंचाहार मार्ग स्थित मार्किट में राकेश जैन के किराना की दुकान का अज्ञात चोर शटर तोड़कर दुकान के अंदर घुस गए। व्यवसाई के मुताबिक रात्रि गस्त पर मौजूद पुलिस की सक्रियता के चलते चोरो के मंसूबे पर पानी फिर गया। चोर पीछे के रास्ते से भाग निकले। हालांकि गस्त पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ने का प्रयास भी किया। कोतवाली प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

रास्ते पर गंदा पानी बहाने की शिकायत

जगतपुर : ब्लॉक क्षेत्र के पूरे गोवर्धन मजरे बैरीहार गांव में सार्वजनिक रास्ते पर नाली का गंदा पानी बहने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि एक युवक ने अपने घर की नाली का निकास मार्ग की ओर कर दिया है, जिससे रास्ते पर लगातार गंदा पानी जमा रहता है। गांव के रितिक तिवारी, सौरभ सिंह, अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, राजेंद्र कुमार, राज किशोर और आशीष कुमार ने बताया कि रास्ते पर गंदा पानी भरे रहने से आवागमन में परेशानी हो रही है। खंड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है।

सत्ताधारियों ने जनहितकारी तो विपक्षियों ने बताया झुनझुना

बजट-2026: केंद्रीय बजट पर दिनभर लगी रहीं सबकी निगाहें, महंगाई पर क्या पड़ेगा असर इस पर लगते रहे लोगों के कयास

अभिषेक वर्मा।

अजय सिंह।

गोविंद सिंह।

सोनू गांधी।

डॉ. शशिकांत शर्मा।

शिवेंद्र सिंह।

अतुल सिंह।

जय प्रकाश वर्मा।

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। महंगाई की मार से बेहाल आम जनमानस की नजर रविवार को जारी केंद्रीय बजट पर सुबह से टिकी रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026-27 के पिटारे से बजट पर एक के बाद एक घोषणाओं पर दिनभर लोगों में चर्चा होती रही। सत्ताधारी दल से जुड़े लोग जहां बजट को आमजनहित का बताया। वहीं विपक्षी सिर्फ झुनझुना वाला बताया। उनका कहना है कि बजट में महंगाई को रोकने के लिए कोई खास व्यवस्था नहीं है। यह सिर्फ पूंजीपतियों के लिए है। आम जनमानस का इसका कोई भी लाभ नहीं मिलेगा। अमृत विचार टीम ने बजट पर लोगों से चर्चा की तो सभी का सिर्फ एक ही कहना रहा कि अब देखना है बजट के इस बयार में महंगाई बढ़ती है या फिर कम होती है।

इस केंद्रीय बजट 2026 में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपोर्ट और ग्रीन एनर्जी को राहत दी है। इससे देश में रोजगार का अवसर बढ़ेगा। साथ ही विकास की गति भी तेज होगी। **-अभिषेक वर्मा, नि. नगर अध्यक्ष भाजपा।**

बजट पूरी तरह जनहितकारी है। सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी है, जिससे भारतीय बाज़ार में ये दवाएं सस्ती हो जाएंगी। **-भाजपा नेता अजय सिंह, नि. नगर महामंत्री भाजपा।**

महंगाई को रोकने के लिए बजट में कोई भी व्यवस्था नहीं है। वर्तमान में आम जनमानस महंगाई से परेशान है। सरकार ने बजट में सिर्फ पूंजीपतियों का ध्यान दिया है। **-गोविंद सिंह, एडवोकेट।**

केंद्रीय बजट पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा। वर्तमान में जनमानस महंगाई से परेशान है। कैंसर समेत अन्य घातक बीमारियों के दवाओं के सस्ती होने का लाभ रोगियों को मिलेगा। **- सोनू गांधी, समाजसेवी।**

नगर पंचायत सभागार में केंद्रीय बजट पर चर्चा करते लोग। अमृत विचार

बजट सिर्फ सरकार का एक झुनझुना है। पूर्व के बजट में किए गए कई वादे अभी तक पूरे नहीं हो सके। महंगाई, बेरोजगार जैसे मुख्य मुद्दों से सरकार भटका रही है। जनता का बजट से कोई खास हित नहीं होगा। **- डॉ. शशिकांत शर्मा, प्रदेश सचिव, सपा।**

केंद्रीय बजट में उत्तर प्रदेश के लिए विशेष पैकेज है। इसका लाभ प्रदेशवासियों को मिलेगा। रेल कॉरिडोर के निर्माण से उत्तर भारत और पूर्वोत्तर भारत के बीच कनेक्टिविटी में सुधार होगा।प्रमुख शहर आधुनिक रेल नेटवर्क से जुड़ेंगे। **-शिवेंद्र सिंह, नगर प्रभारी भाजपा।**

यह बजट आम आदमी की बजाय बड़े उद्योगों और पूंजीगत हितों को अधिक प्राथमिकता वाला है। मोदी सरकार के केंद्रीय बजट से आम नागरिक, मध्यम वर्ग,,किसानों और युवाओं को महंगाई से राहत, रोजगार सृजन और बेहतर सार्वजनिक सेवाओं को निराशा हुई है। **-अतुल सिंह, प्रदेश सचिव, कांग्रेस।**

केंद्रीय बजट में जनहित से जुड़ी कई घोषणाएं हुई है। भविष्य में इसका कितना लाभ आम जनमानस को मिलेगा यह पता बाद में ही चलेगा। हालांकि यूपी के लिए विशेष पैकेज स्वागत योग्य है। **-जय प्रकाश वर्मा सभासद, नपाप।**

पेश किए गए बजट पर की गई चर्चा, महाराजगंज: नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में रविवार को केंद्र सरकार की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट पर चर्चा की गई। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों सबके हित का बजट बताया। व्यापारी हितों को लेकर भी आपस में विचार-विमर्श किया गया। मंडल अध्यक्ष भाजपा अमित श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश को मिले विशेष पैकेज से विकास में और तेजी आएगी। सरोज गौतम, शिवम मिश्रा ने नेटवर्किंग से लेकर धार्मिक स्थलों के लिए अलग-अलग घोषणा करना दूरदर्शिता है। इस अवसर पर ज्ञानवती, शक्ति रस्तोगी, सूर्य प्रकाश वर्मा ने बजट की सराहना की। वीरेंद्र अवस्थी, तुलसी मौर्य, अरविंद सिंह, शत्रुघ्न लोधी, शेर बहादुर सिंह, इमरान खान, घनश्याम चौरसिया, चंदन मौर्य, उज्जवल अवस्थी, लक्ष्मी नारायण, विकास लोधी, रवितोष त्रिपाठी, राहुल रावत आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने गिनाईं खूबियां तो विपक्षियों ने बताया छलावा

लालगंज (रायबरेली)। मोदी सरकार के द्वारा परित केंद्रीय बजट पर भाजपा सहित अन्य दलों के लोगों की प्रतिक्रियाएं मिलीजुली हैं। भाजपा नेता अनूप पांडे और दीप प्रकाश शुक्ला ने बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमृतकाल की दृष्टि का प्रतिबिंब बताया है। क्षेत्रीय मंत्री दिलीप यादव,पूर्व जिला अध्यक्ष रामदेव पाल, भाजपा नेता जेपी सिंह और प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने बजट की प्रशंसा की है। भाजपा सभासद कैलाश वाजपेई ,मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, डॉ. अविनाश कुमार सिंह, राजेश सिंह फौजी, रामप्रताप सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, सत्येंद्र सिंह, दल बहादुर सिंह एडवोकेट ने बजट में कृषि और शिक्षा के लिए आवंटित राशि की सराहना की है। वहीं कांग्रेस के जिला कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता ने इसे अपर्याप्त बताया है। भाजपा नेता रवीन्द्र सिंह ने भी बजट को आम लोगों का बजट बताते हुए विपक्षी दलों की आलोचना की है। किसान मोर्चे के जिला उपाध्यक्ष उमेश सिंह ने बजट को लोकप्रिय बताते हुए कहा कि विपक्षी दल बजट की आलोचना करके अपनी हार स्वीकार कर रहे हैं। इस मौके पर नागेंद्र सिंह, राजेश निर्मल, बीके सिंह, श्याम प्रसाद दीक्षित, बबलू पांडे, सुनील मिश्रा, अवधेश सविता, बाबू तिवारी, शिवबोध सिंह, शीतला सविता, विमल धानुक, राम शंकर आदि मौजूद रहे।

लालगंज सभागार में लाइव प्रसारण देखते भाजपाई।

हादसे में होमगार्ड की मौत, दो गंभीर

लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के बहाई गांव के पास सड़क दुर्घटना में होमगार्ड की मौत हो गई है। वही ट्रक चालक और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बहाई गांव के पास एक ट्रक खराब होकर सड़क के किनारे खड़ा था। तभी रविवार सुबह डलमऊ की तरफ से आ रहा दूसरा ट्रक अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में भिड़ गया। इसमें होमगार्ड परसाद खेड़ा मजरे सगुनी थाना खीरों निवासी होमगार्ड रामनाथ यादव (55) पुत्र जगन्नाथ की मौत हो गई। वही ग्राम कनस्ता विश्वनाथगंज जिला प्रतापगढ़ निवासी ड्राइवर फैशन अख्तर पुत्र आरिफ और मछुआरा प्रतापगढ़ निवासी क्लीनर अनस पुत्र इमाम अली गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रामनाथ यादव ड्यूटी करके ट्रक में बैठकर अपने घर जा रहा था। होमगार्ड की मौत से उसकी पत्नी कांति देवी व पुत्र लवकुश, अंशू, पुत्रियां सुधा, ज्योति बेसहारा हो गए हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि होमगार्ड के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

घने कोहरे के कारण गोल चौराहे से टकराया डंपर

सतांव (रायबरेली)। रविवार की सुबह घने कोहरे के कारण एक डंपर बांदा-बहराईच राजमार्ग पर स्थित गुरुबक्शगंज चौराहे के गोल चौराहे से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कंक्रीट से बना भारी-भरकम गोल चौराहा उखड़ कर डंपर के नीचे घुस गया। आसपास के दुकानदारों और पुलिस ने डंपर के अंदर फंसे चालक व क्लीनर को बाहर निकाला। इसमें दोनों बाल-बाल बच गये। इस घटना के उपरान्त काफी देर तक राजमार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा।

क्षतिग्रस्त डंपर को बाहर निकालती क्रेन।

ब्लैकमेलिंग व झूठी शिकायत पर युवक ने की आत्महत्या

जगतपुर, रायबरेली

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के कितुली गांव में ब्लैकमेलिंग और झूठी शिकायत के आरोपों के बीच एक युवक द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। परिजनों ने महिला के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कितुली निवासी राम भवन दीक्षित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि लालापुरी मजरे खसपरी निवासी एक महिला ने 28 जनवरी को उनके भाई रमाकांत दीक्षित के खिलाफ छेड़खानी की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि महिला पिछले करीब एक वर्ष से फर्जी वीडियो बनाकर उनके भाई को ब्लैकमेल कर रही थी और दो लाख रुपये की मांग कर रही थी। रुपये न देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही थी। पीड़ित भाई ने बताया कि महिला ने अपने पति के साथ मिलकर करीब छह माह पहले रमाकांत की मोटरसाइकिल भी अपने पास रख ली थी और पैसे देने पर वापस करने की बात कही थी। परिजनों के अनुसार शिकायत दर्ज होने और बदनामी के डर से रमाकांत दीक्षित ने 29 जनवरी को माधवपुर के जंगल के पास ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

वहीं थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज किया।

टेस्ट ड्राइव के बहाने कार लेकर फरार

जगतपुर (रायबरेली), अमृत विचार। टेस्ट ड्राइव के बहाने कुछ लोग कार लेकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के भीख गांव निवासी राजदेव मौर्य उत्तराखंड से अपने घर वापस लौट रहे थे। तभी रायबरेली शहर में उनकी मुलाकात एक अल्टो कार सवार राजा तिवारी मजरे चिचौली गांव निवासी एक युवक से हुई और वह अपनी कार से इन्हें जगतपुर कस्बे के सलोन रोड पर ले आया, जहां पर राजदेव मौर्य के बेटे अभिषेक व विवेक अपनी कार से पिता को लेने आए थे। तभी कार सवार युवक ने उसकी कार देख कर कहा कि मुझे कार खरीदनी है। आप मुझे इस दे दो तो टेस्ट ड्राइव करके देख लू इसी बात पर अभिषेक ने उसे चाबी दे दिया और अपने भाई को कार में बिठा दिया। जैसे ही जगतपुर चौराहे पर पहुंचा और विवेक से कहा कि आप पान मसाला ले लो विवेक के कार से नीचे उतरते ही आरोपी ने कार लेकर फरार हो गया। वही कार लेकर गायब होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित राजदेव मौर्य ने थाने में तहरीर देकर कार ढूंढने में मदद की गुहार लगाई। जीपीएस की मदद से भदोखर थाना क्षेत्र के कटघर के पास कार सहित आरोपी चोर को भी दबोच लिया। इस बाबत थाना प्रभारी पंकज त्यागी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कार व आरोपी को बरामद कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी कर के पास से जो कार अल्टो बरामद हुई है। उसमें पुलिस की टोपी व गाड़ी में पुलिस लिखा हुआ है। उसकी भी जांच पड़ताल की जा रही है।

कोर्ट में पेश न होने पर कुर्की की नोटिस चस्पा

जगतपुर (रायबरेली)। धोखाधड़ी के मामले में नामजद आरोपी के न्यायालय में पेश न होने पर पुलिस ने उसके घर पर संपत्ति कुर्की की नोटिस चस्पा की है। पुलिस के अनुसार कस्बा के ऊंचाहार रोड निवासी रवि सोनी उर्फ रविशंकर सोनी के खिलाफ कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज है। मामले में आरोपी लगातार न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर कुर्की नोटिस चस्पा की गई है।

निर्वाण दिवस पर किया पूजन-अर्चन, छका प्रसाद

डलमऊ (रायबरेली), अमृत विचार। संस्कृत महाविद्यालय बड़ा मठ में 22वें महंत पूज्य स्वामी बद्री नारायण गिरी जी महाराज का निर्वाण दिवस पर पुण्यतिथि मनाई गई। मठ के महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्र आनंद गिरि के साथ साधु संतों ने विधि विधान से पूजन अर्चन किया। महंत कृष्णानंद भारती ने कहा कि पूर्व महंत अपने कार्यकाल में मठ पर विद्यालय की स्थापना किया। गंगा जी के अनन्य भक्त थे। इसलिए प्रत्येक दिन आरती पूजन गंगा में भोजन का भोग लगाते थे। अभय शास्त्री ने कहा कि लोगों ने उनके त्याग की भावना को जानते हैं। अध्यक्ष स्वामी देवेंद्र आनंद गिरी महाराज महामंडलेश्वर ने कहा कि संतों का लक्षण ही होता है कि त्याग पूर्वक मठ मंदिरों की रक्षा का कार्य मंत्र के द्वारा होता है। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि स्वामी बद्रीनारायण गिरी महाराज इतने सरल संत थे कि उनके द्वारा अनेक लोगों का कल्याण हुआ। इसके बाद भंडारा का आयोजन हुआ। इसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महंत स्वामी बद्री नारायण गिरी जी महाराज के निर्वाण दिवस पर प्रसाद छकते लोग। अमृत विचार

डॉ. अंजली पटेल को एमडी में मिला प्रवेश, जताई गई खुशी

शिवगढ़, रायबरेली

अमृत विचार। क्षेत्र के चन्दापुर मजरे गूढ़ा गांव की रहने वाली डॉ. अंजली पटेल को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर में सरकारी सीट पर एमडी में प्रवेश मिलने से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। डॉ.अंजली ने इससे पूर्व बीएमएस की डिग्री प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया था।

डॉ.अंजली पटेल।

डॉ.अंजली पटेल ने बताया कि वे अपने दादा स्व. गया प्रसाद वर्मा सेवानिवृत्त शिक्षक की प्रेरणा, माता कंचन लता, पिता अखिलेश सिंह के मार्गदर्शन एवं गुरुजनों के आशीर्वाद से इस मुकाम तक पहुंची हैं। उनका लक्ष्य एमडी की उपाधि प्राप्त कर आयुष कॉलेज में प्रोफेसर बनकर क्षेत्र का नाम रोशन करना और राष्ट्र सेवा करना है। डॉ.अंजली पटेल के पिता अखिलेश सिंह पिछले 25 वर्षों से एक निजी आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि अंजली पटेल ने पिछले वर्ष बीएमएस कॉलेज में सेकेंड रैंक हासिल की थी। इस वर्ष एमडी प्रवेश परीक्षा में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त कर सरकारी सीट पर दाखिला लिया है। डॉ.अंजली पटेल के चयन पर पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह, बलदेव वर्मा, अनुपम शुक्ला, आशाराम वर्मा, प्रधान प्रतिनिधि अंकित वर्मा, पूर्व प्रधान रामहेत रावत, राष्ट्रीय कल्याण मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज कुमार रावत, मिथिलेश सिंह वर्मा,संजय सिंह, धनंजय वर्मा आदि ने बधाई दी है।

भवानीगढ़ चौराहे पर सड़क निर्माण शुरू होने से छाई खुशी

अमृत विचार IMPACT

- पीडब्ल्यूडी ने की सीसी रोड निर्माण की शुरुआत

शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार। क्षेत्र में अमृत विचार की खबर का एक बार फिर बड़ा असर हुआ है। बारिश के दौरान जलभराव से हमेशा जलाशय में तब्दील रहने वाले शिवगढ़ नगर पंचायत अन्तर्गत भवानीगढ़ गोल चौराहे से बैंती मोड़ स्थित शिवगढ़ राजबहा की पुलिया तक अब सीसी रोड निर्माण कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा शुरू करा दिया गया है। यह मार्ग बांदा-बहराइच हाईवे पर स्थित भवानीगढ़ गोल चौराहे से बहुदा कला को जोड़ता है, जो लम्बे समय से जर्जर और बदहाल स्थिति में था।

भवानीगढ़ चौराहे पर गिराई गईं गिट्टियां।

बरसात के मौसम में भवानीगढ़ गोल चौराहे से राजबहा की पुलिया तक लगभग 150 मीटर मार्ग पर भारी जलभराव हो जाता था। इससे सम्पर्क मार्ग बदहाल हो गया था, जिससे छात्र-छात्राओं, व्यापारियों और राहगीरों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। सड़क की खराब स्थिति को लेकर क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी बनी हुई थी। इस समस्या को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर छपने के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने शेष मार्ग की मरम्मत तो करा दी थी, किन्तु जलभराव वाला एरिया छोड़ दिया था और अब जलभराव की स्थायी समस्या के समाधान के लिए भवानीगढ़ गोल चौराहे से शिवगढ़-रजबहा की पुलिया तक सीसी रोड निर्माण की शुरुआत कर दी गई है।

पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई अमन यादव ने बताया कि 150 मीटर लम्बी सीसी रोड बनाई जाएगी, जहां पर्याप्त जगह होगी वहां सड़क की चौड़ाई अधिक रखी जाएगी, जबकि संकरी जगह पर चौड़ाई कम रहेगी।

आयोजन

रैली को सीएफएआर जितेंद्र कुमार व विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश वर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

फाइलेरिया के बचाव को छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

शिवगढ़, रायबरेली

अमृत विचार। फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान के तहत शनिवार को शिवगढ़ क्षेत्र के बेड़ारु गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। आयुष्मान आरोग्य मन्दिर बेड़ारु से कम्पोजिट विद्यालय बेड़ारु के छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली गई रैली का उद्देश्य ग्रामीणों को फाइलेरिया जैसी गम्भीर बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। रैली को सीएफएआर जितेंद्र कुमार व विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश वर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

रैली गांव के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जहां बच्चों ने फाइलेरिया से बचाव, साफ-सफाई रखने, मच्छरों से सुरक्षा और दवा सेवन से संबंधित नारे लगाए। कार्यक्रम पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म के सहयोग से कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर रुचिका पटेल की अगुवाई में आयोजित किया गया। इसमें आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। इस मौके पर ज्योति गुप्ता, आरती वर्मा, मिथिलेश चौधरी, आशा, रजनी, अनन्त कुमार शुक्ला, मोहम्मद जुनैद आदि लोग उपस्थित रहे।

जागरूकता रैली निकालते बच्चे। अमृत विचार

मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

आरोग्य मेले में 57 मरीजों का उपचार, जगतपुर: रविवार को हरदी टीकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 57 मरीजों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

पीएचसी के डॉ. सुफैल अंसारी ने बताया कि आरोग्य मेले में खांसी, जुकाम, बुखार, शुगर, हाईपरटेंशन, सिरदर्द सहित अन्य सामान्य रोगों से पीड़ित मरीजों का उपचार किया गया। इनमें 27 पुरुष, 26 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल रहे। उपचार के उपरांत सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर में मरीजों ने कराई आंखों की जांच

महराजगंज (रायबरेली)। इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र कैसरबाग लखनऊ द्वारा हलोर चौराहे पर नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 125 मरीजों की आंखों की जांच की गई। शिविर में 45 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। 12 मरीजों को चश्मा दिया गया। शिविर में डॉ. जैनेन्द्र त्रिपाठी, दीपिका चौधरी, प्रतिमा मौर्या, संगीता, मोहित, सलीम आदि की संयुक्त टीम ने मरीजों का नेत्र परीक्षण किया। इस मौके पर रामसागर चौधरी, डॉ. वीरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र प्रताप सिंह, हौसिला प्रसाद तिवारी, दुर्गेश अवस्थी, पिन्टू चौधरी आदि मौजूद रहे।

नेत्र शिविर में मौजूद लोग। अमृत विचार

श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी, की पूजा-अर्चना

गंगा में स्नान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

ऊंचाहार (रायबरेली)

अमृत विचार। माघ मास की पूर्णिमा पर गंगा नदी में स्नान करने के लिए भारी भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई और पूजा करके दान दक्षिणा दी। मान्यता है कि माघ पूर्णिमा पर नारायण भगवान का वास गंगा जल में होता है। इसलिए जो पूरे मास स्नान न कर पाए हो, वो माघ पूर्णिमा पर गंगा स्नान कर लें तो पूरे मास में पुण्य मिलता है। क्षेत्र के गोकना गंगा घाट पर शनिवार की शाम को ही श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंच गए थे। लोगों ने रात में कल्पवास किया और रविवार की प्रातः काल स्नान किया। ऊंचाहार, सलोन, परशदेपुर, नसीराबाद, डीह आदि क्षेत्रों के लोगों ने स्नान किया।

न्यूज ब्रीफ

नरहरी दास की मनाई गई जयंती

ऊंचाहार, रायबरेली। आराध्य नरहरी दास जी बिट्ठल भगवान संपूर्ण स्वर्ण समाज के लिए प्रेरणादाई है। उनका अनुसरण करके ही समाज आगे बढ़ सकता है। यह विचार स्वर्ण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने ऊंचाहार में व्यक्त किए। रविवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल के कैम्प कार्यालय पर स्वर्णकार समाज के आराध्य संत शिरोमणि नरहरी दास की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा स्वर्णकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नरहरी दास के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमारे आराध्य नरहरी दास जी बिट्ठल भगवान के अत्यंत परम भक्त थे। क्षेत्रीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल ने कहा कि स्वर्णकार समाज सातों बिरादरी को जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस बार पूरा विश्वकर्मा समाज मिशन 2027 पर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री राधेश्याम सोनी, राजू सोनी, गिरधारी सोनी, सत प्रकाश सोनी, जवाहरलाल सोनी, श्याम जी सोनी, राकेश भदोरिया, अभय सिंह, राजकुमार तिवारी, विनीत कौशल, अरविंद शर्मा आदि मौजूद रहे।

भैंस चोरी का आरोप

लालगंज (रायबरेली): कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर गांव में शनिवार रात दो भैंस चोरी हो गई थी। पशुपालक शिवमोहन उर्फ राजू पता लगाते लगाते धानी खेड़ा बाजार पहुंच गया, जहां उसकी भैंसी महारानीगंज के एक व्यापारी के पास मिल गई। व्यापारी ने बताया कि बाजार में भैंस बेचने वाला युवक शाहपुर गांव का है। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पुरानी रंजिश में युवक को पीटा, जांच जारी

जगतपुर (रायबरेली): थाना क्षेत्र के धोबहा निवासी रौनक मिश्रा ने तहरीर देकर बताया कि उसके गांव के दो युवकों से पुरानी रंजिश लाठी डंडों से पिटाई कर दी। थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि तहरीर मिली है, मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा ने आम बजट को जन कल्याणकारी बताया

बजट-2026: भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने टेलीविजन पर बजट को सामूहिक रूप से देखा

संवाददाता, अमेठी

टीवी पर बजट को देखते भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला व भाजपा नेता।

अमृत विचार। भाजपा की अमेठी जनपद इकाई ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आम बजट का स्वागत करते हुए इसे जन कल्याणकारी, विकासोन्मुखी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने टेलीविजन पर बजट को सामूहिक रूप से सुना, जिसमें उत्साह और सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई।

भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि यह बजट किसान, युवा, महिला, गरीब और मध्यम वर्ग सभी के लिए आशा और अवसर लेकर आया है। बजट में कृषि, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे अमेठी जनपद भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को और मजबूती प्रदान करता है।

भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने इसे गरीब कल्याण, रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तिकरण का संतुलित दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए कौशल विकास, स्वरोजगार एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देना, महिलाओं का सशक्तिकरण, तथा ग्रामीण व शहरी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार अमेठी सहित पूरे देश को व्यापक लाभ पहुंचाएगा। यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना को साकार करता है। भाजपा अमेठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक और सशक्त कदम है। इस अवसर पर गौरीगंज स्थित जिला भाजपा कार्यालय पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष उमाशंकर पांडे, जिला महामंत्री केशव प्रसाद सिंह, प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विषुव मिश्रा, जिला महामंत्री भागीरथी मौर्य सहित प्रमुख कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

केंद्र की मोदी सरकार ने अपने वादों को नकार दिया: अशोक सिंह

अशोक सिंह हिटलर।

अमेठी, अमृत विचार। कांग्रेस नेता एव टीएसी सदस्य अशोक सिंह हिटलर ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते कहा कि मोदी सरकार के पास अब नए आइडिया खत्म हो गए है। बजट भारत की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों के लिए एक सवाल लेकर बैठा है। इस बजट में गरीब तबके के लिए कुछ नहीं है। बजट में महंगाई को कंट्रोल करने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। मोदी सरकार ने अपने वादों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि इकॉनॉमिक सर्वे दिखाता है कि व्यापार में अनिश्चितता भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है, लेकिन बजट इस समस्या को मुश्किल से ही स्वीकार कर रहा है। रुपए की गिरावट से निपटने के लिए भी सरकार के पास कोई योजना नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल संकट ठहरा हुआ वेतन, कमजोर उपभोक्ता मांग और निजी निवेश में सुस्ती है, लेकिन बजट में उपभोक्ता मांग को गति देने का कोई विचार नहीं दिखता है। वहीं, इस बजट में कर्ज के बढ़ते बोझ पर भी ध्यान नहीं दिया गया है। कहा कि इस बजट में शिक्षित युवाओं में फैले व्यापक बेरोजगारी संकट के समाधान से जुड़ी कोई बात नहीं है वित्त आयोग की सिफारिशों का अध्ययन करना होगा, लेकिन वे गंभीर वित्तीय दबाव में चल रही राज्य सरकारों को कोई राहत देते नहीं दिख रही हैं असमानता ब्रिटिश राज के दौर को भी पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका जिक्र तक नहीं किया गया है इसके साथ ही एसी-एसटी, पिछड़े वर्ग, ईडब्ल्यूएस या अल्पसंख्यकों के लिए किसी प्रकार की सहायता का प्रावधान नहीं किया गया है। तंज कसा कि पिछले साल के आवंटित बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, सोशल जस्टिस जैसे कई जरूरी क्षेत्रों में पूरा बजट ही खर्च नहीं किया गया है।

घने कोहरे के कारण बाउंड्रीवॉल से टकराई कार, 4 लोग घायल

बाउंड्रीवॉल से टकराने के बाद खड़ी क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

जायस (अमेठी)

अमृत विचार। जायस कोतवाली अंतर्गत घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से बांदा टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बहादुरपुर चौराहे के पास तेज रफ्तार कार विकास खण्ड कार्यालय की बाउंड्रीवॉल एवं खम्भे से टकरा गयी। जिससे दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गये। जिसमें एक युवक की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार रोहित उम्र 30 वर्ष एवं सतीश उम्र 30 वर्ष दो महिलाओं समेत कार से रायबरेली से सुल्तानपुर की ओर जा रहे थे जैसे बहादुरपुर चौराहे के 200मीटर पहले दृश्यता कम होने के कारण अनियंत्रित होकर विकास खण्ड कार्यालय की चहार दीवारी एवं 11000वोल्ट की लाइन के खम्भे से टकरा गयी जिससे कार में सवार चारों लोग घायल हो गये तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग जब घरों से बाहर आये तो घायलों को कार से बाहर निकालकर एम्बुलेंस एवं पुलिस को फोन किया गया। हादसे के बाद घायलों को सीएचसी फुरसतगंज भेजा गया, जहां पर डॉक्टर विजय बहादुर सतीश की हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया है।

जान से मारने की धमकी देने पर केस दर्ज

तिलोई (अमेठी)। मोहनगंज थानाक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूरे संतोष राय मजरे अहुरी निवासिनी गुड्डन देवी पत्नी स्व0 त्रियोगी नरायन चौरसिया ने दिन शनिवार को थाना मोहनगंज पहुंचकर लिखित प्रार्थनापत्र पुलिस को सौंपा। बताया कि पुश्तैनी जमीन की तहसील से पैमाइश व हकबरारी कराया जिसे मौके पर पहुंचकर हल्का लेखपाल व कानूनगो सहित पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में उस जमीन की नापकर पीड़िता को कब्जा दिलाया गया। पीड़िता गुड्डन देवी इस जमीन पर अपना मकान का निर्माण करवा रही है। वहीं विपक्षी शिवनाथ पुत्र जगन्नाथ अपने दोनों बेटे जंग बहादुर, तेजभान तथा जगजीवन यादव पुत्र अज्ञात के साथ मौके पर पहुंचकर बन रहे मकान को बंद करवा दिया। वहीं थाना प्रभारी राकेश सिंह ने बताया की चार नामजद एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है।

जलभराव होने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त

संवाददाता, अमेठी

मरम्मत न होने जर्जर मार्ग।

विद्यालय जाने वाली रोड जर्जर।

बदहाली
- लोगों ने कहा कि नाली नहीं बनने से भर रहा है पानी

अमृत विचार। कटरा राजा हिम्मत सिंह वार्ड नंबर 3 में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण घरों से निकलने वाला पानी सीधे गलियों में भर रहा है,जिससे स्थानीय लोगों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। जलभराव के चलते राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों को भी अपने घरों तक लाने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी विपिन तिवारी, अभिषेक मिश्रा, अंकित मिश्रा का कहना है कि सड़क के साथ-साथ नाली का निर्माण न होने के कारण घरों से गंदा पानी निकलने वाला गलियों में फैल जाता है। लोगों की मांग है कि नाली का निर्माण कर पानी को सही दिशा में निकाला जाए, जिससे जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। स्थानीय निवासी ने बताया कि यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई है और इसे लेकर कई बार प्रशासन को आवेदन भी दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

वही रह रहे लोगों का कहना है कि बरसात का मौसम नजदीक है और बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। पानी घुटनों तक भर जाता है, जिससे घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बार वाहन कीचड़ में फंस जाते हैं, जिन्हें निकालने के लिए अतिरिक्त साधनों की मदद लेनी पड़ती है।

विद्यालय जाने वाली सड़क टूटी छात्रों को हो रही परेशानी,

संग्रामपुर: जिले के विकासखंड संग्रामपुर क्षेत्र के ग्राम सभा चण्डेरिया के कंपोजिट विद्यालय में जाने वाली लगभग 50 मीटर सड़क टूटी-फूटी पड़ी हुई है। सड़क के किनारे तालाब होने के कारण पैदल वहां से चलना भी खतरा बना हुआ है। इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों ने बताया कि प्रतिदिन इसी रास्ते से आते जाते हैं लेकिन इस रास्ते की इंटरलॉकिंग तालाब की तरफ पूरी तरफ ढंश चुकी है जिसके कारण कई बार दुर्घटना हो चुकी है। अध्यापकों कहना है की विद्यालय में आने वाले आगंतुक अधिकारी को चार पहिया वाहन से आने मैं समस्या होती है सड़क एक तरफ पूरी तरह बैठ चुकी है जिसके कारण कभी किसी बड़ी घटना का संदेश मिल सकता है। फिलहाल उन लोगों ने सड़क मरम्मत की मांग की है।

छापेमारी में नशीली और प्रतिबंधित दवाएं बेचते मिले दो क्लीनिक, सीज

संवाददाता, प्रतापगढ़, अमृत विचार। पोर्टल पर मिल रही शिकायतों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बाबागंज के गुजवर में चल रहे झोलाछाप के क्लीनिक पर छापा मारा। स्वास्थ्य विभाग की टीम को देखते ही झोलाछाप भाग निकला। टीम के अनुसार वहां वे खतरनाक दवाएं पाई गई जिन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह के बिना इस्तेमाल नहीं किया जाता। उक्त खतरनाक दवाओं के साथ नशीली और प्रतिबंधित दवाएं भी मिलीं। जिन्हें सीज करते हुए झोलाछाप के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने में तहरीर दी गई। इसी क्रम में टीम ने हीरागंज बाजार में एक क्लीनिक पर छापा मारा। टीम के मुताबिक वहां भारी मात्रा में सरकारी अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं व इंजेक्शन देख सभी हतप्रभ रह गए। मरीज का इलाज करते झोलाछाप पाया गया। सरकारी दवाएं मरीजों को दी जा रही थीं, जबकि क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था। टीम में शामिल डॉ. राजेश कुमार, डॉ.आजाद अहमद, आरपी सिंह ने सरकारी दवाओं आदि को कब्जे में लेकर अवैध क्लीनिक को सील किया। दोनों के खिलाफ महेशगंज थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई। वहीं इस मामले में अपर शोध अधिकारी आरजी चौधरी ने बताया कि सीएमओ डॉ. एपन प्रसाद ने अवैध क्लीनिकों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। जिसके चलते जिलेभर के अवैध क्लीनिकों के खिलाफ निरंतर अभियान जारी रहेगा।

संदीप साहू अध्यक्ष और राहुल महामंत्री निर्वाचित

इंडियन प्रेस काउंसिल की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी।

कुंडा,प्रतापगढ़ अमृत विचार : इंडियन प्रेस काउंसिल की तहसील इकाई कुंडा का चुनाव रविवार को तहसील के पंचवटी परिसर में राष्ट्रीय संयोजक वीसी मिश्र की देखरेख में हुआ। अध्यक्ष पद पर संदीप साहू अध्यक्ष जबकि राहुल महामंत्री निर्वाचित हुए। राष्ट्रीय संगठन मंत्री आनंद शुक्ल, राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप कुमार विश्वकर्मा, संरक्षक अजय मिश्र ने चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराई। अध्यक्ष पद के लिए संदीप साहू, संदीप यादव व अजय मिश्र, महामंत्री पद के लिए राहुल यादव व हसीबुल्लाह चुनाव मैदान ने नामाकंन किया। कुल 34 मतदाताओं ने वोट डाले। 17 मत पाकर संदीप साहू अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। अजय मिश्र को 11, संदीप यादव को 6 मत प्राप्त हुए। 27 वोट पाकर राहुल यादव महामंत्री पद पर विजयी रहे। हसीबुल्लाह को महज 7 मत मिले। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर प्रमोद आजाद, अखिलेश त्रिपाठी, अजय मिश्र, कोषाध्यक्ष अमित पटेल, मीडिया प्रभारी अर्जुन धनगर, संगठन मंत्री अमित अग्रहरि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोनू मिश्र, कनिष्ठ उपाध्यक्ष राम भुआल एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शिव मोहन यादव, सौरभ कुशवाहा व सुभाष सोनकर को निर्विरोध चुने गए। परिणाम घोषित होते ही नव निर्वाचित पदाधिकारियों का फूल–मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय संगठन मंत्री शिवाकांत पांडेय, काशीराम राणा, अध्यक्ष लोकेश मिश्र, दुर्गेश त्रिपाठी, दिलीप साहू, देवेंद्र अग्रहरि शिवेंद्र तिवारी, कृष्ण प्रताप, विकास पांडेय, सतीश, छोटेलाल आदि मौजूद रहे।

ईशन्वी तिवारी ने रेसलिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

संवाददाता, अमेठी, अमृत विचार। जिले की होनहार खिलाड़ी ईशन्वी तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। टच कंटेंट आर्म बॉक्सिंग (आर्म रेसलिंग) की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ईशन्वी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता पंत स्टेडियम, सुल्तानपुर में आयोजित की गई, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। राजर्षि रणजय सिंह ग्लोबल स्कूल की छात्रा ईशन्वी तिवारी ने 64 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिभाग करते हुए हरियाणा और महाराष्ट्र की टीमों के खिलाड़ियों को पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया। ईशन्वी तिवारी श्री का पुरवा, टिकरी, अमेठी की निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी की लहर है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों तथा स्थानीय लोगों ने ईशन्वी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मेधावी ईशन्वी तिवारी की यह सफलता जिले हर क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए हमेश प्रेरणास्रोत बन रही है।

गायत्री परिवार की जनपद स्तरीय बैठक संपन्न

अमेठी। गायत्री प्रज्ञापीठ गौरीगंज में शताब्दी वर्ष के अंतर्गत जनपदीय कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वर्तमान वर्ष 2026 के दौरान जनपद स्तर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियानों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में अमेठी जनपद ही नहीं वरन समूचे देश एवं विश्व में भी विविध अभियान चलाए जा रहे हैं। बैठक ने जिला समन्वयक डॉ. त्रिवेणी सिंह ने जनवरी माह में बैरागी द्वीप, हरिद्वार में संपन्न जन्म शताब्दी समारोह का उल्लेख किया। वहीं सर्वसम्मति से कौशल किशोर वैश्य को मुसाफिरखाना तहसील समन्वयक, राणा प्रताप सिंह को अमेठी तहसील समन्वयक, अखिलेश तिवारी को गौरीगंज तहसील समन्वयक तथा कृष्ण कुमार सिंह को तिलोई तहसील समन्वयक मनोनीत किया गया। बैठक में राधेश्याम त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, कौशल किशोर वैश्य, अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण सिंह, अविनाश सिंह, लाल अशोक रहे।

नौकरी के नाम पर 6 लाख की ठगी चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता, रानीगंज (प्रतापगढ़)

अमृत विचार। रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर छह लाख रुपये की ठगी हो गई है। रुपये देने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी तो पीड़ित को अपने साथ ठगी होने की जानकारी हुई। इसके बाद उसने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

प्रयागराज के कोतवाली फूलपुर के लतीफपुर निवासी सुनील कुमार बिंद पुत्र प्यारेलाल ने रानीगंज थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि 13 नवंबर 2023 को अमर बहादुर पटेल पुत्र रामराज पटेल निवासी ग्राम संडीला थाना रानीगंज ने उसे अपने घर बुलाया और कहा कि 6 लाख रुपये और अपना शैक्षिक प्रमाणपत्र मुझे दीजिए। मैं आपकी नौकरी रेलवे में लगवा दूंगा। झांसे में लेकर अमर बहादुर पटेल ने अपने बेटे नीरज पटेल के खाते में दो लाख 48 हजार रुपये जमा कराये और अपने दूसरे लड़के सूरज पटेल के खाता में 52 हजार रुपये जमा कराये। फिर तीन लाख रुपये सुरजीत कुमार गौतम पुत्र प्यारेलाल गौतम निवासी ग्राम-पीठापुर, थाना आसपुर देवसरा के खाते पर जमा कराया। अमर बहादुर पटेल ने कहा कि अब तुम्हे सुरजीत कुमार गौतम रेलवे में नौकरी लगवा देंगे। कुछ दिन बीत जाने के बाद पीड़ित को रजिस्ट्रर्ड डाक द्वारा ज्वाइनिंग लेटर भेजकर सुरजीत कुमार गौतम ने लखनऊ बुलाया और रजिस्ट्रर्ड लेटर ले लिया। उसने ट्रेनिंग के लिए दिल्ली चलने के लिए कहा। वहां पर सकूर बस्ती रेलवे स्टेशन पर उपरोक्त लोगों का एक आदमी मिला और वह ड्यूटी पास, हाजिरी स्लिप, आइडी कार्ड, रेलवे पास देकर एक महीने ट्रेनिंग कराया और घर भेज दिया। 13 अक्टूबर 2024 को एक महीने का वेतन 14560 रुपये खाते में भेज दिए। उसके बाद अमर बहादुर पटेल व सुरजीत कुमार गौतम बात करना बंद कर दिया और कहा कि जब काल लेटर जाएगा तब आना। काफी समय बीत गया काललेटर नहीं आया। तब उन लोगों से मिलने की कोशिश की और फोन से भी सम्पर्क किया, किंतु न तो फोन से बात हुई और न ही वे लोग मिले। जब पता चला कि उक्त लोग अमर बहादुर पटेल व उसका बेटा नीरज पटेल व सूरज पटेल व सुरजीत कुमार गौतम ने मिलकर ठगी व धोखाधड़ी व साजिश की है। उन्होंने नौकरी के नाम पर ठगी की। रानीगंज पुलिस ने शिकायत मिलने पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

कार्यालय द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर

प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि द्वितीय वाहिनी पीएसी, सीतापुर में वित्तीय वर्ष 2025–2026 में मानक मद 44 प्रशिक्षण के अन्तर्गत वाहिनी आरटीसी में प्रशिक्षण कार्य हेतु निम्नलिखित कार्य आगणन के अनुसार कराया जाना है–

क्र.सं.	कार्य का विवरण	कराये जाने वाले कार्य की धनराशि (आगणन के अनुसार)
1	01 अदद मंकी रोप का निर्माण कार्य।	2.50 लाख
	योग	2.50 लाख

अतः उपरोक्त कार्यों को कराये जाने हेतु निविदा दिनांक–05/02/2026 को समय 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तदिनांक को ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राधिकृत किये गये राजपत्रित अधिकारी द्वारा समय 13.00 बजे खोली जायेगी। इच्छुक ठेकेदार नियत तिथि के पूर्व किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर टेण्डर फार्म प्राप्त कर सकते है।

पत्र सख्या– म–01/2026, दिनांक – 29/01/2026

सेनानायक, द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे पुत्र का स्कूल में नाम AADHYANSH गलत अंकित हो गया है जबकि सही नाम ADYANSH DWIVEDI है। उसे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **आदर्श द्विवेदी पुत्र श्री आर एस दुबे निवासी 135, वैट गंज थाना कोतवाली शहर जिला हरदोई।**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम TANVEER SIDDIQUI था अब बदलकर TANVEER SAEED SIDDIQUI रख लिया है भविष्य में मुझे TANVEER SAEED SIDDIQUI के नाम से जाना व पहचाना जाये IS/0-LATE-ABDUL SAEED ADD-MOHALLA NAZIRPURA EAST- PS-NAGAR KOTWALI DIST-BAHRAICH-271801 (U.P.)

सूचना

मेरे पुत्र दीपक यादव का चाल चलन समाज विरोधी व संदेहजनक हो गया है। समझाने के बाद भी उसमें सुधार नही है। इस कारण से मैने उससे सम्बंध विच्छेद कर अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया। यदि वह किसी से लेनदेन या कोई कृत्य करता है तो वह स्वंय ही जिम्मेदार होगा। उसका परिवार के लोगों से कोई सरोकार नहीं। **सतीश कुमार पुत्र मोहर सिंह निवासी मोहनपुर पोस्ट लरखौर सैंफई इटावा।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा और मेरे पिता का नाम आनंद त्रिपाठी पुत्र रामकृपाल त्रिपाठी दर्ज है जबकि पैन कार्ड में मेरा और मेरे पिता का नाम आनंद तिवारी पुत्र राम कृपाल तिवारी दर्ज है, भविष्य में मेरे और मेरे पिता के नाम को आनंद त्रिपाठी पुत्र राम कृपाल त्रिपाठी समझा व पढ़ा जाए। **आनंद त्रिपाठी पुत्र रामकृपाल त्रिपाठी ग्राम व पो. हाजीपुर जिला अयोध्या**

सूचना

मैं सत्य नारायण सुत स्व0 बाबू राम निवासी ग्राम सोनबरसा पोस्ट रामापुर थाना धम्मौर जनपद सुलतानपुर यह कि मैं आर्मी से सेवानिवृत्त आर्मी नं0 13869536H नायक के पद पर सेवा दे चुका है। मेरी सेवापुस्तिका में मेरे पत्नी चन्द्रावती की जन्मतिथि 01/07/1962 व नाम चन्द्रवती दर्ज हो गया है जबकि मेरे पत्नी की सही जन्मतिथि 01/01/1959 व नाम चन्द्रावती सत्य व सही है।

सूचना

मेरे पिता महादेव पुत्र रामदुलारे विगत 25 फरवरी 2016 से अचानक कहीं गायब हो गए हैं। इनकी उम्र लगभग 88 वर्ष है। इनका रंग सांवला लंबाई 5 फीट 8 इंच है। शरीर दोहरा तथा बाल सफेद है। इनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। इनके लापता होने की सूचना थाना तुलसीपुर में 10 अक्टूबर 2017 को दर्ज है। इनकी बहुत तलाश की गई लेकिन इनका कोई पता नहीं चल सका है। **संतराम पुत्र महादेव निवासी ग्राम संडवा गुलरिहा, परगना, थाना व तहसील तुलसीपुर जनपद –बलरामपुर +919651453805**

सूचना

पहले मेरा नाम Vasim Khan था अब मैने बदलकर अपना नाम Waseem Khan रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- Mohammad Shahid Khan R/O- Bhewapar, Isur, Sultanpur, Uttar Pradesh, - 228142

सूचना

पहले मेरा नाम SANJAY SINGH था अब मैने बदलकर अपना नाम SANJAY SINGH KASERA रख लिया है भविष्य में मुझे SANJAY SINGH KASERA के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RADHEY SHYAM R/O- 486/68, THATHERI BAZAR DALIGANJ STATION, LUCKNOW

कार्यक्रम | उद्यान मंत्री ने ऊंचाहार में ओम सोलर सॉल्यूशंस का किया उद्घाटन

ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है भारत : दिनेश

ऊंचाहार (रायबरेली)

सौर ऊर्जा प्रतिष्ठान का उद्घाटन करते उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। भारत तेजी के साथ हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। पीएम मोदी की क्रांतिकारी नीतियां न सिर्फ राष्ट्र को समृद्ध कर रही है, अपितु हमारी जरूरतों को पूरा करने में सुगम बना रही है। यह विचार प्रदेश के उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रविवार को ऊंचाहार में ओम सोलर सॉल्यूशंस का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ रहे भारत के कदम की चर्चा करते हुए बताया कि इस क्षेत्र में हम आत्मनिर्भर होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे रहे हैं।

उद्यान मंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा को अपनाकर भारत तेजी से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, जिससे न केवल बिजली बिलों में भारी कटौती हो रही है, बल्कि पर्यावरण को भी स्वच्छ रखने में मदद मिल रही है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और अन्य सरकारी पहलों के माध्यम से लोग अपने घरों और व्यवसायों में सोलर पैनल लगवाकर ग्रिड की निर्भरता कम कर रहे हैं।

सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली से बिजली बिलों में भारी कटौती होती है, और 25 वर्षों तक स्वच्छ ऊर्जा मिलती है। यह प्रदूषण मुक्त ऊर्जा का स्रोत है, जिससे कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन कम होता है और वातावरण स्वच्छ रहता है। भारत 2050 तक सौर ऊर्जा के उत्पादन और तकनीक में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे ऊर्जा आपूर्ति अधिक सुरक्षित हो रही है। इससे पूर्व कार्यक्रम में पहुंचने पर वरिष्ठ भाजपा नेता समलखन गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, खोजनपुर गांव की प्रधान राची गुप्ता और सुधीर गुप्ता ने उनका स्वागत किया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, नगर पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष ज्ञान बहादुर सिंह, पूर्व प्रधान चुन्नू सिंह, प्रधान रवि सिंह, कनक बिहारी सिंह आदि मौजूद थे।

संघ का हुआ वन विहार कार्यक्रम

मुसाफिरखाना (अमेठी): क्षेत्र के वीर भाले सुल्तान वेटलैंड पार्क कादूनाला में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंतर्गत युवा सम्मेलन एवं वन विहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग सद्भाव प्रमुख सुरेश व खंड संचालक संतोष ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। यहां खंड कार्यवाह अमितेन्द्र, अभिषेक, सुरेश आदि पदाधिकारी रहे।

आवश्यकता है

दिव्य कृपाल महाविद्यालय गोसवा मल्लावां हरदोई में

परास्नातक जन्तुविज्ञान में 04 पद परास्नातक शिक्षाशास्त्र में 04 पद व स्नातक बी0ए0 में इतिहास 04 पद व राजनीति विज्ञान 04 पद तथा स्नातक बी0सी0ए0 –15 पद योग्यता व वेतन यूजीसी व ल0वि0वि0 मानक के अनुसार।

आवेदन

divyakripalpgcollege@gmail.com, 9161797179 पर भेजे

प्रबन्धक **श्री राकेश कुमार वर्मा**

जेफरी एपस्टीन फाइल : ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू से पूछताछ का बढ़ा दबाव

● पूर्व प्रिंस पर महिला ने लगाया है यौन संबंध बनाने का आरोप

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पर यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के अपराधों के स्तर की जांच कर रही अमेरिकी समिति के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने का दबाव बढ़ गया है। विंडसर की शाही स्थिति उनके भाई और ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने रद्द कर दी थी।

मामले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि एपस्टीन उसे 2010 में तत्कालीन प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन ले गया था। महिला का दावा है कि वह विंडसर कैसल एस्टेट स्थित एंड्रयू के शाही निवास में गई थी। ब्रिटिश राजपरिवार के पूर्व सदस्य पर इस तरह का आरोप लगाने वाली यह दूसरी महिला है।

एंड्रयू लगातार आरोपों से इनकार करते रहे हैं। हालांकि, नवीनतम मामले में उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जापान की यात्रा पर गए ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने रविवार को इस संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि मैंने हमेशा एपस्टीन के कृत्यों से पीड़ित लोगों को प्राथमिकता देते हुए मामले पर विचार किया है।

एपस्टीन के पत्राचार में मैक्रों का भी जिक्र

वाशिंगटन। जेफरी एपस्टीन ने कथित तौर पर अपने पत्राचार में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का ज़िक्र किया था, जो एक प्रगतिशील एजेंडा को बढ़ावा देने की संभावनाओं में रुचि रखते थे। नए दस्तावेज़ों में रविवार को यह दावा किया गया। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा प्रकाशित एपस्टीन मामले में एक ई-मेल की कॉपी में यह कहा गया है। यह पत्र सितंबर 2018 में दावोस में विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे को एक ऐसी ई-मेल से भेजा गया था।

चिकित्सकों ने तलाश ली घातक सल्फास विषाक्तता की काट

● चंडीगढ़ पीजीआई के डॉक्टरों को मिली बड़ी सफलता

चंडीगढ़, एजेंसी

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ स्थित स्नातकोत्तर चिकित्सा एंव अनुसंधान (पीजीआईएमईआर) के चिकित्सकों ने एल्युमिनियम फॉस्फाइड (जिसे आमतौर पर सल्फास के नाम से जाना जाता है) नामक घातक कीटनाशक से होने वाली विषाक्तता के उपचार में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

पीजीआईएमईआर ने एक बयान में बताया कि संस्थान के आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा किये गए अनुसंधान में पहली बार प्रदर्शित किया गया कि सल्फास की विषाक्तता के इलाज में इंट्रावेनस लिपिड इमल्शन प्रभावी जीवन रक्षक तरीका है। बयान के मुताबिक इन महत्वपूर्ण निष्कर्षों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिका यूरोपियन रिव्यू ऑफ मेडिकल एंड फार्माकोलॉजिकल साइंसेज में प्रकाशित किया गया है, जिससे इस अध्ययन को वैश्विक मान्यता मिली है। पीजीआईएमईआर के मुताबिक अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट होता कि इस इलाज पद्धति को तुरंत इस्तेमाल करने से एल्यूमीनियम फॉस्फाइड विषाक्तता के इलाज में अहम बदलाव आ सकता है। इसमें कहा गया कि अध्ययन के परिणाम बेहद उत्साहजनक थे। जिन रोगियों को मानक चिकित्सा उपचार के अतिरिक्त अंतःशिरा लिपिड इमल्शन दिया गया, उनमें मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई, साथ ही गंभीर चयापचय अम्लता का तेजी से सुधार हुआ, हेमोडायनामिक स्थिरता में सुधार हुआ तथा सदमे और हृदय संबंधी जटिलताओं से पीड़ित रोगियों सहित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में बेहतर परिणाम प्राप्त हुए।

कम लागत में अब आसानी से मिलेगा उपचार

चिकित्सकों के मुताबिक इस नवीन उपचार का एक प्रमुख लाभ इसकी व्यावहारिकता है, क्योंकि इंट्रावेनस लिपिड इमल्शन सस्ता है, व्यापक रूप से उपलब्ध है, और पहले से ही भारत भर के अधिकांश अस्पतालों में, जिनमें जिला अस्पताल और परिधीय स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं, स्टॉक में मौजूद है। बयान में कहा गया है कि इसकी कम लागत और आसानी से उपलब्धता के कारण, इस चिकित्सा पद्धति में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी लोगों की जान बचाने की क्षमता है, जहां सेल्फ़ोस विषाक्तता का बोझ सबसे अधिक है और उन्नत गहन देखभाल तक पहुंच अक्सर सीमित होती है। संस्थान ने कहा कि कम लागत और आसानी से उपलब्धता के कारण, इस चिकित्सा पद्धति में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी लोगों की जान बचाने की क्षमता है, जहां सेल्फ़ोस विषाक्तता के मामले सबसे अधिक आते हैं और उन्नत गहन देखभाल तक पहुंच सीमित होती है।

गंभीर जन स्वास्थ्य के लिए था चुनौती

इसमें कहा गया कि एल्युमिनियम फॉस्फाइड विषाक्तता एक गंभीर जन स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में, जहां अनाज को संरक्षित रखने के लिए इस यौगिक का व्यापक इस्तेमाल होता है। इसलिए इन क्षेत्रों के लिए एक प्रभावी, किफायती और साक्ष्य-आधारित उपचार की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। बयान के अनुसार, यह अध्ययन पीजीआईएमईआर के आंतरिक चिकित्सा विभाग के डीन (अकादमिक), प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में किया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

सिंगापुर में हिंदुओं ने मनाया थाईपुसम

सिंगापुर। सिंगापुर के संस्कृति मंत्री दिनेश वासु दास ने यहां श्रद्धालुओं के साथ एक धार्मिक उत्सव में भाग लिया। मंत्री ने रविवार को थाईपुसम उत्सव में भाग लिया। उत्सव के तहत श्रीनिवास पेरुमल मंदिर से श्री थेंदायतुपानी मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई और इस दौरान श्रद्धालुओं ने 3 .2 किलोमीटर तक यात्रा की। श्रद्धालु अपने साथ पालकुडम (दूध के पात्र) लिए हुए थे। हिंदू एंडोमेंट्स बोर्ड (एचईबी) ने बताया कि शोभायात्रा शनिवार देर रात शुरू हुई और रविवार तक जारी रही। शोभायात्रा में सिंगापुर के संस्कृति, समुदाय और युवा एवं श्रमशक्ति मंत्री दिनेश वासु दास और उनकी पत्नी डॉ. रथीगा वेलाइथन भी शामिल थीं।

आइवरी कोस्ट में हादसे में 14 की मौत

अबिजान। आइवरी कोस्ट में शनिवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हादसा सुबह करीब पांच बजे कबाडूगू इलाके में हुआ और इसमें एक ट्रक शामिल था जो अनाज ले जा रहा था और जिसमें अवैध रूप से 69 यात्री सवार थे। परिवहन मंत्री अमादौ कोन ने कबाडूगू क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को हादसे की शुरुआती जानकारी इकट्ठा करने के लिए तुरंत मौके पर जाने का निर्देश दिया है।

अमेरिका में गोलीबारी में पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में लुइसियाना राज्य के क्लिंटन में शनिवार को "मार्डी ग्रास इन द कंट्री परेड के दौरान हुई गोलीबारी में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह घटना क्लिंटन में पूर्वी फेलिसियाना पैरिश कोर्टहाउस के बाहर हुई। पूर्वी फेलिसियाना पैरिश के शेरिफ जेफ ट्रैविस ने स्थानीय समाचार आउटलेट डब्ल्यूएएफबी को बताया कि घायलों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। ट्रैविस ने कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और पुलिस गोलीबारी के संबंध में एक गाड़ी की तलाश कर रही है।

थाईलैंड में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू

बैंकॉक। थाईलैंड में आम चुनाव के लिए पूर्व मतदान रविवार को शुरू हुआ जिसमें 20 लाख से ज्यादा पात्र मतदाता हिस्सा ले रहे हैं, जो आठ फरवरी को आधिकारिक मतदान के दिन अपना वोट नहीं डाल पाएंगे। मतदान शाम 5 बजे समाप्त होगा और आठ फरवरी के बाद सभी मतपत्रों की गिनती की जाएगी। चुनाव में पांच करोड़ से ज्यादा मतदाता कुल 500 सदस्य चुनेंगे।

अमेरिका ने युद्ध छेड़ा तो इस बार पूरा क्षेत्र इसकी चपेट में आएगा

ट्रंप की जंग की धमकी पर ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई ने दी चेतावनी

● खामेनेई ने दोहराया, ईरान पर हमलावरों को देंगे कड़ा जवाब

दुबई, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकी पर पलटवार करते हुए रविवार को चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने हमला किया, तो पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध भड़क सकता है। अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन और इससे जुड़े युद्धपोत फिलहाल अरब सागर में तैनात हैं, जिन्हें ट्रंप ने तेहरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के बाद भेजा था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप सैन्य ताकत का उपयोग करेंगे या नहीं।

उन्होंने कई बार कहा है कि ईरान बातचीत चाहता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा हल होते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि, खामेनेई ने राष्ट्रीय स्तर पर जारी विरोध प्रदर्शनों को तख्तापलट जैसा बताया और कहा कि इससे सरकार का रुख और कड़ा हो गया है। विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से लाखों लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं। ईरान में राजद्रोह के मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान है। इससे यह चिंता फिर से बढ़ गई है कि तेहरान गिरफ्तार लोगों को सामूहिक रूप से फांसी दे सकता है। ईरान ने रविवार और सोमवार को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास करने की योजना भी बनाई है। होर्मुज जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में दुनियाभर में तेल की ढुलाई होती है। खामेनेई ने कहा, अमेरिकियों को यह समझ लेना चाहिए कि यदि वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। खामेनेई ने कहा, हम न तो उकसाने वाले हैं और न ही किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरान पर जो कोई भी हमला करेगा उसे ईरानी जनता कड़ा जवाब देगी।

ईयू सेनाओं को आतंकवादी समूह मानता है ईरान

दुबई। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी संगठन मानता है। उनका यह कड़ा बयान उस फैसले के बाद आया है, जिसमें यूरोपीय संघ ने देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई को लेकर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर क़ालिबाफ द्वारा की गई यह घोषणा मुख्यतः प्रतीकात्मक मानी जा रही है। ईरान 2019 में पारित एक कानून के तहत पहले भी अमेरिका द्वारा रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के जवाब में अन्य देशों की सेनाओं को आतंकवादी संगठन करार दे चुका है।

हालिया प्रदर्शन तख्तापलट जैसा

दुबई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने देशभर में जारी उन विरोध-प्रदर्शनों की तुलना एक तख्तापलट से की, जिनसे वहां की धार्मिक शासन व्यवस्था को चुनौती मिली है। ईरान के सर्वोच्च नेता 86 वर्षीय खामेनेई की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विरोध प्रदर्शनों के बाद देश में कथित तौर पर हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान में राजद्रोह के आरोपों में मौत की सजा तक का प्रावधान है। ईरान में 28 दिसंबर को विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। शुरुआत में ईरानी मुद्रा रियाल के पतन के विरोध में हुए थे। जल्द ही ये खामेनेई शासन के लिए चुनौती बन गए।

फोन टैपिंग मामले में तेलंगाना के पूर्व सीएम से पूछताछ

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) रविवार को बीआरएस की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान फोन टैपिंग से संबंधित एक मामले में तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष अपने आवास पर पूछताछ के लिए पेश हुए। पूछताछ से कुछ घंटे पहले, राव हैदराबाद से लगभग 70 किलोमीटर दूर येर्रावल्ली स्थित अपने फार्म हाउस से निकले और एसआईटी के सामने पेश होने के लिए नंदी नगर स्थित अपने आवास पर पहुंचे। एसआईटी अधिकारियों का एक दल भी बीआरएस अध्यक्ष के आवास पहुंचा। राव के आवास के पास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, भारी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था और गली को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। केसीआर के नाम से चर्चित राव ने शनिवार को एसआईटी से कहा था कि वह एक फरवरी को पूछताछ के लिए पेश होंगे। उन्होंने नोटिस जारी करने में जांच अधिकारी पर कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किए जाने का भी आरोप लगाया। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने रविवार को कांग्रेस सरकार द्वारा उनके नेता के राजनीतिक उत्पीड़न के विरोध में तेलंगाना में प्रदर्शन किया।

सरकारों के हाथ से निजी कंपनियों को जा रही सत्ता

● संरा महासचिव ने किया शांति, न्याय, सतत विकास का आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

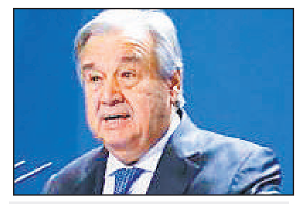

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच शांति, न्याय और सतत विकास के लिए नए प्रयासों का आह्वान किया है। गुटेरेस ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया शायद हमारे समय के सबसे बड़े सत्ता हस्तांतरण से गुजर रही है। सत्ता सरकारों से निजी तकनीकी कंपनियों के हाथों में जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी, जब व्यवहार, चुनाव, बाजार और यहां तक कि संघर्षों को आकार देने वाली तकनीकें बिना किसी सुरक्षा घेरे के काम करती हैं, तो प्रतिक्रिया नवाचार नहीं, अस्थिरता होती है।

महासचिव ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष यानि 2026 की प्राथमिकताओं की रूपरेखा पेश करते हुए कहा कि 2026 'अभी से निरंतर आश्चर्य और उथल-पुथल वाले वर्ष के रूप में आकार ले रहा है।' उन्होंने कहा कि अत्यधिक बदलाव के समय में वह उन सिद्धांतों की ओर लौटते हैं, जो बताते हैं कि ताकतें कैसे काम करती हैं। इसमें न्यूटन का तीसरा नियम भी है, जो कहता है कि हर क्रिया की एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। गुटरेस ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में, हम ऐसी कार्रवाइयों को चुनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं जो ठोस और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करें। हमारे संकटपूर्ण समय में शांति, न्याय, जिम्मेदारी और प्रगति की प्रतिक्रियाएं। महासचिव ने चैन रिएक्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दंड न मिलने का भाव संघर्षों को बढ़ावा दे रहा है, अविश्वास गहरा रहा है और हर क्षेत्र में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

संरचनाएं पुरानी हो सकती हैं, मूल्य नहीं

संयुक्त राष्ट्र की ओर इशारा करते हुए गुटेरेस ने कहा कि संरचनाएं पुरानी हो सकती हैं, लेकिन मूल्य नहीं। संयुक्त राष्ट्र चार्टर लिखने वाले लोग समझते थे कि हमारे संस्थापक दस्तावेजों में निहित मूल्य केवल ऊंचे विचार नहीं थे बल्कि स्थायी शांति और न्याय के लिए अनिवार्य शर्त थे।

तुर्किये में बस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

इस्तांबुल। तुर्किये के अंताल्या प्रांत में एक यात्री बस के सड़क से फिसलकर पलट जाने से इसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकारी प्रसारक टीआरटी द्वारा प्रसारित तस्वीरों में बस डोसेमेल्टी जिले में एक राजमार्ग से फिसलकर पलटती दिखती है। प्रांतीय गवर्नर हुलुसी साहिन ने बताया कि इस दुर्घटना में 26 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। समाचार एजेंसी डीएचए के अनुसार, बस के पलटने के बाद कुछ यात्री इसमें से बाहर निकलने में सफल रहे। भूमध्य सागर के किनारे स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल अंताल्या में हाल के दिनों में भारी बारिश हुई है।

धोखाधड़ी में 36 भारतीयों सहित दो हजार गिरफ्तार

● कंबोडिया में कैसिनो में छापामारी के दौरान की गई कार्रवाई

नोम पेन्ह, एजेंसी

कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के दौरान कुल 2,044 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 36 भारतीय भी शामिल हैं। यह जानकारी कंबोडियाई गृह मंत्रालय ने रविवार को दी। शनिवार को दक्षिणपूर्वी स्वे रींग प्रांत के बावेत शहर में 22 इमारतों वाले एक कैसिनो पर छापेमारी के दौरान आठ अलग-अलग देशों के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार कुल 2,044 विदेशी नागरिकों में 1,792 चीनी, 177 वियतनामी, 179 म्यांमारी, 30 नेपाली, पांच ताइवानी, एक मलेशियाई, दो लाओसी, 36 भारतीय और एक मैक्सिकन नागरिक हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखाक ने कहा कि कंबोडियाई सरकार ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल अपराधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई में कभी ढील नहीं देगी। उन्होंने कहा कि कंबोडिया अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं बल्कि नरक है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देश ने सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था एवं सामाजिक सुरक्षा को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने के उद्देश्य से साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क के खिलाफ अभूतपूर्व राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। पिछले सात महीनों में 23 देशों के कुल 5,106 धोखाधड़ी के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

इजराइल ने रफाह सीमा को प्रायोगिक तौर पर खोला

काहिरा। इजराइल ने फलस्तीनियों के सीमित आवागमन के मद्देनजर गाजा की मिस्र के साथ रफाह सीमा क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोलने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद रफाह सीमा क्रॉसिंग पर रविवार को चहल-पहल देखी गई। रफाह सीमा क्रॉसिंग को दोबारा खोलना इजराइल-हमास संघर्षविराम के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इजराइल ने रविवार को घोषणा की कि रफाह क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोल दिया गया है। गाजा को मानवीय सहायता के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली इज़राइली सैन्य एजेंसी सीओजीएटी ने एक बयान में कहा कि क्रॉसिंग को पूर्ण संचालन के लिए सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है।

ट्रंप का दावा, भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से खरीदेगा तेल

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा तेल के लिए चीन भी कर सकता है सौदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। ट्रंप ने शनिवार को फ्लोरिडा के पाम बीच जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में की कि क्या चीन वेनेजुएला को दिए गए कर्ज की भरपाई तेल आपूर्ति के बदले कर पाएगा।

ट्रंप ने कहा कि चीन का स्वागत है और वह तेल के मामले में एक बड़ा सौदा कर सकता है। हम चीन का स्वागत करते हैं। हम पहले ही एक सौदा कर चुके हैं। भारत आ रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला का तेल खरीदेगा। हमने पहले ही यह सौदा कर लिया है, कम से कम इस सौदे की अवधारणा तो तय हो चुकी है। ट्रंप की इन टिप्पणियों पर नई दिल्ली की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भारत 2019 तक ईरानी तेल का एक प्रमुख खरीदार रहा है, लेकिन तेहरान पर अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लगाए जाने के बाद भारत ने ईरान से तेल आयात में काफी कटौती कर दी थी।

ट्रंप के ये बयान ईरान और वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंधों और इन देशों से कच्चा तेल न खरीदने को लेकर प्रमुख ऊर्जा आयातक देशों पर बनाए जा रहे दबाव की पृष्ठभूमि में आए हैं। हाल के वर्षों में भारत ने रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है, जिससे रूस भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया है, जिसमें रूसी तेल की खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा एवं विस्तृत करने पर सहमति जताई।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 2 फरवरी, सोमवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 3 फरवरी 01.52 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

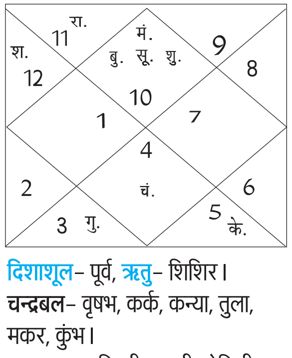

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्लेशा 22 .47 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज आयात-निर्यात के कारोबार में तेजी आएगी। अधिकारी वर्ग आपकी अनदेखी कर सकते हैं। विरोधियों को हल्के में न लें। अपनी जीवनशैली को सुधारने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। धार्मिक साहित्यों की ओर आपकी रुचि बढ़ सकती है।

वृष — आज तीर्थ यात्रा सुखद रहेगी। व्यापार में उन्नति के अवसर मिलेंगे। आप अपनी योजनाओं को लेकर थोड़े कन्फ्यूज हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नए दोस्त बन सकते हैं। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति विश्वास बनाए रखें।

मिथुन — आज अपने व्यक्तिगत कार्यों को प्रोफेशनल जीवन से अधिक महत्व देंगे। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करने के लिए दिन उत्तम है। प्रेम संबंधों को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा।

कर्क — आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण करने का दबाव रहेगा। अपने व्यवहार में लचीलापन बनाए रखें। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। आपके ऊपर काफी जिम्मेदारियां रहेंगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में उत्तम सफलता मिल सकती है।

सिंह — आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में आपको कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। धन लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। विदेश से जॉब के अवसर मिलने की संभावना है। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका दायरा मजबूत होगा।

कन्या — आज दिन का शुरुआती भाग आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। आप कुछ नया सीखने को लेकर प्रेरित हो सकते हैं। आपके ऊपर पुराने ऋण को चुकाने का दबाव हो सकता है। संपत्ति के क्रय-विक्रय से बेहतरीन लाभ मिलेगा। शाम को सिरदर्द की शिकायत होगी।

तुला — आज इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े लोगों का काम बढ़ने वाला है। गुप्त शत्रुओं की वजह से कार्यक्षेत्र में कुछ समस्या हो सकती है। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। दूसरों के झगड़ों में मध्यस्थता न करें। ऑनलाइन कारोबार में आपको बड़ा लाभ होगा।

वृश्चिक — आज आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। उच्च अधिकारियों से आपको बड़ा लाभ हो सकता है। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

धनु — आज आपके आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि होगी। मेहनत के बल पर आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र की राजनीति के कारण आपको समस्या होगी। जॉब में आपको ओवरटाइम करना पड़ सकता है। अपने खर्चों को नियंत्रित रखने का प्रयास करें।

मकर — आज शाम को आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आप जिनके साथ अच्छा करें वही आपको महत्व न दें। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। नजदीकी व्यक्तियों के साथ किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कुंभ — आज फाइनेंस और लोन से जुड़े हुए अटके काम शुरू हो सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत करने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपकी इच्छाशक्ति आपके लिए विपरीत परिस्थितियों में ढाल के रूप में काम करेगी।

मीन — आज सहकर्मियों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। संपत्ति विवादों का समाधान निकल सकता है। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को अपनी जॉब की चिंता हो सकती है। संतान की चिंता हो सकती है।

सुडोकू -49

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6				8	
	8	9			4			5
3			2			7		
	2			8	9			6
		7				3	9	
9				1			4	
		1			7			8
4			1			9	5	
	9				5			

सुडोकू - 48 का हल

7	6	5	9	3	1	2	4	8
9	4	3	6	2	8	1	5	7
8	2	1	5	7	4	3	9	6
5	9	6	8	1	3	7	2	4
3	7	4	2	5	9	8	6	1
1	8	2	7	4	6	9	3	5
4	3	7	1	6	2	5	8	9
6	1	9	3	8	5	4	7	2
2	5	8	4	9	7	6	1	3

मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और हो सकता है कि वहां की पिच यहां की पिच की तुलना में अलग हो या फिर वैसी ही हो। और अगर ऐसा होता है, तो हमें पता है कि कैसे खेलना है।

-मिचेल सैंटनर

स्टेडियम

लखनऊ, सोमवार, 2 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लवलीना, पूजा करेंगी भारतीय मुक्केबाजी टीम की अगुवाई

ला नुसिया (स्पेन)। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और ओलंपियन पूजा रानी मंगलवार को स्पेन के एलिकांटे के ला नुसिया में होने वाले बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में भारत की 33 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम की अगुवाई करेंगी। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया और सचिन सिवाच भी इस टीम का हिस्सा हैं। निकहत ज़रीन (51 किग्रा) ने मार्च के आखिर में होने वाली एशियन चैंपियनशिप जो ओलंपिक क्वालिफिकेशन के रास्ते में एक अहम कदम है – की तैयारी पर ध्यान देने के लिए इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

गुकेश ने नीमैन को बराबरी पर रोका

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने टाटा स्टील मास्टर्स के 12वें चरण में रविवार को यहां हांस मोके नीमन के खिलाफ ड्रॉ खेला, जबकि नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने मैथियास ब्लूबाउम पर दमदार जीत दर्ज कर एकल बढ़त कायम करते हुए खिताब की ओर कदम बढ़ा दिया। जावोखिर सिंदारोव ने आर प्रज्ञानानंदा के खिलाफ कोई जोखिम नहीं लिया जिससे उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। वह 7 .5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। वह अपने हमवतन अब्दुसत्तोरोव से आधा अंक पीछे हैं। टूर्नामेंट में अब सिर्फ एक दौर का खेल बचा है और उज्बेकिस्तान के इन दोनों खिलाड़ियों ने शीर्ष दो स्थान के साथ साल के पहले सुपर-टूर्नामेंट में अपने देश का दबदबा कायम किया।

अर्शदीप सिंह 'इम्पैक्ट प्लेयर' चुने गए

तिरुवनंतपुरम। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद भारत के पेसर अर्शदीप सिंह को इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। बीसीसीआई ने रविवार को ड्रेसिंग रूम का एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो जारी किया। बीसीसीआई टीवी पर शेयर किए गए वीडियो में, ट्रेनिंग असिस्टेंट उडेनेका नेवान ने अर्शदीप सिंह को मेडल जीतने वाले के तौर पर अनाउंस किया, और पूरी सीरीज में लगातार इम्पैक्ट दिखाने के लिए बाएं हाथ के पेसर की तारीफ की। अर्शदीप ने यह सम्मान लेते हुए, सपोर्ट स्टाफ और फैंस को धन्यवाद दिया और सीरीज के दौरान टीम के परफॉर्मेंस की तारीफ की।

दो अभ्यास मैच खेलेंगे तिलक वर्मा

मुंबई। भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओई) से खेलने की मंज़ूरी मिल गई है और वह 2026 टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे। जनवरी की शुरुआत में रणजी ट्रॉफ़ी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्ज़री कराने के चलते वे लगभग एक महीने से मैदान से बाहर थे। तिलक पहले 2 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के ख़िलाफ इंडिया ए टीम की ओर से खेलेंगे और इसके बाद 4 फरवरी को दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ भारत के अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे।

देविका सिहाग ने जीता पहला सुपर 300 खिताब

बैंकॉक, एजेंसी

भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने रविवार को यहां 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता।

हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही। उन्होंने कहा मैंने शुरुआत से ही अच्छी गति बनाने की योजना बनाई थी और वह कारगर रही। मेरा मानना है कि वह थकी हुई थीं और उन्हें ऐंठन भी थी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करती हूं। देविका इस जीत के साथ सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल पीवी सिंधू और साइना नेहवाल ने हासिल की थी। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में कोच उमेंद्र राणा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसके साथ ही वह इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ अपने खेल को निखार रही हैं। भारतीय खिलाड़ी क्रॉस कोर्ट और सीधे स्मैश लगाने की अपनी क्षमता और साथ ही बड़ी कुशलता से ड्रॉप शॉट लगाने से जल्द ही 9-2 से आगे हो गईं। इंटरवल तक उन्होंने 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। गोह को देविका ने उन्हें कोर्ट पर खूब दौड़ाया।

प्रतिद्वंद्वी मलेशिया की गोह जिन वेई बीच से हटीं

देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंदी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया। बाद में उन्होंने मुकाबला बीच में छोड़ दिया।

देविका ने चैंपियन बनने के बाद कहा आज मैं बेहद खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला सुपर 300 खिताब है। मैं भविष्य में और टूर्नामेंट खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं। उन्होंने कहा मैंने यहां बहुत अच्छे मुकाबले खेले। मैंने काफी कुछ सीखा है। यहां मिली सीख को मैं अपने खेल में लागू कर गलतियों को सुधारूंगी। मैच में उतरते समय मैंने जीत या हार के बारे में नहीं सोचा, बल्कि अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान रखा। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

-देविका सिहाग

थाईलैंड मास्टर्स

कार्लोस अल्कारेज ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाले बने सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी

मेलबर्न, एजेंसी

- नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराया

कोई नहीं जानता कि मैं यह ट्रॉफी पाने के लिए कितनी मेहनत कर रहा हूं। मैंने इस पल का बहुत पीछा किया। हमने बस सही काम किया, आप मुझे हर दिन सही काम करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। मैं उन सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं जो अभी मेरे साथ हैं।

-कालोस अल्कारेज

सबसे पहले एक शानदार टूर्नामेंट और शानदार दो हफ्तों के लिए बधाई। आप जो कर रहे हैं उसे बताने के लिए सबसे अच्छा शब्द ऐतिहासिक, दिग्गज है इसलिए बधाई। मैं आपके बाकी करियर के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

-नोवाक जोकोविच

कार्लोस अल्कारेज रविवार को यहां फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब अपने नाम करके करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। जब कोई खिलाड़ी चारों ग्रैंडस्लैम-ऑस्ट्रेलियाई ओपन, विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत लेता है तो उसे करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना कहते हैं।

रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच की मेलबर्न पार्क में फाइनल में यह पहली हार है। इससे पहले उन्होंने यहां अपने सभी 10 फाइनल में जीत दर्ज की थी। शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी अल्कारेज ने रविवार को पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से जीत हासिल की। जीत दर्ज करने के बाद कोर्ट से जाते हुए अल्कारेज ने टीवी कैमरा के लैंस पर हस्ताक्षर करते हुए लिखा, 'काम पूरा हुआ। चार में से चार पूरे हुए।'

बाइस साल के स्पेन के खिलाड़ी ने 38 साल के जोकोविच पर दबाव बनाए रखा। जीत पक्की करने के बाद अल्कारेज ने हाथ से रैकेट छोड़ दिया और वह पीठ के बल जमीन पर गिर गए और अपने हाथ सिर पर रख लिए। जोकोविच से हाथ मिलाने के लिए नेट पर जाने से पहले वह कुछ सेकेंड वहीं रुके। दोनों खिलाड़ियों ने कुछ बातें कीं और जोकोविच स्पेन के खिलाड़ी को बधाई देते हुए मुस्कुराए। इसके बाद नया चैंपियन कोर्ट के एकतरफ लगी कुर्सियों पर बैठे अपने कोच को गले लगाने के लिए दौड़ा और बाद में स्टैंड में अपने पिता और टीम के दूसरे सदस्यों को भी गले लगा। पिछले सत्र के आखिर में अल्कारेज अपने पुराने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से अलग हो गए थे और सैमुअल लोपेज उनकी कोचिंग टीम के प्रमख बने।

जोकोविच ने मजाक में कहा कि यह मुकाबला अगले 10 वर्षों के लिए अल्कारेज के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता की शुरुआत करेगा। उन्होंने हालांकि बाद में कहा कि नए चैंपियन को आगे आने देना ही सही था। दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में पांच सेट में कड़ी जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों की तलाश में तीन घंटे से अधिक समय तक दोनों ने जबरदस्त फिटनेस, खेल और स्टेमिना का नजारा दिखाया। कोई भी खिलाड़ी बड़े अंकों पर हार मानने को तैयार नहीं था। स्पेन के खिलाड़ी ने 16 ब्रेक प्वाइंट में से पांच का फायदा उठाया जबकि जोकोविच छह ब्रेक प्वाइंट में से सिर्फ दो को ही अंक में बदल सके।

करियर ग्रैंडस्लैम

जब कोई खिलाड़ी चारों ग्रैंडस्लैम-ऑस्ट्रेलियाई ओपन, विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत लेता है तो उसे करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना कहते हैं।

जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब का इंतजार बढ़ा

नोवाक जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने के अभियान पर एक बार फिर अल्कारेज और यानिक सिनर में से एक ने रोक लगाई। इन दोनों ने मिलकर पिछले नौ ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में सिनर को हराया था और ओपन युगल में ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बनने की राह पर थे लेकिन अल्कारेज ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जोकोविच और स्पेन के रफेल नडाल ने कुछ जबरदस्त मैच खेले जिसमें 2012 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का अब तक का सबसे लंबा मैच भी शामिल है जो पांच सेट का फाइनल था और लगभग छह घंटे तक चला था।

अंडर-19 में शॉट लगाते वेदांत त्रिवेदी। एजेंसी

पाकिस्तान को हराकर भारत सेमीफाइनल में

अंडर-19 विश्वकप

बुलावायो, एजेंसी

- भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बनाए 252 रन
- पाक को सेमीफाइनल के लिए 33.3 ओवर में हासिल करना था लक्ष्य

वेदांत त्रिवेदी (68) की अर्धशतकीय पारी और निचलेक्रम के बल्लेबाजों की जुझारू पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अंडर-19 विश्वकप के 36वें मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

भारत पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को जीत के लिए 253 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान 33.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। जिसमें वह विफल रहा। भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 46.2 ओवर में 194 के स्कोर पर समेट कर उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने समीर मिन्हास (नौ) का विकेट गंवा दिया। खिलन पटेल ने मिन्हास को पगबाधा आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उस्मान खान और हम्जा जहूर ने पारी को संभाला और 88 के स्कोर तक ले गए।

17वें ओवर में आयुष म्हात्रे ने उस्मान खान (66) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान फरहान यूसफ ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाज टीम के स्कोर को 151 तक ले गये। पाकिस्तान 35.3 ओवरों तक पांच विकेट पर 168 रन ही बना सका।

उत्तर प्रदेश की कप्तान मेग लानिंग का विकेट लेने के बाद जश्न मनातीं शिनेल हेनरी। एजेंसी

दिल्ली ने यूपी को 122 रनों पर रोका

वडोदरा, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

मारिजेन कैप की अगुआई में गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग में रविवार को यहां यूपी वारियर्स को आठ विकेट पर 122 रन के स्कोर पर रोक दिया। कैप (30 रन पर तीन विकेट), श्री चरणी (22 रन पर दो विकेट) और हेनरी (25 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने यूपी वारियर्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कभी बड़े स्कोर की ओर पहुंचने की स्थिति में नहीं थी।

वारियर्स की ओर से सलामी बल्लेबाज दीप्ति शर्मा (24), शिखा पांडे (नाबाद 23) और सिमरन शेख (22) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाईं। दिल्ली की टीम अगर इस मुकाबले को जीत लेती है तो मुंबई इंडियन्स को पछाड़कर गुजरात जाइंट्स के खिलाफ होने वाले एलिमिनेटर में जगह बना लेगी।

जेमिमा ने टॉस जीतकर वारियर्स को बल्लेबाजी का न्यौता दिया जिसे उनकी गेंदबाजों ने सही साबित करते हुए पावर प्ले में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 36 रन कर दिया। हेनरी ने मैच की पहली ही गेंद पर कप्तान मेग लेनिंग (00) को पगबाधा किया। दीप्ति शर्मा (24) ने हेनरी और कैप पर दो-दो चौके मारे। चार्ली नॉट (12) ने भी कैप पर चौका मारा लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर विकेटकीपर लिजेल ली को कैच दे बैठी। दीप्ति ने कैप पर पारी का पहला छक्का मारा लेकिन ओवर की अंतिम गेंद को निक्की प्रसाद के हाथों में खेल गईं। हरलीन देओल भी 11 गेंद में सिर्फ तीन रन बनाने के बाद श्री चरणी की गेंद पर पगबाधा हो गईं।

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगा पाकिस्तान

लाहौर, एजेंसी

टी-20 विश्व कप

5 दिन शेष

- लेकिन टूर्नामेंट में भाग लेगा बांग्लादेश का ले रहा पक्ष

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के अपने ग्रुप लीग मुकाबले के बहिष्कार के फैसले की रविवार को औपचारिक घोषणा कर दी लेकिन सरकार ने सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के बाकी मैचों में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी है।

यह एक ऐसा कदम, जिसके दूरगामी असर पड़ने की संभावना है। सरकार के एक आधिकारिक बयान के माध्यम से दिए गए इस निर्णय को बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने से जुड़ा एक राजनीतिक विरोध माना जा रहा है। विश्व निकाय ने सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के भारत से श्रीलंका में मैच स्थानांतरित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पहले कहा था कि वह इस फैसले के बाद टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की समीक्षा करेगा, क्योंकि वह बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखा रहा है। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि उसने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है, लेकिन टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में मैदान पर नहीं उतरेगी। इस फैसले के साथ टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों का दौर समाप्त हो गया है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हो रहे इस टूर्नामेंट के बीच यह फैसला क्षेत्र में बढ़े राजनीतिक तनाव के माहौल में सामने आया है।

विदर्भ से हारकर उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी से बाहर

नागपुर। गत चैंपियन विदर्भ ने रविवार को यहां उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराकर ग्रुप ए से आंध्र के साथ एलीट रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विदर्भ की टीम ग्रुप ए में आंध्र के बाद दूसरे स्थान पर रही। दोनों टीम ने सात मैच में समान 31 अंक हासिल किए लेकिन आंध्र की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर रही। उत्तर प्रदेश के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ की टीम ने चौथे और अंतिम दिन चार विकेट पर 91 रन से आगे खेलते हुए छह विकेट गंवाकर 58.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज अमन मोखाडे 150 गेंद में 83 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके मारे। दानिश मालेवार ने भी 54 रन की पारी खेली। उप्र की तरफ से स्पिनर शिवम शर्मा ने 55 रन देकर चार विकेट चटकाए।

बढ़ा मनोबल

न्यूजीलैंड के खिलाफ शृंखला में सर्वाधिक रन बना बनाकर टी-20 विश्व कप के लिए जता दिए अपने इरादे

ब्रेक और बल्लेबाजी में कुछ बदलाव से फॉर्म में लौटे सूर्यकुमार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीका शृंखला के बाद मिले ब्रेक और बल्लेबाजी में किए गए कुछ बदलाव से उन्हें अपनी फॉर्म में वापसी करने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने शनिवार से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड पर भारत की 4-1 से जीत में आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए कुछ उम्दा पारियां खेली।

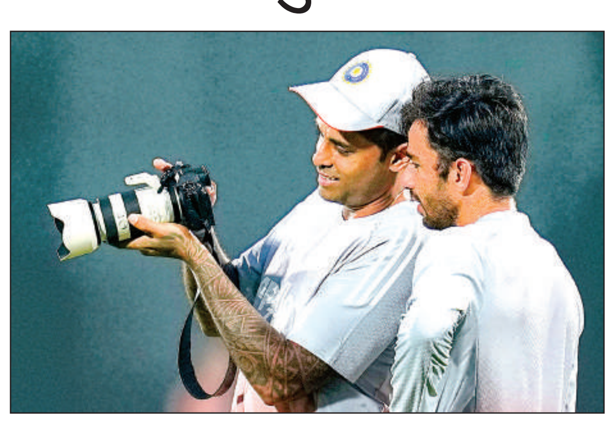

सूर्यकुमार पिछले साल रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। वह इस दौरान एक भी अर्धशतक नहीं बना पाए थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करके न्यूजीलैंड के खिलाफ शृंखला में सर्वाधिक रन बनाए और उन्हें शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद सूर्यकुमार ने आत्मचिंतन किया और अपने खेल में कुछ बदलाव किए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार पारियों में वह केवल 34 रन बनाए थे, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 12 रन था। सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत की 46 रन से जीत के बाद कहा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला के बाद मुझे ब्रेक मिला। मैंने घर लौटने पर अपना किट बैग एक तरफ रखा और नौ-दस दिन तक आराम किया। उन्होंने कहा नए साल की शुरुआत से ही मैंने फिर से अभ्यास करना शुरू कर दिया और पिछले साल की कमियों पर विचार किया। विशेष रूप से शुरुआती ओवरों में मेरे स्ट्राइक रेट पर मैंने चिंतन किया।

सूर्यकुमार ने कहा मैं 2021-23 में शुरुआती पांच-दस गेंदों पर आक्रामक बल्लेबाजी करता था और मेरा स्ट्राइक रेट 200-250 रहता था। अब मैं शुरुआती पांच-सात गेंदों पर संभलकर खेलता हूं और उसके बाद अपना स्ट्राइक रेट दोगुना कर लेता हूं। नागपुर में खेले गए पहले ही मैच से यह रणनीति कारगर साबित हुई, जिससे मुझे लय मिली और मेरी फॉर्म में सुधार हुआ।

भारत के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार को कप्तानी संभालने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करना पड़ा था। उन्होंने 2025 में 21 मैचों में केवल 218 रन बनाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 रहा। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने पांच मैचों में 80.66 के औसत और 196.74 के स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए। भारत की निगाहें अब लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने पर टिकी हैं।

टीम संयोजन को बनाया गया है बेहतर

सूर्यकुमार ने कहा कि गेंदबाजी से समझौता किए बिना बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए टीम संयोजन को भी बेहतर बनाया गया है। उन्होंने अपने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी अपनी अनूठी पहचान लेकर आता है। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, संजू सैमसन, सभी राज्य और फ्रेंचाइजी स्तर पर अपनी शैली के अनुरूप बल्लेबाजी करते हैं। मैंने उन्हें अपनी शैली पर बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। सूर्यकुमार ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज को लेकर अंतिम फैसला शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच से पहले लिया जाएगा।